जबलपुर, गुरुवार
09 अप्रैल 2026
वर्ष 31 अंक 283
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 3.00
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार
'जब तक जीना तब तक सीखना, अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।'

2 सीईओ की चुप्पी मे छुपे कई राज...
5 आरडी कॉलेज के सामने फैले ...
7 सीजफायर से अमेरिका और ईरान...
11 सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को...

31 मार्च 2027 तक न करें तबादले

भोपाल।

जनगणना कार्य में लगाए जाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला 31 मार्च 2027 तक नहीं किया जा सकेगा। केंद्र सरकार ने इसके लिए एमपी समेत सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कहा है कि राज्य सरकार इस संबंध में निर्देश जारी करेगी और इसकी जानकारी रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त को दी जाएगी। हालांकि एमपी में राज्य सरकार ने अब तक इस तरह के निर्देश जारी नहीं किए हैं। केंद्र सरकार के निर्देश का असर एमपी के 1.90 लाख अधिकारी-कर्मचारी पर पड़ना तय है। केंद्रीय गृह सचिव गोविन्द मोहन ने इसको लेकर सभी राज्यों समेत एमपी के मुख्य सचिव को निर्देश जारी किए हैं। इसमें जनगणना 2027 के मद्देनजर तबादलों पर प्रतिबंध की बात कही गई है। केंद्रीय गृह सचिव द्वारा चीफ सेक्रेट्री को लिखे पत्र में कहा गया है कि जनगणना 2027 पूरी तरह डिजिटल माध्यम से दो चरणों में पूरी कराई जाएगी, जिसमें सेल्फ-एन्यूमरेशन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। पहला चरण हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच 30 दिनों की अवधि में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा तय समय के अनुसार कराया जाएगा। जनगणना का दूसरा चरण जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में आयोजित होगा।

जनगणना के लिए केंद्रीय गृह सचिव का मुख्य सचिव को पत्र

कयामत की रात से दोस्ती की बात

48 घंटे तक डिप्लोमेसी और कूटनीतिक संवादों की कहानी है ईरान का सीजफायर डील

नई दिल्ली/तेहरान/वाशिंगटन

अमेरिका और इजरायल के अधिकारियों को सोमवार को एक दिलचस्प घटनाक्रम के बारे में पता चला। ईरान पर राष्ट्रपति ट्रंप का अल्टीमेटम मंडरा रहा था। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने जंग शुरू होने के बाद पहली बार अपने वार्ताकारों को कहा था कि वे समझौते की दिशा में आगे बढ़ें। ट्रंप ने एक पूरी सभ्यता को ही तबाह कर देने की घोषणा कर रखी थी। तब पर्दे के पीछे कूटनीतिक हलचल के संकेत मिल रहे थे। हालांकि यहां तक कि ट्रंप के करीबी सूत्रों को भी तब तक यह पता नहीं था कि किसी नतीजे की उम्मीद की जाए या नहीं। मध्य पूर्व में मौजूद अमेरिकी सेना और पेंटागन के अधिकारी तनाव के उन आखिरी घंटों में ईरान के बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर बमबारी करने की तैयारी में जुटे थे। उनके लिए मानो ग्रीन सिग्नल कभी भी आने वाला था। लेकिन वे यह भी समझने की कोशिश कर रहे थे कि ट्रंप किस तरफ झुक रहे हैं। एक रक्षा अधिकारी ने कहा, हमें बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि क्या होने वाला है। हालात बेहद उथल-पुथल भरे थे। इस क्षेत्र में मौजूद सहयोगी देश, ईरान की ओर से होने वाली अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई के लिए खुद को तैयार कर रहे थे। कूटनीति का यह ब्योरा जिसकी वजह से मध्य पूर्व में तबाही की वो रात नहीं आई, उन ग्यारह सूत्रों के साथ हुई बातचीत पर आधारित है, जिन्हें इन वार्ताओं की जानकारी थी। सोमवार की सुबह जब ट्रंप व्हाइट हाउस में ईस्टर के जश्न के दौरान लोगों से मिल रहे थे तब बहुत गुस्से में रहे स्टीव विटकॉफ फोन पर बात कर रहे थे। अमेरिकी दूत ने मध्यस्थों से कहा कि ईरान से अमेरिका को अभी-अभी मिला 10-सूत्रीय जवाबी प्रस्ताव 'एक आपदा, एक तबाही' है। इसके साथ ही अफरातफरी, और कूटनीतिक रेस से भरा एक दिन शुरू हो गया। पाकिस्तानी मध्यस्थ विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच नए मसौदे इधर-उधर कर रहे थे, और मिस्र तथा तुर्की के विदेश मंत्री दोनों पक्षों के बीच की खाई पाटने में मदद करने की कोशिश कर रहे थे। चीन भी ईरान को इस स्थिति से निकलने का कोई रास्ता खोजने की सलाह दे रहा था। अमेरिकी समय के अनुसार मंगलवार को दोपहर के आस-पास आम तौर पर यह समझा जाने लगा था कि दोनों पक्ष दो हफ्ते के संघर्ष-विराम पर सहमत हो रहे हैं। तीन घंटे बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक्स पर इसकी शर्तें जारी कीं और दोनों पक्षों से इन्हें स्वीकार करने की अपील की।

नोट भेजकर बात कर रहे थे खामेनेई

सोमवार रात तक मध्यस्थों को दो हफ्ते के संघर्ष-विराम के लिए एक संशोधित प्रस्ताव पर अमेरिका की मंजूरी मिल चुकी थी। अब फैसला करना मोजतबा खामेनेई के हाथ में था। रोचक बात यह थी कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता की इसमें वार्ता में भागीदारी जानबूझकर गुप्त रखी गई थी और इसमें उन्हें शामिल करना काफी मेहनत वाला काम था। इजरायल की ओर से हत्या की खतरे का सामना करते हुए खामेनेई मुख्य रूप से संदेशवाहक के जरिए नोट भेजकर बातचीत कर रहे थे। दो सूत्रों ने खामेनेई द्वारा अपने वार्ताकारों को समझौता करने के लिए दी गई मंजूरी को एक बड़ी सफलता बताया।

धमकी के बाद टूटने वाला था समझौता

मंगलवार सुबह तक यह साफ हो गया था कि बातचीत में कुछ प्रगति हो रही है, लेकिन इससे ट्रंप अपने सबसे भयानक धमकी देने से नहीं रुके। उन्होंने कहा, आज रात एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी। कुछ अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स ने रिपोर्ट किया कि इसके जवाब में ईरान बातचीत तोड़ रहा था। बातचीत में शामिल सूत्रों ने बताया कि ऐसा नहीं था, बल्कि असल में बातचीत में कुछ तेजी आई थी। उपराष्ट्रपति वैंस हंगरी से फोन पर लगातार काम कर रहे थे, और मुख्य रूप से पाकिस्तानियों से बात कर रहे थे। इस बीच इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पूरे दिन ट्रंप और उनकी टीम के साथ लगातार संपर्क में थे।

ट्रंप ने असीम मुनीर को किया कॉल

अपना जवाब पोस्ट करने से कुछ समय पहले ट्रंप ने नेतन्याहू से बात की ताकि सीजफायर का पालन करने का उनका कमिटमेंट लिया जा सके। इसके बाद उन्होंने डील पक्की करने के लिए पाकिस्तानी फील्ड मार्शल असीम मुनीर से बात की। ट्रंप के पोस्ट के 15 मिनट बाद यूएस सेना को पीछे हटने का ऑर्डर मिला। अराघची ने कहा कि ईरान सीजफायर का पालन करेगा और 'ईरान की सेना के साथ सहमति में' चलने वाले जहाजों के लिए होर्मुज स्ट्रेट खोल देगा। नेतन्याहू को भरोसा मिला है कि यूएस शांति बातचीत में इस बात पर जोर देगा कि ईरान अपना न्यूक्लियर मैटेरियल छोड़ दे, एनरिचमेंट बंद कर दे, और बैलिस्टिक मिसाइल को छोड़ दे।

सीजफायर के बाद भी खाड़ी देशों पर हमले

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान को दो टूक लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ खिलवाड़ करना भारी पड़ सकता है। ईरान-अमेरिका में हुए सीजफायर के बीच खाड़ी देशों में हमले जारी हैं। दरअसल, एक तरफ जहां बुडापेस्ट में कूटनीतिक चर्चाएं चल रही हैं, वहीं दूसरी ओर खाड़ी क्षेत्र में तनाव फिर से बढ़ गया है। संयुक्त अरब अमीरात ने आधिकारिक बयान जारी कर बताया है कि उसका एयर डिफेंस सिस्टम वर्तमान में गंभीर मिसाइल खतरे का सामना कर रहा है. इसके अलावा कुवैत ने भी ताजा हमले होने की बात कही है। यह घटनाक्रम सीजफायर की स्थिरता पर सवालिया निशान खड़े करते हैं।

किसानों के लिए खाद सब्सिडी 4,317 करोड़ बढ़ी

40 हजार करोड़ के दो हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट मंजूर

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 8 अप्रैल को 1.74 लाख करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स और प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इन फैसलों में कृषि, ऊर्जा और शहरी परिवहन शामिल है। कैबिनेट ने खरीफ सीजन 2026 के लिए एनबीएस स्कीम को मंजूरी दी है। सरकार फॉस्फेटिक और पोटाश उर्वरकों करीब 41,533 करोड़ रुपए खर्च करेगी। यह पिछले साल के बजट से करीब 4,317 करोड़ रुपए ज्यादा है। नई दरें 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक लागू रहेंगी। सरकार के इस फैसले का मकसद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की कीमतों में हो रहे उतार-चढ़ाव से किसानों को बचाना है। कोरोना के बाद डीएपी की कीमतें तेजी से बढ़ी है, लेकिन सरकार ने किसानों के लिए खुदरा कीमत को 1,350 रुपए प्रति 50 किलो बैग पर स्थिर रखा है। सरकार ने एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी प्रोजेक्ट के लिए संशोधित लागत को मंजूरी दे दी है। अब इस प्रोजेक्ट पर 79,459 करोड़ रुपए खर्च होंगे। राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा में स्थित यह रिफाइनरी 9 एमएमटीपीए क्षमता वाली होगी। ऑपरेशन जुलाई से शुरू हो सकते हैं। राजस्थान की राजधानी जयपुर में मेट्रो विस्तार के लिए फेज-2 को मंजूरी मिल गई है। 13,038 करोड़ रुपए की लागत वाले इस प्रोजेक्ट के तहत प्रहलादपुरा से टोडी मोड़ तक 41 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर बनेगा। इससे जयपुर और आसपास के इलाकों में ट्रांसपोर्ट सिस्टम बेहतर होगा। ऊर्जा सुरक्षा के लिए कैबिनेट ने दो बड़े हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को भी मंजूरी दी है। 1,720 मेगावाट क्षमता वाले कमला हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट पर 26,070 करोड़ रुपए खर्च होंगे। वहीं 1,200 मेगावाट के कलई-2 हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट पर 14,106 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

11 साल बाद जेल से बाहर आएगा रामपाल

चंडीगढ़। सतलोक आश्रम के प्रमुख रामपाल को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम मामले में जमानत दी है। इसके साथ ही करीब 11 साल 5 महीने बाद रामपाल का जेल से बाहर आने का रास्ता लगभग साफ हो गया। हाईकोर्ट हत्या के 2 मामलों में पहले ही जमानत दे चुका है और रामपाल अवमानना मामले में भी बरी कर चुका है। रामपाल को 19 नवंबर 2014 को हिसार जिले के बरवाला स्थित सतलोक आश्रम से गिरफ्तार किया गया था।

वंदे भारत के खाने में निकला कीड़ा

आईआरसीटीसी ने ठोका 10 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। अहमदाबाद से मुंबई जा रही प्रीमियम ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस में एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने यात्रियों को हैरान कर दिया और रेलवे की खानपान व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। यात्रा के दौरान एक यात्री को परोसे गए खाने में कीड़ा मिलने की शिकायत सामने आई, जिसके बाद पूरे कोच में हड़कंप मच गया। यह मामला 6 अप्रैल 2026 का बताया जा रहा है, जब मुंबई के एक बिजनेसमेन आदित्य डिडवानिया इस ट्रेन से सफर कर रहे थे। उन्होंने अपने अनुभव को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया। पोस्ट में उन्होंने कुछ तस्वीरें और वीडियो भी पोस्ट किए, जिनमें साफ तौर पर खाने में कीड़ा दिखाई दे रहा था। आदित्य डिडवानिया ने अपने पोस्ट में बताया कि यह सिर्फ एक प्लेट तक सीमित मामला नहीं था। उनके अनुसार, उसी कोच में कम से कम दो यात्रियों को ऐसे ही अनुभव का सामना करना पड़ा। आईआरसीटीसी ने इस घटना के लिए यात्रियों से माफी मांगी और कहा कि इस शिकायत को बेहद गंभीरता से लिया गया है। जांच के बाद संबंधित फूड सप्लायर पर 10 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा, उस विक्रेता को अनुबंध समाप्त करने का नोटिस भी जारी किया गया है। जिस किचन से खाना तैयार हुआ था, उसे भी सील कर दिया गया है।

अर्थव्यवस्था पर वर्ल्ड बैंक ने माना भारत का लोहा

वित्त वर्ष 27 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

नई दिल्ली।

विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर का अनुमान बढ़ा दिया है। पहले 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान था, जिसे अब संशोधित कर 6.6 प्रतिशत कर दिया गया है। यह वृद्धि भारत की आर्थिक मजबूती और विकास की संभावनाओं को दर्शाती है, जिससे देश के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत मिलते हैं। वर्ल्ड बैंक ने बुधवार को 'साउथ एशिया इकोनॉमिक अपडेट' जारी की। इसी अपडेट में उसने भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अनुमान बढ़ाया। विश्व बैंक का अनुमान है कि भारत दक्षिण एशिया में विकास का मुख्य इंजन बना रहेगा। बैंक ने कहा कि दक्षिण एशिया की कुल ग्रोथ 2025 के 7.0 प्रतिशत से घटकर 2026 में 6.3 प्रतिशत होने की संभावना है, जिसका मुख्य कारण मध्य पूर्व में चल रहा संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में आई रुकावटें हैं। हालांकि, 8 अप्रैल को ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध विराम हो गया है। विश्व बैंक ने कहा कि 2027 में ग्रोथ के फिर से बढ़कर 6.9 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जिससे दक्षिण एशिया उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र बना रहेगा। विश्व बैंक ने चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य बेहद अनिश्चित बना हुआ है, और इसका कारण इस क्षेत्र की आयातित ऊर्जा पर भारी निर्भरता और भू-राजनीतिक प्रभावों के प्रति इसकी संवेदनशीलता है। ऊर्जा बाजारों में और अधिक उथल-पुथल से महंगाई बढ़ सकती है, मौद्रिक नीति और सख्त हो सकती है, और रेमिटेंस (विदेशों से आने वाले पैसे) के प्रवाह में कमी आ सकती है।

हवाई अड्डों पर शुल्क घटाने का आदेश

नई दिल्ली (वार्ता)

सरकार ने विमान सेवा कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा संचालित बड़े हवाई अड्डों से इतर सभी एयरपोर्ट पर लैंडिंग एवं पार्किंग शुल्क में 25 प्रतिशत की कटौती का आदेश दिया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है पश्चिम एशिया में जारी संकट के मद्देनजर यह फैसला किया गया है ताकि विमान सेवा कंपनियों की बढ़ती लागत के कारण टिकट की कीमतों में तेज वृद्धि को नियंत्रित किया जा सके।

रेत माफिया ने वनकर्मी का सिर कुचला, मौके पर मौत

मुरैना। मध्य प्रदेश के चंबल अंचल में रेत का अवैध कारोबार बेखौफ चल रहा है। इसी के चलते मुरैना में अवैध रेत परिवहन कर रहे ट्रैक्टर चालक विनोद कोरी ने वन रक्षक हरिकेश गुर्जर की कुचलकर हत्या कर दी। घटना बुधवार की अलसुबह हुई। आरोपित विनोद कोरी इतना दुस्साहसी निकला कि उसने हत्या के बाद आधा किलोमीटर दूर पेट्रोल पंप पर ट्रैक्टर-ट्राली खड़ी की। कपड़े बदले और वहां के कर्मचारी को औने-पौने दाम पर रेत बेचकर ट्रैक्टर-ट्राली भी ले गया। पुलिस ने विनोद कोरी के विरुद्ध हत्या का प्रकरण दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। उसने पुलिस को बताया है कि ट्रैक्टर का संचालन कुथियाना गांव के पवन तोमर व सोनू चौहान कर रहे हैं। पवन तोमर दिमनी भाजपा मंडल का उपाध्यक्ष है। सोनू भी भाजपा से ही जुड़ा है। मृतक के स्वजन की मांग है कि अवैध कारोबार में शामिल ट्रैक्टर मालिक को भी आरोपित बनाया जाए। पुलिस असली मालिकों की पहचान सुनिश्चित कर रही है। पुलिस के अनुसार अंबाह वन रेंज के डिप्टी रेंजर वीरकुमार तिर्की के नेतृत्व में हरिकेश गुर्जर सहित चार लोगों की टीम बुधवार को दिमनी थाना क्षेत्र के अंबाह-मुरैना रोड पर गश्त कर रहे थे। सुबह साढ़े पांच बजे रानपुर चौराहा पर टीम विनोद कोरी को रुकने का इशारा किया, लेकिन वह नहीं रुका। तभी हरिकेश गुर्जर ट्रैक्टर पर चढ़ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विनोद कोरी ने हरिकेश गुर्जर को लात मारकर धकेल दिया और उन्हें कुचलते हुए ट्रैक्टर-ट्राली ले भागा। हरिकेश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

असम, केरल और पुडुचेरी में मतदान आज

नई दिल्ली (वार्ता)। असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में 296 विधानसभा सीटों पर चुनाव के लिए गुरुवार को होने वाले मतदान की तैयारियां पूरी कर ली गयी है। असम की 126 , केरल की 140 और पुडुचेरी की 30 सीटों के लिए कल वोट डाले जायेंगे। मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा और शाम पांच बजे तक चलेगा। चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध कर लिये गये हैं और आयोग मतदान-केंद्रो पर मतदाताओं का स्वागत करने के लिए तैयार है।

खड़गे ने अपने बयान पर जताया खेद

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुजरात के लोगों के संबंध में दिये गये अपने विवादित बयान पर खेद व्यक्त किया है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर सफाई देते हुए कहा कि उनके केरल में दिये गये चुनावी भाषण की कुछ बातों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया है। उन्होंने लिखा कि वह अपनी ओर से जिम्मेदारी लेते हुए इस पर खेद व्यक्त करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुजरात के लोगों के प्रति उनके मन में हमेशा सर्वोच्च सम्मान रहा है और आगे भी रहेगा। किसी की भावनाओं को आहत करना उनका उद्देश्य कभी नहीं था।

सबरीमाला केस में सुप्रीम कोर्ट का केंद्र से सवाल

जो भक्त नहीं, वो धार्मिक परंपरा को चुनौती कैसे दे रहा

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार से पूछा कि जो लोग भगवान अयप्पा के भक्त नहीं हैं, वे केरल के सबरीमाला मंदिर की परंपराओं को कैसे चुनौती दे सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे पर 7 सवाल तय किए हैं। इनमें से एक सवाल यह है कि क्या कोई व्यक्ति, जो किसी धार्मिक संप्रदाय या समूह से संबंधित नहीं है, उस धार्मिक संप्रदाय या समूह की किसी प्रथा को जनहित याचिका के माध्यम से चुनौती दे सकता है। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि सबरीमाला मामले में याचिकाकर्ता कौन थे। मूल याचिकाकर्ता भक्त नहीं थे। किसी भी भक्त ने इस प्रथा को चुनौती देने के लिए अदालत का रुख नहीं किया। तो फिर ये रिट याचिकाकर्ता कौन हैं जो इसे चुनौती दे रहे हैं। मेहता ने जवाब दिया कि मूल याचिकाकर्ता 'इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन' नामक वकीलों का एक संगठन है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, वे भक्त नहीं हैं। लेकिन हमें यह स्पष्ट करना होगा। क्या भगवान अयप्पा का कोई भी भक्त इस परंपरा को चुनौती देते हुए रिट याचिका दायर कर सकता है और यदि कोई गैर-भक्त, जिसका उस मंदिर से कोई संबंध नहीं है, इसे चुनौती देता है, तो क्या यह अदालत ऐसी याचिका पर सुनवाई कर सकती है।

29 में से 23 देश भविष्य को लेकर चिंतित

भारत के 65 फीसदी लोग मानते हैं कि देश सही दिशा में जा रहा

नई दिल्ली

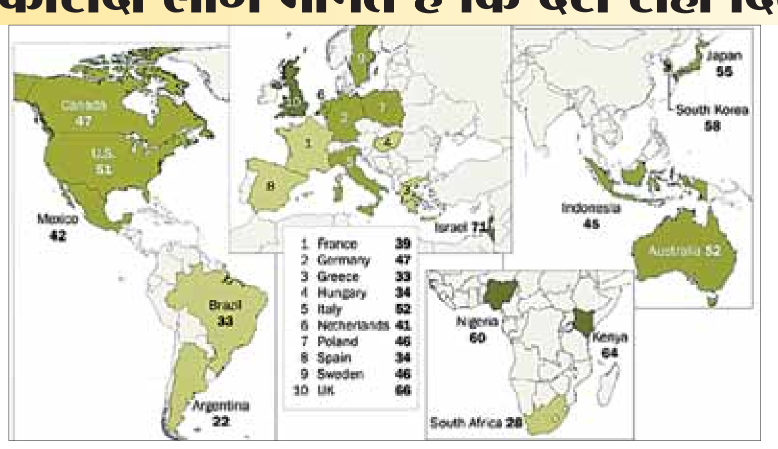

इस साल दुनियाभर में कई महत्वपूर्ण व्यवधान देखने को मिले हैं, जिनमें पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष भी शामिल है। वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं। पूरी दुनिया के लोग भविष्य को लेकर चिंतित है और निराशा बढ़ रही है। इसके बीच भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ देशों में उम्मीद की किरण बरकरार है। ग्लोबल रिसर्च फर्म इप्सोस ने मार्च 2026 की एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट का शीर्षक है 'वाट वरीज द वर्ल्ड' यानी पूरी दुनिया को सबसे ज्यादा क्या चितिंत करता है। रिपोर्ट में सर्वे किए गए 29 में से 23 देशों के अधिकांश लोग अपने भविष्य को लेकर नकारात्मक सोच रखते हैं लेकिन भारत, सिंगापुर, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड जैसे देश इस ट्रेंड से अलग खड़े हैं। सर्वे में शामिल भारत के 65 प्रतिशत लोगों का मानना है कि देश सही दिशा में जा रहा है। दुनिया में यह औसत महज 39 प्रतिशत है। सर्वे में उन प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों पर नागरिकों की राय भी शामिल की गई है जो उनके दैनिक जीवन को सीधे प्रभावित करते हैं। सर्वे में कई लोगों ने माना है कि तेल और गैस आपूर्ति पर बढ़ता दबाव भविष्य में चुनौती बन सकता है। वैश्विक चिंताओं में अपराध, हिंसा, बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी और सामाजिक असमानता, वितीय और राजनीतिक भ्रष्टाचार प्रमुख हैं। भारत में भी इसी तरह की चिंताएं देखने को मिलती हैं, लेकिन प्राथमिकताओं का क्रम अलग है। महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, अपराध और हिंसा के अलावा वित्तीय और राजनतिक भ्रष्टाचार भारतीयों की सबसे बड़ी चिंताएं हैं।

भारत की तटस्थ स्थिति ने बढ़ाई सकारात्मकता

इप्सोस इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक भारत के लोगों को सकारात्मक सोच के पीछे कई कारण हैं। भारत की तटस्थ भू राजनीतिक स्थिति और वैश्विक ईंधन संकट के प्रभाव को कम करने के लिए किए गए सक्रिय प्रयासों ने अर्थव्यवस्था को अपेक्षाकृत स्थिर बनाए रखा है।

सीईओ की चुप्पी में छुपे कई राज सरकारी राशि बंदरबाँट की भेंट चढ़ी

नौढ़िया पंचायत में बिना पुलिया बनाये डकार गये लाखों रूपये, कार्यवाही की दरकार

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)

जनपद पंचायत ब्यौहारी की ग्राम पंचायत नौढ़िया मे अंधेर नगरी चौपट राजा का खेल खेला गया। यंहा विकास की गंगा नहीं बल्कि भ्रस्टाचार की कीचड बह रही है। विकास के नाम पर सरपंच छोटे लाल सिंह और तत्कालीन सचिव सत्यभान सिंह ने ऐसी बाजीगिरी दिखाई कि बिना किसी तकनीकी रजामंदी और प्रशासकीय हरी झंडी के ही लाखो के सरकारी राशि बंदर बांट की भेट चढ़ गयी। हैरत की बात यह है कि इस पूरे खेल की जानकारी यंहा की सीईओ कल्पना यादव को भी है पर वो कार्यवाही के बजाय आंख मे गांधी रूपी चश्मा लगा जानबूझ कर धृतराष्ट्र बनी है।

लूट का खुला खेल, पर जिम्मेदार मौन क्यों

सूखा कल्हारी मार्ग से मॉडल स्कूल पंहुच मार्ग मे पुलिया का निर्माण कराये जाने के नाम पर जुलाई 2025 मे 5 लाख से ऊपर की राशि सरपंच सचिव ने आहरित कर बंदर बांट कर लिया है पर अचरज की बात यह है कि शिकायत के बाद जिम्मेदार अमला कार्यवाही के बजाय अपना कमीशन लेकर धृतराष्ट्र बन संरक्षण दे रहा है।

कहीं सीईओ की गठजोड़ से तो नहीं लुट रहा सरकारी खजाना

ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच छोटेलाल सिंह और सचिव सत्यभान सिंह ने सीईओ कल्पना यादव से तालमेल बना पंचायत की तिजोरी पर डांका डाला है जिस वजह से शिकायत के बाद भी कार्यवाही नहीं हो रही। शिकायत को दबाया जा रहा है। पंचायत मे 35 लाख रूपये फर्जी तरीके से निकाला गया है जिसकी शिकायत उप सरपंच सहित ग्रामीणों ने जनपद पंचायत अध्यक्ष और सीईओ से की थी मगर आज तक न तो जांच हुई और न ही कोई कार्यवाही।

इनका कहना है

मै देखती हूँ। नये सचिव आये है वो ज्वाइनिंग कर ले फिर उनसे डिटेल मंगवाती हूँ।

कल्पना यादव सीईओ जनपद पंचायत ब्यौहारी

महिला अपराधों के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाने वाले विभागों एवं संस्थाओं के महिलाओं को पुलिस ने किया सम्मानित

शहडोल (स्वतंत्रमत)। पुलिस कंट्रोल रूम में महिला अपराधों के विरुद्ध एक दिवसीय जन जागरूकता अभियान एवं सम्मान समारोह का किया गया आयोजन। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में व्याप्त कुरीतियों, बाल विवाह तथा अन्य महिला संबंधी अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं इनके उन्मूलन हेतु कार्यरत महिलाओं के योगदान को सम्मानित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं में कार्यरत उन महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने महिला अपराधों की रोकथाम, पीड़ित सहायता एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है। सम्मानित महिलाओं में प्रमुख रूप से महिला बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाएं (एनजीओ), वन स्टॉप सेंटर, परिवार परामर्श केंद्र तथा बाल कल्याण समिति से जुड़ी महिलाएं शामिल रहीं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव द्वारा सभी उपस्थित मातृशक्तियों को सम्मानित किया गया तथा उनके कार्यों की सराहना करते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव हेतु निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान, उप पुलिस अधीक्षक (महिला सुरक्षा) शिवाली चतुर्वेदी, परिवीक्षाधीन उप पुलिस अधीक्षक ऋषभ छारी, थाना प्रभारी सोहागपुर, थाना प्रभारी यातायात, कल्याणी बाजपेयी (अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति), संजीता भगत (सहायक संचालक, बालिका संप्रेक्षण गृह) एवं डॉ. अमरीन खान (जिला चिकित्सालय) सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पुलिस द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से महिला अपराधों के प्रति समाज में जागरूकता लाने एवं महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है।

फर्जी जनजाति प्रमाण पत्र मामले में हाईकोर्ट सख्त

संकुल केन्द्र धुरवार में पदस्थ शिक्षिका को किया तलब

शहडोल (स्वतंत्रमत)। उच्च न्यायालय जबलपुर ने फर्जी जनजाति प्रमाण पत्र से जुड़े एक गंभीर मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए शिक्षिका गुलबिया सारीवान को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। यह आदेश रिट पिटीशन क्रमांक 10347/2026 अजयधर द्विवेदी बनाम मध्यप्रदेश राज्य में 31 मार्च को पारित किया गया। मामले की जानकारी के अनुसार, गुलबिया सारीवान, जो एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला जमुई (संकुल केन्द्र धुरवार) में पदस्थ हैं, जो उनके ऊपर आरोप है कि उन्होंने पनिका जनजाति का फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर शासकीय लाभ प्राप्त किया। शिकायतकर्ता अजयधर द्विवेदी ने इस संबंध में कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक शहडोल सहित जनजातीय कार्य विभाग और अनुसूचित जनजाति छानबीन समिति भोपाल के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतों पर उचित कार्रवाई न होने के बाद मामला उच्च न्यायालय पहुंचा, जहां न्यायालय ने आरोपों की गंभीरता को देखते हुए संज्ञान लिया और संबंधित पक्षों को नोटिस जारी करते हुए जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

जिले में फर्जी प्रमाण पत्रों का बड़ा नेटवर्क

बताया जा रहा है कि शहडोल जिले में इस तरह के कई मामले सामने आ रहे हैं, जहां गैर-आदिवासी लोग फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाकर आदिवासी समुदाय के अधिकारों का हनन कर रहे हैं। इस पर रोक लगाने के लिए उच्च न्यायालय का यह आदेश अहम माना जा रहा है। आदिवासी अधिकारों की लड़ाई को अब मिलेगा बल, सूत्रों का मानना है कि न्यायालय का यह सख्त रुख भविष्य में ऐसे मामलों पर नकेल कसने में मील का पत्थर साबित होगा और वास्तविक हितग्राहियों को उनका अधिकार दिलाने में मदद करेगा।

सिंदुरी-भर्री पंचायत में सचिव पर गंभीर आरोप, प्रधानमंत्री आवास की मजदूरी के भुगतान मे लाखों की हेराफेरी, ग्रामीणों ने की जांच की मांग

शहडोल (स्वतंत्रमत)

जिले के जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंदूरी-भर्री में मनरेगा योजना के तहत बड़े घोटाले का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने पंचायत सचिव चन्द्रभान साहू और रोजगार सहायक पर आरोप लगाया है कि उन्होंने 800 से अधिक आवासों में फर्जी मजदूरों के नाम मस्टर रोल में दर्ज कर लाखों रुपये का गबन किया है। ग्रामीणों के अनुसार, जिन मजदूरों ने कभी काम नहीं किया, उनके नाम पर मजदूरी राशि निकाल ली गई, जबकि वास्तविक मजदूरों को उनका मेहनताना तक नहीं मिला। इस मामले ने पूरे गांव में आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि आवास योजना के अंतर्गत कार्य नहीं करने वाले लोगों के नाम मस्टर रोल में भरकर बड़े पैमाने पर राशि निकाली गई। कई खातों में हजारों रुपये ट्रांसफर किए गए, जिससे वित्तीय अनियमितता का बड़ा मामला उजागर हुआ है। ग्रामीणों ने पूरे मामले के दस्तावेज एकत्र कर जिला प्रशासन को सौंपे हैं और निष्पक्ष जांच की मांग की है। आवेदन में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि कई हितग्राहियों को मजदूरी नहीं मिली, जबकि रिकॉर्ड में भुगतान दर्शाया गया है। ग्रामीणों की मांग, एफआईआर और जांच टीम गठित हो, गांव के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, दोषी सचिव और रोजगार सहायक पर एफआईआर दर्ज हो, जांच के दौरान संबंधित अधिकारी का स्थानांतरण किया जाए, पीड़ित मजदूरों को उनका बकाया भुगतान दिलाया जाए। शिकायत में कई ऐसे मामलों का उल्लेख किया गया है, जिनमें फर्जी मजदूरों के नाम पर हजारों रुपये निकाले गए। अलग-अलग खातों में लाखों रुपये ट्रांसफर होने की बात सामने आई है, जिससे घोटाले का दायरा बड़ा बताया जा रहा है।

ग्रामीणों का आरोप, गरीबों का हक मारा गया

ग्रामीणों का कहना है कि यह भ्रष्टाचार सीधे गरीब मजदूरों के हक पर डाका है। अगर समय रहते जांच नहीं हुई, तो शासन की योजनाओं पर से लोगों का भरोसा उठ जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच होती है, तो इस पूरे घोटाले की परतें खुलेंगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई संभव होगी।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

शहडोल (स्वतंत्रमत)

जयसिंहनगर थाना पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए, शादी का प्रलोभन देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया गया। पीड़िता द्वारा अपनी माता के साथ थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी राजेन्द्र बैगा पिता बमभोला बैगा, जो कि पीड़िता के मोहल्ले का ही निवासी है, ने पिछले एक वर्ष से प्रेम संबंध का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि 12 मार्च 2025 की रात आरोपी ने उसके घर में अनाधिकृत प्रवेश कर जबरन गलत काम किया और बदनामी का डर दिखाकर डराया-धमकाया। आरोपी द्वारा बार-बार किए गए इस कृत्य के कारण पीड़िता 08 माह की गर्भवती हो गई। लोक-लाज के भय से पीड़िता ने पहले यह बात किसी को नहीं बताई थी, किंतु शारीरिक परिवर्तन और आस-पड़ोस की शंका के बाद माता-पिता के रीवा से लौटने पर पीड़िता ने आपबीती सुनाई। फरियादिया की रिपोर्ट पर तत्काल संज्ञान लेते हुए जयसिंहनगर थाना में आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा बी.एन.एस. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना जयसिंहनगर पुलिस द्वारा आरोपी राजेन्द्र कुमार बैगा पिता रामप्रसाद बैगा उर्फ बमभोला बैगा उम्र 19 साल निवासी वार्ड नं. 06, ग्राम नौगई को गिरफ्तार कर किया जाकर न्यायालय पेश किया गया।

दिव्यांगों एवं वरिष्ठजनों को वितरित किये गए सहायक उपकरण

शहडोल (स्वतंत्रमत)

जनपद पंचायत बुढार एवं गोहपारू के अंतर्गत सामाजिक न्याय विभाग द्वारा लगाए गए सामाजिक अधिकारिता शिविर में एडिप योजना एवं आर.व्ही.वाई. योजना के तहत चिन्हांकित किये गए दिव्यांगजनो एवं वरिष्ठजनो को विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किये गए। जनपद पंचायत बुढार में आयोजित सामाजिक अधिकारिता शिविर में विधायक जयसिंह मरावी द्वारा एडिप योजना एवं आर.व्ही.वाई. योजनांतर्गत 17 वरिष्ठजन एवं 17 दिव्यांगजनो को कुल 70 सहायक उपकरण हुए जनपद पंचायत गोहपारू में आयोजित सामाजिक अधिकारिता शिविर में 19 वरिष्ठजन एवं 11 दिव्यांगजनो को कुल 56 सहायक उपकरण जिससे बैसाखी, ट्राई साइकिल, वाकर, व्हील चेयर, छड़ी आदि सहायक उपकरण शामिल थें। सामाजिक अधिकारिता शिविर में सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ कॉंग्रेस करेगी धरना-प्रदर्शन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश की भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों के विरोध में 9 अप्रैल को 12 बजे जय स्तंभ चौक, शहडोल स्थित कलेक्ट्रेट परिसर के समक्ष विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी करेंगे। जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश की वर्तमान सरकार द्वारा किसानों के हितों की लगातार उपेक्षा की जा रही है। कृषि उपज के उचित मूल्य, खाद-बीज की उपलब्धता, सिंचाई सुविधाओं की कमी, बढ़ती लागत एवं कर्ज के बोझ से किसान परेशान हैं, जबकि सरकार इन गंभीर मुद्दों पर संवेदनशीलता नहीं दिखा रही है। इसी के विरोध में कांग्रेस पार्टी किसानों की आवाज को बुलंद करने हेतु यह आंदोलन कर रही है। जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने समस्त कांग्रेसजन, प्रदेश, जिला, ब्लॉक, मंडलम, प्रकोष्ठ एवं अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं तथा किसानों के समर्थन में अपनी आवाज मजबूत करें।

मानपुर जनपद के ग्राम पंचायतों में निविदा प्रक्रिया और कई मुद्दों पर उठे सवाल, समय से पहले टेंडर जारी करने और मिलीभगत के आरोप.!

मानपुर (स्वतंत्रमत)

जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत आने वाली 84 ग्राम पंचायतों में निविदा प्रक्रिया को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। सरपंच एवं सचिवों पर आरोप है कि उन्होंने वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पूर्व ही फरवरी माह 2026 में निविदाएं जारी कर दीं, जो शासन के निर्धारित नियमों के विपरीत बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश शासन के प्रावधानों के तहत ग्राम पंचायतों का वार्षिक वित्तीय सत्र 31 मार्च को समाप्त होता है तथा 1 अप्रैल से नया सत्र प्रारंभ होता है। सामान्यत: निविदा प्रक्रिया मार्च के अंतिम सप्ताह से अप्रैल माह के बीच, ग्राम पंचायत की सहमति प्रस्ताव बैठक के बाद ही संपन्न की जाती है।

एक ही माध्यम को टेंडर देने के आरोप

सूत्रों के मुताबिक, कई ग्राम पंचायतों में निविदा प्रकाशन के लिए पारदर्शिता का पालन नहीं किया गया। आरोप है कि निविदाएं व्यापक प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के बजाय केवल एक ही माध्यम (समाचार पत्र पत्रकार) को दी गईं। जबकि तीन अखबारों में ग्राम पंचायत का निविदा प्रकाशन होना अनिवार्यता है एवं कम से कम तीन लोगों के द्वारा ग्राम पंचायत में कार्य करने के लिए टेंडर प्रक्रिया निर्धारित होनी चाहिए, इससे प्रक्रिया की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं।

कमीशनखोरी की भी चर्चा.!

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि टेंडर प्रकाशन के एवज में निर्धारित प्रक्रिया से हटकर भुगतान किया गया, जिसमें कमीशनखोरी की आशंका जताई जा रही है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन मामले ने प्रशासनिक तंत्र में पारदर्शिता को लेकर बहस तेज कर दी है। ग्राम पंचायतों द्वारा वर्ष भर किए जाने वाले निर्माण कार्योंकृजैसे लोहा, सीमेंट, गिट्टी, रेत, मिक्सर मशीन सहित अन्य सामग्रियोंकृकी खरीद के लिए जारी होने वाली निविदाएं इस प्रक्रिया के अंतर्गत आती हैं। ऐसे में समय से पहले और सीमित माध्यमों से जारी टेंडर से प्रतिस्पर्धा प्रभावित होने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

जांच और निरस्तीकरण की मांग

मामले को लेकर जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग उठ रही है। स्थानीय स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों, विशेष रूप से उमरिया कलेक्टर श्री धरणेन्द जैन एवं जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया से अनुरोध किया गया है कि वर्ष 2026 की सभी निविदाओं की प्रक्रिया की जांच कराई जाए। साथ ही, यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित निविदाओं को निरस्त करने की कार्रवाई की जाए। यह मामला ग्रामीण प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही की' आवश्यकता को एक बार फिर उजागर करता है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह न केवल वित्तीय अनियमितता का मामला होगा, बल्कि शासन की मंशा के विपरीत कार्यप्रणाली का भी संकेत देगा।

शक्त जांच एवं कड़ी कार्यवाही का विषय

ग्रामीणों का कहना है कि ग्रामीण एवं पंचायतीय विकास के नाम से मानपुर ब्लॉक क्षेत्रांतर गत विगत कई वर्षों से शास्कीय राषियों पर होली खेली जा रहीहै और मिलीभगत की ताकत से जवाबदार अधिकारी चुप्पी साधे रहते हैं, कई पंचायतों में पिछले कई वर्षों से निविदा भी नहीं लगवाये गये हैं, इसी तरह क्षेत्रीय ग्राम ग्राचायतों में कई सालों से फरमल्टी के शिवाय आम और ग्राम सभा भी नहीं हे रहे हैं, इन ग्राम पंचायतों में एक ही परिवार के दो से ज्यादा समग्र आईडी बने हुये हैं जिससे शास्कीय कार्य और हितग्राही मूलक योजना में कई प्रकार के समस्यायें आते रहते हैं।

इनका कहना है

सीघ्र ही टीम गठित कर उपरोक्त कार्यों पर जांच करवाकर नियमतह कार्यवाही करवाही करवाई जायेगी

प्रत्यूश श्रीवास्तव डिप्टी कलेक्टर एवं जनपद सीइओ मानपुर

धर्म छुपाकर रिश्ता तय करने का आरोप, युवक ने रिश्ता करने से मना किया तो बनाया जा रहा मानसिक दबाव

परिजन बोले बेटे को झूठे मामलों में फँसाने की दी जा रही धमकी

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिल के बुढ़ार थाना क्षेत्र में एक युवक और उसके परिवार ने गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिवार का कहना है कि एक युवती द्वारा उनके पुत्र को लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है और झूठे मामलों में फँसाने की धमकी दी जा रही है। परिवार के अनुसार, युवक और युवती के बीच पहले विवाह की बातचीत चल रही थी, लेकिन बाद में कुछ तथ्यों के सामने आने के बाद परिवार ने यह रिश्ता समाप्त कर दिया। इसके बाद से ही युवती और उसके परिजनों द्वारा युवक पर दबाव बनाया जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि युवती युवक को विवाह के लिए मजबूर कर रही है और साथ ही धर्म परिवर्तन का भी दबाव बना रही है। विरोध करने पर युवक को जेल भिजवाने की धमकी दी जा रही है।

सार्वजनिक रूप से बदनाम करने का आरोप- पीड़ित परिवार ने यह भी आरोप लगाया है कि युवती द्वारा कई बार सार्वजनिक स्थानों पर युवक के साथ गाली-गलौज की गई और उसे अपमानित करने की कोशिश की गई। इससे युवक की सामाजिक छवि को नुकसान पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है।

मानसिक तनाव से परेशान युवक- परिवार का दावा है कि लगातार मिल रही धमकियों और दबाव के कारण युवक मानसिक रूप से काफी परेशान हो चुका है। यहां तक कि उसने तनाव में आकर खुद को नुकसान पहुँचाने की कोशिश भी की।

प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार- पीड़ित परिवार ने बुढ़ार थाना, एसपी कार्यालय, आईजी कार्यालय एवं महिला थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। परिवार का कहना है कि उनका बेटा निर्दोष है और उसे झूठे आरोपों में फँसाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि सच्चाई सामने लाई जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

जांच के बाद ही स्पष्ट होगी सच्चाई

इस पूरे मामले में अभी तक पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है।

भीषण गर्मी के बीच आसमान से बरस रही राहत

मप्र में बदला मौसम का मिजाज, जबलपुर समेत कई शहरों में हुई बारिश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भीषण गर्मी के बीच जबलपुर समेत प्रदेश में अचानक मौसम ने करवट ले ली है। बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश के ऊपरी हिस्से में 3 साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। इस वजह से आंधी-बारिश का दौर फिर से शुरू हो गया है। बुधवार को जबलपुर समेत भोपाल, शिवपुरी, उज्जैन, रतलाम, इटारसी, छतरपुर और रायसेन में हलकी तो कहीं तेज बारिश हुई। बात करें जबलपुर की तो बुधवार सुबह 6 बजे से ही शहर में बारिश का दौर शुरु हो गया। दिन में आसमान में जहां बादलों की आंख मिचौली जा रही। वहीं दोपहर में एक बार फिर बारिश ने शहर को तर-बतर कर दिया। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो जबलपुर सहित ग्वालियर, भिंड, मुरैना, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर समेत 18 जिलों में बारिश होने का अलर्ट है, वहीं दतिया, निवाड़ी, छतरपुर और टीकमगढ़में ओले गिरने का अनुमान जताया है।

11 अप्रैल को एक्टिव होगा नया सिस्टम

शहर में हुई बारिश के कारण अधिकत और न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिली है। वहीं बारिश के चलते आमजन ने गर्मी से राहत की सांस भी ली है। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को शहर का अधिकतम तापमान 31.1 डिग्री वहीं न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग ने जिले के कई स्थानों में गरज-चमक के साथ बारिश की भी संभावना जताई है। मौसम विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 11 अप्रैल को उत्तर-पश्चिमी हिस्से में नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होगा, जिसका असर प्रदेश में भी देखने को मिल सकता है। जिससे की जबलपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी भी चलेगी। कुछ जिलों में इसकी अधिकतम रफ्तार 40 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रहेगी।

आम-खास सबको धन्य कर रही रामभद्र सरकार की कथा

कथा के चतुर्थ दिवस भगवान की बाल लीलाओं का वर्णन, आशीर्वाद लेने पहुंचे मुख्यमंत्री

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

श्रीरामचरित मानस की चौपाई 'रामजनम जग मंगल हेतू' विषय पर अवधपुरी गौरीघाट में चल रही पद्मविभूषण, तुलसी पीठाधिश्वर, जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी की रामकथा समरसता के मूलमंत्र को साकार कर रही है। आम-खास का भेद भूल मानो सब 'राम सबके-सब राम के' के मूलमंत्र की प्रतिध्वनि हो गए हों। क्या राजा, क्या रंग सब राममय दिखे।

महाराजश्री से मिलने आज मुख्यमंत्री भी आए और आम शहरवासी भी। महाराज श्री ने सबको प्रभु रामभद्र सरकार के प्रेम में डुबो के धन्य कर दिया। कल की कथा विश्राम में प्रभु का प्राकट्य हुआ था। आज भगवान की बाल लीलाओं के आनंद में डूब-उतरा के सभी विभोर थे। महाराजश्री ने मुनिवर वशिष्ट, भगवान सूर्यनारायण, माता कौशल्या, महाराज दशरथ सहित सभी चरित्रों के माध्यम से बताया कि कैसे भगवान का जन्म सबके लिए और जगत के मंगल के कारण से हुआ। महाराजश्री जी ने कथा में सवाल किया कि कौआ को कोई घर में बुलाता है क्या ? लेकिन चूंकि 'राम जनम जग मंगल हेतू' हुआ, इस कारण कौए का भी मंगल हुआ।

जो जीव के दुखों को नष्ट करे वह मंगल - पूज्यश्री ने कहा कि रामजी के अवतार के समय चारों ओर अमंगल ही अमंगल था। रावण ने सबका मंगल छीन लिया था। पृथ्वी हाहाकार कर रही है। तब भगवान ने मंगलमई वाणी में सात पंक्तियों में कहा कि हे मुनियों हे सिद्धों मैं नर के रूप में सबका मंगल करने प्रकट हो रहा हूं। भगवान के चारों कल्पों के अवतारों की चर्चा में संकेत ये है भगवान का वचन था कि अंडज पिंडज सबका मंगल मैं करूंगा। मंगल का अर्थ बताते हुए महाराजश्री ने कहा कि मंगति सर्पती दुक्खम नाशयति यत्तन मंगलम। अर्थात जो आते ही जीवों के दुखों को नष्ट कर दे, उसे मंगल कहते हैं। उन्होंने कहा कि नख से शिख तक भगवान का विगृह अपने आप में मंगल है।

तुलसीदास जी का अनूठा पांडित्य - गोस्वामी तुलसी दास जी के अनूठे पाडित्य की व्याख्या उन्होंने मानस में कोशल्या शब्द के उपयोग का अर्थ समझाते हुए कही। उन्होंने बताया कि कौशल्या का अर्थ सिर्फ रामजी की माता से नहीं है। पूज्यश्री ने कई उदाहरणों के माध्यम से बताया कि तुलसीदास जी ने कोशल्या का अर्थ बहुत ही व्यापक रूप में श्रीरामचरित मानस में किया है।

उन्होंने रामजनम की स्तुति भए प्रकट कृपाला दीनदयाला को सोहर की धुन में गा कर सबका मन मोह लिया और सभी को आनंद में मग्न कर दिया।

मनोज नामदेव बने शहर कांग्रेस महासचिव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की स्वीकृति उपरांत प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री एवं संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले ने जबलपुर शहर कांग्रेस कमेटी के नव नियुक्त कार्यकारिणी की विधिवत् घोषणा की जिसमें जबलपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के जमीनी एवं निष्ठावान कार्यकर्ता भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के वंशज समाजसेवी मनोज नामदेव को पुनः नगर महासचिव के पद पर नियुक्त किया एवं नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा के द्वारा आमंत्रित वरिष्ठ कांग्रेसजनों की सूची में भी आमंत्रित सदस्य मनोनयन किया। इनके बनने पर पूर्व केबिनेट मंत्री लखन घनघोरिया, पूर्व वित्त मंत्री तरूण भनोत, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिनेश यादव, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, आलोक मिश्रा, चिन्टू चौकसे, प्रेम दुबे पूर्व विधायक संजय यादव, पूर्व मंत्री सुश्री कौशल्या गोंटिया, श्रीमति गीता शरत तिवारी, आदि ने बधाई दी है।

लोकगंधर्व संगीत सम्मान से सौम्या मिश्र होंगी सम्मानित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शिक्षाविद साहित्यकार अजय शर्मा गूँज अंतर्राष्ट्रीय कला मंच द्वारा स्थापित लोकगंधर्व पण्डित रुद्रदत्त दुबे जीवंत सम्मान इस वर्ष लोकसंगीत जगत की चर्चित गायिका सौम्या त्रिपाठी मिश्र को प्रदान किया जायेगा। सम्मान समिति के संरक्षक डा. बैजनाथ गौतम की अध्यक्षता एवं गूँज मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष तिवारी के आतिथ्य में यह निर्णय अलंकरण कार्य समिति में लिया गया। ज्ञात हो अखिल भारतीय स्तर पर स्थापित यह जीवंत सम्मान विगत वर्ष ग्वालियर दतिया की लोक गायिका रजनी अरजरिया को प्रदान किया गया था। गूँज संस्थापक माधुरी उमेश मिश्रा ने बताया कि यह प्रतिष्ठित सम्मान हर वर्ष देश के किसी एक लोक गायक को प्रशस्ति पत्र एवं नकद राशि प्रदान कर सम्मानित किया जाता है।

नर्सिंग ऑफिसर भर्ती में 100 प्रतिशत महिला आरक्षण को दी चुनौती

हाईकोर्ट ने पूछा - लिंग आधारित भेदभाव क्यों 15 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग ऑफिसर के पदों पर होने वाली 800 से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया विवादों में घिर गई है । मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के जस्टिस विशाल घगट की एकलपीठ ने सरकार एवं ईएसबी से पूछा है कि नर्सिंग ऑफिसर के पदों में महिलाओं को 100 प्रतिशत आरक्षण किस आधार पर दिया जा रहा है, मामले में अगली सुनवाई 15 अप्रैल को होगी । दरअसल संतोष कुमार लोधी एवं अन्य पुरुष अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर हाल ही में जारी नर्सिंग ऑफिसर के भर्ती विज्ञापन को चुनौती दी है । याचिकाकर्ताओं की ओर अधिवक्ता विशाल बघेल ने कोर्ट को बताया कि कर्मचारी चयन मंडल द्वारा 2 अप्रैल 2026 को जारी विज्ञापन (नर्सिंग ऑफिसर एवं सिस्टर ट्यूटर भर्ती परीक्षा-2026) में नर्सिंग ऑफिसर के पदों को 100त्न केवल महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित कर दिया गया है । इससे योग्य पुरुष अभ्यर्थी आवेदन करने से पूरी तरह वंचित हो गए हैं । याचिकाकर्ताओं के अनुसार, %मध्य प्रदेश चिकित्सा शिक्षा (अराजपत्रित) सेवा भर्ती एवं पदोन्नति नियम, 2023% के तहत नर्सिंग ऑफिसर के पद के लिए कोई लिंग-आधारित प्रतिबंध नहीं है । मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग ऑफिसर के भर्ती विज्ञापन में किया गया यह प्रावधान वैधानिक नियमों के विपरीत है याचिका में तर्क दिया गया है कि पुरुष और महिला दोनों एक ही पाठ्यक्रम (**B.Sc. नर्सिंग/GNM)** पढ़ते हैं और उनके पास समान योग्यता व पंजीकरण होता है । केवल लिंग के आधार पर सार्वजनिक रोजगार से पूर्णतः बाहर करना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 का उल्लंघन है । याचिका में मांग की गई है कि विज्ञापन के उस हिस्से को निरस्त किया जाए जो 100 प्रतिशत पदों को महिलाओं के लिए आरक्षित करता है ।

एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी ने महंगाई भत्ते के आदेश किए जारी

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी ने मध्यप्रदेश शासन, वित्त विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 4-1/ 2026 / नियम / चार दिनांक 2 अप्रैल, 2026 के अनुरूप एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के कार्मिकों को दिनांक 1 जुलाई 2025 से सातवें वेतनमान के अंतर्गत 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता स्वीकृत किया है। उल्लेखनीय है कि पावर मैनेजमेंट कंपनी के कार्मिकों को 1 जनवरी 2025 से सातवें वेतनमान में 55 प्रतिशत की दर महंगाई भत्ता दिया जा रहा था। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के कार्मिकों को उपर्युक्तानुसार मंहगाई भत्ते में हुई वृद्धि का लाभ अप्रैल 2026 के वेतन के साथ दिया जाएगा।

जबलपुर से एलायंस एयर की उड़ानें बंद होना शहर के लिए बड़ा झटका

वायुसेवा संघर्ष समिति ने कि पुनः संचालन एवं नई उड़ानों की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

एलायंस एयर द्वारा जबलपुर से अपनी उड़ान सेवाओं को बंद किया जाना पूरे महाकौशल क्षेत्र के लिए एक बड़ा झटका साबित हुआ है। इस निर्णय से न केवल यात्रियों को असुविधा हो रही है, बल्कि व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों को भी गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वायुसेवा संघर्ष समिति के संयोजक हिमांशु खरे ने बताया कि जबलपुर मध्य प्रदेश का एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक, न्यायिक, शैक्षणिक और व्यापारिक केंद्र है। यह शहर कान्हा, बांधवगढ़ जैसे राष्ट्रय उद्यानों तथा भेड़ाघाट जैसे विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का प्रवेश द्वार भी है। ऐसे में यहां से हवाई सेवाओं का बंद होना क्षेत्र के समग्र विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। उल्लेखनीय है कि एलायंस एयर ने छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर से कोलकाता, दिल्ली तथा बिलासपुर के लिए उड़ान सेवाएं प्रारंभ की हैं, जहां अपेक्षाकृत कम यात्री यातायात देखने को मिल रहा है। इसके विपरीत, जबलपुर से पूर्व में संचालित उड़ानों में दिल्ली और जगदलपुर मार्गों पर अच्छा यात्री भार (लोड फैक्टर) रहा है, जो इस रूट की व्यवहार्यता को दर्शाता है। वायुसेवा संघर्ष समिति के मनु शरत तिवारी, हिमांशु राय, बलदीप मैनी, सुनील श्रीवास्तव ने इस परिप्रेक्ष्य में एलायंस एयर प्रबंधन से मांग कि के जबलपुर से उड़ान सेवाओं को शीघ्र पुनः प्रारंभ किया जाए। जबलपुर से प्रमुख महानगरों के लिए सीधी उड़ानें शुरू की जाएं, जिनमें विशेष रूप से पुणे, कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, चेन्नई शामिल हैं।

भारत विकास परिषद महाकौशल प्रांत का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भारत विकास परिषद महाकौशल प्रांत का शपथ ग्रहण समारोह अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कीर्ति पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष सुनील कोठारी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं स्वामी विवेकानंद तथा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके पश्चात सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया गया। अतिथियों का स्वागत तिलक वंदन एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। डॉ. नीलेश पाण्डेय (पूर्व प्रांत अध्यक्ष) ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया। प्रांत महासचिव राजीव कृष्ण बिरथरे ने परिषद की अवधारणा पर प्रकाश डाला, वहीं प्रांत अध्यक्ष रामकृष्ण चौकसे ने आगामी सत्र में प्रस्तावित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। क्षेत्रीय

अध्यक्ष सुनील कोठारी ने वर्तमान समय में परिषद की सामाजिक आवश्यकता एवं उसके सेवा कार्यों की विस्तार से व्याख्या की। मुख्य अतिथि कीर्ति पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में परिषद के सेवा एवं संस्कार आधारित कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि परिषद समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। मुख्य अतिथि के उद्बोधन के पश्चात क्षेत्रीय अध्यक्ष सुनील कोठारी द्वारा प्रांत के नवीन पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। इसके उपरांत जबलपुर, बरेला एवं अहिल्याबाई शाखा के पदाधिकारियों को प्रांत अध्यक्ष रामकृष्ण चौकसे द्वारा शपथ ग्रहण कराया गया। इस अवसर पर जबलपुर शाखा अध्यक्ष डॉ. श्रीमती रिशा पाण्डेय, सचिव मौली जैन, अहिल्याबाई शाखा अध्यक्ष श्रीमती सविता टिप्सकर तथा बरेला शाखा अध्यक्ष अरविंद कुशवाहा के साथ शचीन्द्र गुप्ता (तेंदूखेडा) प्रशांत शेंडये (दमोह),पंकज स्वदेशी (तेंदूखेड़ा), डॉ. यू.बी.एस. गौर(सागर), महेंद्र ताम्रकार (दमोह), छोटे राजा कौरव (करेली) नितिन पालीवाल, श्रीमती सरोज चौकसे, शरद अग्रवाल, पिंटू पटेल, धर्मेंद्र कुशवाहा एवं एड. अमन पाण्डेय सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सनातन की जनचेतना जगाने राष्ट्रीय हिंदू स्वाभिमान का सतत अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

राष्ट्रीय हिंदु स्वाभिमान मंच ने सनातन के जन जागरण अभियान का शंखनाद पोखरण विधायक महंत प्रताप पुरी के ओजस्वी उद्बोधन से शुरु किया जा रहा है। मंच का तीन सूत्रीय कार्यक्रम है, जिसके पहले चरण में बौद्धिक वर्ग को अभियान से जोड़ना साथ तत्कालीन परिस्थितियों की गम्भीरता को समझना और राष्ट्रहित में अपनी भूमिका सुनिश्चित करना। दूसरा अंतिम व्यक्ति तक ना सिर्फ़ पहुंच अपितु उसे एहसास कराना आप भी राष्ट्रनिर्माण में महत्वपूर्ण हो, और हम सब साथ हैं। तीसरा अपने इसी उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए मायाराम जैसवानी ने चर्चा में बताया हर संगठन अपना काम बेहतर तरीक़े से कर रहे हैं, कुछ और जो हमे समाज की मजबूती के आवश्यक लगा जिसके चलते राष्ट्रीय हिंदु स्वाभिमान संगठन की शुरूआत की जा रही है, यहां कोई प्रमुख नहीं सभी कार्यकर्ता हैं ये इस संगठन की विशेषता है ।

एक साल बाद कब्र से निकाला गया शव पोस्टमार्टम में खुलेगा मौत का राज

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद जागा प्रशासन

भाई ने जताई थी हत्या की आशंका

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मौत के एक साल बाद शहर निवासी गयासुद्दीन कुरैशी का शव बुधवार को कब्र से निकाला गया। हाईकोर्ट के आदेश के बाद एसडीएम अधारताल की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई कराई गई। शव को निकालने के बाद पोस्टमार्टम के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां उसका परीक्षण कराया जाएगा।

मामले में मृतक के भाई कसीमुद्दीन कुरैशी ने गयासुद्दीन की मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई थी और जांच के लिए जनवरी 2026 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। मंगलवार को हुई सुनवाई में जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस एके सिंह की डिवीजन बेंच ने सख्त आदेश देते हुए कहा था कि बुधवार दोपहर 1 बजे तक शव कब्र से निकालकर उसी दिन पोस्टमार्टम कराया जाए।

मजिस्ट्रेट की निगरानी में हुई पूरी प्रक्रिया - सुनवाई के दौरान कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि सच्चाई सामने लाने के लिए यह जरूरी है और किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कोर्ट ने जबलपुर प्रशासन को निर्देश दिए थे कि शव निकालने के बाद उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज भेजा जाए और पूरे मामले की प्रक्रिया मजिस्ट्रेट की निगरानी में पूरी की जाए। साथ ही मृतक के परिवार पत्नी, पुत्र और भाई को सुबह 11 बजे एसडीएम अधारताल के सामने उपस्थित रहने के निर्देश भी दिए गए थे। कोर्ट ने यह भी कहा था कि यदि अपीलकर्ता कसीमुद्दीन कुरैशी तय समय पर उपस्थित नहीं होता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

सड़क हादसे में हुई मौत को परिजनों ने बताया था संदिग्ध - गयासुद्दीन कुरैशी 26 मार्च 2025 को सड़क हादसे में घायल हो गए थे। इलाज के लिए उन्हें पहले जबलपुर, फिर नागपुर ले जाया गया। 27 मार्च 2025 को नागपुर में उनकी मौत हो गई। शव को बिना विस्तृत जांच के दफना दिया गया। मृतक के भाई का आरोप था कि डिस्चार्ज रिपोर्ट में उसके सीने पर चोट के निशान पाए गए थे, जिससे कि उसकी मौत संदिग्ध परिस्थितियों में होना माना जा रहा है। उनका कहना है कि जबलपुर पुलिस को शिकायत देने के बावजूद भी इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। नरसिंहपुर जिले के बहोरीपार गांव में उनका पैतृक निवास है। यहीं उनका एक्सीडेंट हुआ था।

एक वर्ष में उखड़ी 18 लाख की सड़क!

वन विभाग कटंगी के रेंजर बाबूलाल चढार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

दक्षिण सामान्य वन मंडल के वन परिक्षेत्र कटंगी अंतर्गत मुंदिवाड़ा सर्किल के ग्राम कोड़मी में सड़क निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार का मामला सामने आया हैं। तेदूपता मद से करीब 18 लाख रुपये की लागत से बनी सड़क महज एक वर्ष के भीतर ही उखड़ने लगी है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। सड़क निर्माण में गंभीर लापरवाही बरती गई और केवल लिपापोती कर काम पूरा दिखा दिया गया। जगह-जगह से सड़क टूट चुकी है, जिससे आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। निर्माण कार्य में तय मानकों (स्टीमेट) की अनदेखी की गई है। ग्रामीणों ने वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चढार सहित संबंधित अधिकारियों पर राशि के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों ने मिलीभगत से घटिया निर्माण कर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया।

जानकारी अनुसार, तेदूपता मद से सत्र 2022-23 में कोड़मी के आवासटोला में दो सीसी सड़क की स्वीकृती कराई गई है, जिसका निर्माण कार्य वर्ष 2025 में ही पूरा किया गया है, जिसकी लम्बाई 270 मीटर सड़क है और लागत 18 लाख रूपए से अधिक की है। आदिवासी ग्राम होने के नाते वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी के द्वारा उक्त निर्माण कार्य में अंदेखी की गई है। यहीं नहीं उक्त सड़क निर्माण कार्य में रेत सप्लायर, सीमेंट सप्लायर और गिट्टी सप्लायर सब अलग-अलग व्यक्ति हैं और निर्माण कार्य अध्यक्ष के निगरानी में वन विभाग के द्वारा कराया गया है।

घटिया निर्माण कार्य कर राशि की आहरण

विभागिय सूत्रों की माने तो कोड़मी में सीसी सड़क का निर्माण कार्य तेंदूपता मद से 18 लाख रूपए की राशि से दक्षिण सामान्य वन मण्डल बालाघाट के अध्यक्ष रामेश्वर बिसेन के द्वारा निर्माण कार्य कराया गया है, जो शासकिय राशि का दुरूपयोग कर घटिया निर्माण कार्य किया गया हैं। जब इसी संबंध में अध्यक्ष रामेश्वर बिसेन से चर्चा की गई तो उन्होने साफ इंकार करते हुए कहा कि उक्त सीसी सड़क का कार्य मेरे द्वारा नहीं किया गया है वह कार्य वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चढ़ार के द्वारा कराया गया है।

जगह-जगह से टूट गई सड़क

एक वर्ष के भीतर ही सड़क जगह-जगह से टूट गई हैं, ग्रामीणों ने कहा कि हमें भी डर लगता हैं कि अगर बड़े वाहन के साथ कहीं दुर्घटना ना घट जाए। निर्माण कार्य में निर्धारित मानको का पालन नहीं किया गया और केवल औपचारिकता निभाते हुए सड़क तैयार कर दी गई। परिणामस्वरूप, सड़क जगह-जगह से टूट गई है। ग्रामीणों ने कहा कि रेती भी जंगल से ही लाई गई हैं, जो उपयोग करने लायक भी नहीं थीं उसका वन परिक्षेत्र अधिकारी के द्वारा उपयोग कर सड़क बनाई गई है। कोड़मी में सड़क निर्माण का मटेरियल का रेसो ऐसा की 270 मीटर सड़क की लागत 18 लाख रूपए बना दि गई, फिर भी सड़क चलने लायक नहीं बची। क्या मटेरियल लेब टैस्ट किया गया हैं?, क्या उच्च अधिकारियों के द्वारा निरीक्षण किया गया है? या फिर कागजों में ही लेब टेस्टींग रिपोर्ट तैयार कर बिल बाऊचर निकाल लिए गए। ऐसे कई सवालों को सड़क की दशा देख कर उठने लगे है। अब ग्रामीणों की निगाहे मुख्य वन सरंक्षक व वन मण्डलाधिकारी की कार्यवाही पर टिकी हुई है क्या वह निश्पक्ष जांच कर दोषी वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चढार पर कार्यवाही करेंगे। आगे के अंक में देखिए ग्रेवल सड़क व सभा मच निर्माण में भष्टाचार का दृश्य?

इनका कहना हैं

वन परिक्षेत्र कटंगी कार्य एजेंसी थीं, उन्ही के द्वारा निर्माण कार्य किया गया। हमारे तेंदूपता मद की राशि से निर्माण कार्य किया गया है लेकिन सड़क का निर्माण सहीं नहीं हुआ है। मेरे द्वारा कोई निर्माण कार्य नहीं किया गया है।

रामेश्वर बिसेन, अध्यक्ष
दक्षिण सामान्य वन मण्डल बालाघाट

कोड़मी की सड़क अगर छ:माह में टूट-फट गई हैं, तो उसका मरम्मत कार्य कराएगें। जो निर्माण कार्य किया गया हैं, वह किया गया है।

बाबूलाल चढ़ार
वन परिक्षेत्र अधिकारी, कटंगी

युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष घनघोरिया का आत्मीय स्वागत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। नगर मुख्यालय लालबर्रा में मध्यप्रदेश युवक कांग्रेस अध्यक्ष यश घनघोरिया का आत्मीय स्वागत लालबर्रा सिवनी रोड स्थित मेसर्स अनीस पेट्रोलियम में किया गया उक्तशय की जानकारी देते हुए ग्राम पंचायत पांडरवानी लालबर्रा के सरपंच अनीस खान ने बताया कि आज प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष यश घनघोरिया जी का एक दिवसीय जिला बालाघाट दौरा था जहां उन्होंने युवा एवं वरिष्ठ कांग्रेसियों से भेंट की आज रात्रि में बालाघाट से भोपाल लौटते समय प्रदेश अध्यक्ष श्री घनघोरिया लालबर्रा स्थित सरपंच अनीस खान के प्रतिष्ठान पेट्रोल पंप में सौजन्य भेंट व चर्चा हेतु रुके थे जहां उनका आत्मीय स्वागत किया गया इस अवसर पर लालबर्रा सरपंच अनीस खान, विधायक प्रतिनिधि शैलेश केकती, सुमित स्वामी, वरिष्ठ कांग्रेसी नितिन सांखला, रामनाथ सोनी, अशोक जैन, ऋतिक कटारे, राजू मेहरबान, सुनील अवधिया, जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष श्री विश्वकर्मा, ब्लाक युवक कांग्रेस अध्यक्ष लालबर्रा, शुभम गुप्ता, सोलंकी सहित कांग्रेसी उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 9 मई को

उमरिया (स्वतंत्रमत)

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रियदर्शन शर्मा ने बताया कि 9 मई 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में न्यायिक प्रकरण आपरधिक,सिविल, श्रम, मोटरयान दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय के लंबित, प्रिलिटिगेशन के समझौता योग्य प्रिलिटिगेशन के रूप में सभी बैंको के प्रकरण,नगर पालिका समकेतिक कर एवं जलकर एवं विद्युत प्रकरणों का निराकरण भी किया जावेगा।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिया ने अधिवक्ताओं एवं जनमानस से अपील की है कि नेशनल लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा आपसी सुलह समझौता के माध्यम से 9 मई 2026 को निपटारा कराएं एवं नेशनल लोक अदालत का फायदा उठाएं।

टीईटी के विरोध में सड़कों पर उतरे शिक्षक

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले भर के गांव-शहरों से हजारों शिक्षक बालाघाट मुख्यालय पहुंचे. उन्होंने मुलना स्टेडियम में एक सभा की और उसके बाद एक लंबी रैली निकालकर कलेक्ट्रेट की ओर कूच किया. यहां पर उन्होंने डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा. उनकी मांग है कि शिक्षकों की योग्यता परीक्षा होनी है उसे रद्द किया जाए. शिक्षकों का कहना है कि यह उनकी गरिमा के साथ खिलवाड़ है. ऐसे में अगर परीक्षा लेनी है, तो सभी सरकारी कर्मचारी की लो सिर्फ शिक्षकों के साथ ही प्रयोग क्यों. ऐसे में सड़कों पर उतरा शिक्षक काफी आक्रोशित लग रहा था. मध्य प्रदेश में अब लोक शिक्षण संचालयनालय ने बीते महीने एक से नोटिफिकेशन जारी हुआ. इसके मुताबिक, प्राइमरी और मिडिल स्कूल में पढ़ाने वाले पूरे प्रदेश के डेढ़ लाख शिक्षकों की नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है. स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश के मुताबिक, जिन टीचर्स की नौकरी शिक्षा का अधिकार अधिनियम यानी ऋञ्ञश्व के लागू होने यानी साल 2009 से पहले हुई थी, उन्हें नौकरी जारी रखने के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा देनी पड़ेगी. राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश आधार बनाया है. इसमे सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक, शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू होने से पहले चुने गए शिक्षकों को दो साल के भीतर परीक्षा देनी होगी. इसमें उन शिक्षकों को शामिल किया गया है, जिनके रिटायरमेंट को 5 साल से ज्यादा का समय बचा हुआ है. अगर इस परीक्षा को वह टीचर पास नहीं कर पाता है, तो उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ सकती है. यह सिर्फ मध्य प्रदेश में ही नहीं है बल्कि उत्तर प्रदेश और दूसरे राज्यों में भी ऐसी ही तैयारी की जा रही है. सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि इस तरह की परीक्षा से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा. लेकिन अब शिक्षक इसे स्वाभिमान से खिलवाड़ मान रहे है. बालाघाट के प्रभारी मंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री बालाघाट दौरे पर थे. इस दौरान उन्होंने इस मामले में बयान दिया और कहा था कि शिक्षा मंत्री ने बताया कि सरकार ने केवल सर्वोच्च न्यायालय के पुराने निर्देशों का पालन किया था, लेकिन अब सरकार वापस अपना पक्ष रखेगी. उन्होंने कहा कि शिक्षक संगठन इस विषय में निचले स्तर तक कर्मचारियों के बीच फैले संदेह को दूर करें. सरकार का तर्क है कि टीईटी लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षक तय भर्ती नियमों का पालन कर सेवा में आए थे. वहीं, शिक्षकों ने उनके बयान पर कहा कि यह बात हमें लिखित में दे।

शासकीय सांदीपनि स्कूल का नया कारनामा

प्रवेशित विद्यार्थियों को स्कूल से किया जा रहा बेदखल

कटंगी(स्वतंत्र मत)

शासकीय सांदीपनि विद्यालय कटंगी में प्राइवेट स्कूल से आने वाले विद्यार्थियों को अंग्रेजी माध्यम की कक्षाओं में प्रवेश नहीं दिए जाने के बीच अब एक नया विवाद खड़ा हो गया है। जिन विद्यार्थियों को पहले अंग्रेजी माध्यम की कक्षाओं में प्रवेश दिया जा चुका था और वह नियमित तौर पर कक्षाओं में बैठकर शिक्षा अर्जित कर रहे थे। अब प्राइवेट स्कूल से आने वाले ऐसे विद्यार्थियों को भी टीसी लेकर जाने की बात कहीं जा रही है यानी उन्हें स्कूल से बेदखल किया जा रहा है। बुधवार को सांदीपनि स्कूल के शिक्षकों ने अलग-अलग प्राइवेट स्कूलों से आकर सांदीपनि स्कूल की अलग-अलग अंग्रेजी माध्यम की कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को गुरुवार से स्कूल ना आने के लिए कहा है। यह बात आज जब विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों को बताई तो बड़ी संख्या में अभिभावक स्कूल पहुंच गए। अभिभावकों ने प्राचार्य के समक्ष जमकर विरोध जताया और प्रवेश नीति दिखाने के लिए कहा। प्राचार्य दो वर्ष पुरानी प्रवेश नीति अभिभावकों के सामने लाकर रख दी। जिसे देखकर अभिभावक जमकर नाराज हो गए। प्राचार्य ने अभिभावकों से कहा है कि वह सरकार के नियमों के मुताबिक ही बच्चों को प्रवेश देगें। अब अभिभावक भी जिद पर अड़ गए है कि उनके बच्चे इसी स्कूल में पड़ेगें अगर बच्चों को टीसी दी गई तो स्कूल परिसर में ही धरना प्रदर्शन और आंदोलन किया जाएगा। इन विवादों के बीच शुरूआती दिनों से ही सांदीपनि स्कूल के प्राचार्य शैलेन्द्र गुप्ता पर अभिभावकों का यह भी कथित आरोप है कि वह प्राइवेट स्कूलों के संचालकों के दबाव में अंग्रेजी माध्यम की कक्षाओं में प्राइवेट स्कूल से आने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं दे रहे है। बताना जरूरी है कि सांदीपनि स्कूल में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होते ही बड़ी संख्या में अभिभावक प्रवेश फार्म लेने के लिए पहुंचे थे। सांदीपनि स्कूल के शिक्षकों ने प्रवेश नीति के मापदंड, नियमावली का हवाला देते हुए सांदीपनि स्कूल में पहले स्थानीय विद्यार्थियों को प्रवेश देने की बात कहीं और अभिभावकों से उनका निवास स्थान पूछा गया। जब यह तय हो जाता था कि आवेदक प्रवेश नीति के मापदंड में खरा उतर रहे है तभी उन्हें प्रवेश फार्म दिया गया। प्रवेश प्रक्रिया के तहत प्राइवेट स्कूल से आने वाले विद्यार्थियों का नाम चयन सूची में जारी हो गया। 04 अप्रैल को बड़ी संख्या में अभिभावकों ने टीसी सहित अन्य दस्तावेज जमा करवा दिए। प्रवेश के बाद विद्यार्थियों ने कक्षा में बैठकर पड़ाई भी शुरू कर दी। किंतु अब प्रवेश के 04 दिन बाद 08 अप्रैल को विद्याथियों को टीसी लेकर जाने की बात कहीं जा रही है। जबकि जिन विद्यार्थियों का नाम चयन सूची में आ चुका था उन विद्यार्थियों को अब भी प्रवेश नहीं दिया गया है। बता दें कि सांदीपनि स्कूल की प्रवेश सूची में नाम आने के बाद तकरीबन 30 से भी अधिक अभिभावकों ने अपने बच्चों की प्राइवेट स्कूलों से टीसी निकाल ली। इसी के बाद यह पूरा विवाद शुरू हुआ। 04 अप्रैल तक जिस प्रवेश नीति के तहत प्राइवेट स्कूल से आने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया अब उन प्रवेशों को निरस्त करने की बात कहीं जा रही है। अभिभावकों ने बताया कि सांदीपनि स्कूल में नाम आने के बाद उन्होंने प्राइवेट स्कूलों में पूरी फीस जमा करने के बाद वहां के प्राचार्यों से टीसी पाई है किंतु अब अचानक से प्राइवेट स्कूल के बच्चों को प्रवेश नहीं दिए जाने की बात कहीं जा रही है जो पूरी तरह से गलत है। सांदीपनि स्कूल में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर अभिभावकों ने क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी से भी शिकायत की परंतु वह भी इस मामले में अब तक कोई सकारात्मक हल नहीं खोज पाए हैं। बहरहाल अब देखना है कि विद्यार्थियों को स्कूल में प्रवेश मिलता है या नहीं।

जिले के 3 स्कूलों में एफएलएस सर्वे के लिए पहुंचे डाइट के एफआई, बच्चों की परखी दक्षता

उमरिया (स्वतंत्रमत)

राष्टीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के निर्देश पर इस बार शासकीय व अशासकीय स्कूली ने कक्षा 3 के उत्तीर्ण बच्चों के लर्निंग लेवल का सर्वे किए जाने के निर्देश राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी किए गए हैं। इसी क्रम में फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी अर्थात एफएलएस सर्वे के लिए राज्य शिक्षा केंद्र से जिले के 2 शासकीय व 1 आशासकीय स्कूलों का चयन किया गया है। इन स्कूलों में एफएलएस सर्वे के लिए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में अध्यनरत छात्र आध्यापकों में से 3 को फील्ड इन्वेस्टिगेटर नियुक्त किया गया है जो सोमबार 6 अप्रैल को 3 चयनित शालाओ में पहुंचकर टैबलेट के माध्यम से कक्षा 4 में अध्ययन रत बच्चों का एफएलएस सर्वे का कार्य किया।

1 प्राइवेट व 2 सरकारी स्कूलों का हुआ चयन- डीपीसी केके डेहरिया एवं डाइट प्राचार्य विनोद कुमार मनवारे ने बताया कि भारत सरकार द्वारा कराए जा रहे सत्र 2025-26 के कक्षा 3 में अध्यनरत व मौजूदा कक्षा 4 में बच्चों के एमएलएस सर्वे के लिए जिले के 1 अशासकीय व 2 शासकीय स्कूलों सहित 3 स्कूलों का चयन किया गया इसमें डाइट के एफआई टेबलेट के माध्यम से कक्षा 4 के बच्चों हिंदी मीडियम के 03 स्कूलों में हिंदी व गणित विषय का सर्वे कार्य कराया गया।

अध्यापक, शिक्षक संयुक्त मोर्चा मध्यप्रदेश ने सौंपा ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता समाप्त कर सरकार द्वारा पुर्नविचार याचिका दायर करने एवं नियुक्ति दिनांक से संवा अवधि की गणना करने के संबंध में बुधवार 8 अप्रैल को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौपते समय बताया कि आयुक्त लोंक शिक्षण संचालनालय द्वारा दिनांक: 02.03.2026 एवं आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग द्वारा 26 मार्च 2026 को प्रदेश के समस्त नॉन टीईटी शिक्षकों को पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करने हेतु निर्देश जारी किये गये हैं जिससे प्रदेश के समस्त शिक्षक संवर्ग मानसिक रुप से तनाव में हैं। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा मध्यप्रदेश ने मांग कि है कि शिक्षकों को टीईटी पात्रता परीक्षा के संबंध में मध्यप्रदेश के शिक्षकों का निवेदन है कि आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल एवं आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग मध्यप्रदेश द्वारा जारी आदेश तत्काल निरस्त करने एवं अध्यापक शिक्षकों के पक्ष में मध्यप्रदेश सरकार की ओर से माननीय सर्वोच्च न्यायालय में पुर्नविचार याचिका दायर किया जाए। नवीन शैक्षणिक संवर्ग के शिक्षकों की लंबे समय से की जा रही अनिवार्य व ज्वलंत मॉग को दृष्टिगत करते हुये उनकी सेवा अवधि की गणना प्रथम नियुक्ति दिनांक से किये जाने हेतु आवश्यक आदेश जारी किया जाए जिससे पेंशन ग्रेजुएटी एवं अवकाश नगदीकरण जैसे वैधानिक लाभक्रमोन्नति/पदोन्नति की भाँति सुनिश्चित हो सकें। उन्होने कहा है कि संवेदनशीलता एवं न्यायोचित दृष्टिकोण अपनाते हुये शिक्षकों को आवश्यक राहत प्रदान कि जाए।

हटा में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण पर सियासी संग्राम, काम रुका, बढ़ी कानूनी लड़ाई की आहट

हटा (स्वतंत्र मत)

नगर में प्रस्तावित नए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण अब विकास से ज्यादा सियासी टकराव का केंद्र बन गया है। शिवशक्ति माता मंदिर के पास बनने वाले इस कॉम्प्लेक्स के लिए नगर पालिका ने जर्जर पुराने भवन को हटाकर नई इमारत के निर्माण की पूरी तैयारी कर ली थी। टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी और ठेकेदार को कार्यादेश भी जारी कर दिया गया था। शहर के व्यापारियों और नागरिकों को उम्मीद थी कि जल्द ही नया कॉम्प्लेक्स तैयार होगा लेकिन ऐन समय पर आई प्रशासनिक रोक ने पूरे मामले को विवादों में ला दिया। इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब हटा विधायक उमादेवी खटीक ने 4 अप्रैल को एसडीएम को पत्र लिखकर निर्माण प्रक्रिया पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई। पत्र में कहा गया कि जिस भूमि पर कॉम्प्लेक्स बनाया जाना प्रस्तावित हैए उसका राजस्व विभाग से विधिवत आवंटन नहीं कराया गया है। विधायक ने आशंका जताई कि यदि बिना औपचारिक प्रक्रिया के निर्माण शुरू हुआ तो शासन को राजस्व हानि हो सकती है। विधायक के इस पत्र के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ और मामले की जांच शुरू कर दी गई। विधायक की आपत्ति के बाद तहसीलदार ने 6 अप्रैल को नगर पालिका सीएमओ को सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा कि जब तक सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाते तब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जाए। यह आदेश आते ही नगर पालिका परिषद में हड़कंप मच गया और निर्माण कार्य पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि तहसीलदार डॉ. आलोक जैन के अवकाश पर होने के कारण राजस्व के सभी कार्य एक सप्ताह से बन्द है किसी को प्रभार न होने का हवाला राजस्व लिपिक राजेश खरे दे रहे है लेकिन इस मामले में प्रभार को अनदेखा कर पत्र जारी कर दिया गया जबकि जनता के कार्यो को प्रभार न होने का कारण बताकर टरकाया जा रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र खटीक ने इस कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि जब विधायक निधि से बने कई सामुदायिक भवनों पर कभी आपत्ति नहीं उठाई गई तो अब इस महत्वपूर्ण कॉम्प्लेक्स पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं।

बारिश से गेहूं पर प्रतिकूल प्रभाव पडने की आशंका

उमरिया (स्वतंत्रमत)। उमरिया में बुधवार 8 अप्रैल को सुबह से तेज बारिश हो रही है। बूंदाबांदी के बाद तेज बारिश के कारण गेहूं की फसल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है, जिससे किसान चिंतित हैं। फसल कटाई में देरी और गेहूं का रंग फीका पड़ने की संभावना जताई जा रही है। जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले में बुधवार सुबह 5 बजे से बूंदाबांदी शुरू हुई, जो बाद में तेज बारिश में बदल गई। सुबह 8.30 बजे तक बारिश की तीव्रता और बढ़ गई। पाली क्षेत्र में भी सुबह से तेज बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण लोगों को घरों से निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ा। दूध पहुंचाने वाले भी रेनकोट पहनकर अपने गंतव्य तक पहुंचे। बारिश से किसान विशेष रूप से चिंतित हैं। किसान गुड्डा ने बताया कि इस बारिश से सभी फसलों पर असर पड़ेगा, खासकर गेहूं की फसल का रंग खराब हो जाएगा। इससे बाजार में गेहूं का सही भाव नहीं मिल पाएगा। सुबह से आसमान में बादल भी छाए हुए हैं। जिले में 8 अप्रैल को लगभग 3 घंटे में 2.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। तापमान में भी गिरावट आई है; जहां 7 अप्रैल को अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस था, वहीं 8 अप्रैल को यह 19.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अधिकारी रजनीश यादव के मुताबिक, जिले में बूंदाबांदी जारी रह सकती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के समय में भी जिले में बोर खनन पर नहीं लग रहा अंकुश..!

मानपुर (स्वतंत्रमत)। जल गंगा संवर्धन अभियान पूरे मध्यप्रदेश 19 मार्च से चल रहा है जिसे 30 जून 2026 तक चलने का लक्ष्य है, जिसके तहत जल स्तर को बचाये रखने का एक उद्येश्य भी है, हर वर्ष के भांति इस साल भी क्षेत्र में पानी का जल स्तर बड़े तेजी से घटने लगा है। रवी की फसल पूरी तरह पक चुकी है जिसे अब सिंचाई के लिये पानी की जरूरत भी नहीं है, जगह जगह ट्यूवेल बोर से पानी के अनुपयोगी बहाव से धरती का जल स्तर बड़े तेजी से नीचे तरफ जाने लगता है, जिससे कुआं, तालाब, बावली, झील, नदी जैसे जल श्रोतों का पानी सीघ्र ही लुप्त हो जाता है, ऐसा होने से वन प्राणी, पशु पक्षी और छोटे पेड़ पौधों को पेय जल के संकट से इनका जीवन अंतिम श्वाश गिनने लगते हैं वहीं जलवायू और प्राकृतिक पर्यावरण में बुरा असर देखने को मिलने लगता है। जिनसे कई प्रकार के संकटों के बचाव के लिये मध्यप्रदेश के रीवा के सांथ कई जिलों में आगामी वर्षात ऋतु तक के लिये ब्यक्ति गत नये ट्यूवेल बोरिंग खनन कार्य पर पूणत: प्रतिबंध लगा दिया गया है।

कार्यालय नगर परिषद मानपुर जिला-उमरिया (म.प्र.)

क्रमांक/64/न.परि./2026 मानपुर, दिनांक 08/04/206

द्वितीय निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीय प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाइट https://gem.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की अंतिम तिथि
1.	GEM/2026/B/7408095	Speed Breaker (V2) (Q3)	11.04.2026
2.	GEM/2026/B/7425052	Power Control Center (PCC) Panel For Power Distribution (Q3)	29.04.2026

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://gem.gov.in की बेवसाइट पर ही किया जाएगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
जिला-उमरिया (म.प्र.)

आग से किसानों की मेहनत खाक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खेरमाई मंदिर दलदली मार्ग के पास उस वक्त हड़कंप मच गया जब किसानों के खेतों में खड़ी फसल में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 10 से 12 एकड़ क्षेत्र में फैली फसल धू-धू कर जलने लगी। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के किसान और ग्रामीण घबराकर मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक लपटें बेकाबू हो चुकी थीं। घटना की सूचना तत्काल दमकल विभाग को दी गई जिसके बाद दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू तो पा लिया गया लेकिन तब तक किसानों की महीनों की मेहनत पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। इस घटना से प्रभावित किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

जागरूकता कार्यशाला आयोजित

मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)। विकासखंड मवई के ग्राम पंचायत घोंटा तहसील बिछिया में हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन योजना के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के यौन उत्पीड़न रोकथाम निषेध और निवारण अधिनियम 2013 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शी-बॉक्स पोर्टल की विस्तृत जानकारी दी गई कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा से जुड़े कानूनों, शिकायत निवारण प्रक्रिया, कार्यस्थल पर सुरक्षित माहौल के अधिकार एवं आवश्यक हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी साझा की गई जिला विधिक सहायता अधिकारी एवं दहेज प्रतिषेध अधिकारी श्रीमती दीपिका तारन के संपर्क विवरण का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

अवैध शराब पर कार्यवाही

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के खिलाफ सख्त कार्यवाही की गई। जिला आबकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में वृत मण्डला क्षेत्र में दबिश दी गई। कार्यवाही के दौरान स्वामी सीताराम वार्ड में राजा यादव के घर की तलाशी लेने पर विदेशी मदिरा बरामद की गई। वहीं रानी अवंती बाई वार्ड में देवी प्रसाद के घर से विदेशी मदिरा एवं बीयर जब्त की गई जप्त सामग्री में कुल 25 नग विदेशी मदिरा व्हिस्की एवं रम, 4 बोतल रम तथा 5 बोतल बीयर शामिल हैं। जब्त मदिरा की अनुमानित कीमत 14,150 रुपये आंकी गई है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

दो डंपर जब्त

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में अवैध खनिज उत्खनन परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ प्रशासन द्वारा सख्त कार्यवाही जारी है। कलेक्टर के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा 7 अप्रैल को ग्राम हिरदेनगर क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान खनिज रेत के अवैध परिवहन में लिप्त दो डंपर वाहनों को जब्त किया गया। जब्त किए गए वाहनों में डंपर क्रमांक एमपी 20 एचबी 7118 एवं एमपी 20 एचबी 5792 शामिल हैं कार्यवाही के बाद दोनों वाहनों को शासकीय अभिरक्षा में संबंधित चौकी हिरदेनगर की सुपुर्दगी में दे दिया गया है।

आज से मनाया जाएगा पखवाड़ा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक 8वां पोषण पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। यह अभियान भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार संचालित होगा। इस वर्ष पखवाड़े की थीम जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क का अधिकतम विकास निर्धारित की गई है स्कूलों में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए पोषण सत्र, प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के सहयोग से पोषण रैली, कक्षा 9 से 11 के छात्रों के लिए घर पर तैयार व्यंजनों की प्रतियोगिता प्रदर्शनी, डू इट योर सेल्फ के तहत स्थानीय खिलौनों को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाएं, आंगनवाड़ी केंद्रों में खेल एवं अन्य कार्यक्रमों में सहभागिता, कक्षा 8 से 12 तक के बच्चों के माध्यम से उनके जन्म तिथियों पर आंगनवाड़ी केंद्रों में तिथि भोज आयोजन स्थानीय खाद्य व्यवस्था को प्रोत्साहन देने के लिए पोषण मेला गतिविधियां करने के निर्देश दिए गए हैं।

आरडी कॉलेज के सामने फैले अतिक्रमण को हटाने को लेकर प्रबंधन ने लिखा पत्र, लेकिन अब तक नहीं हो सकी कार्रवाई

मण्डला(स्वतंत्रमत)

छोटी खैरी स्थित आरडी कॉलेज के सामने इन दिनों लगातार अतिक्रमण किया जा रहा है। मुख्य मार्ग में लगभग आधा सैकड़ा लोगों ने कच्चे और पक्के निर्माण कर रखे हैं। जिससे आए दिन यहां पर दुर्घटना और जाम की स्थिति दिखाई देती है। इस संबंध में कॉलेज प्रबंधन ने एसडीएम मंडला को पत्राचार कर महाविद्यालय परिसर में फैले अतिक्रमण को हटाए जाने की मांग की थी यह पत्र 3 अप्रैल 2025 को लिखा गया था एक साल बीत गए लेकिन अब तक अतिक्रमण नही हट पाए हैं। यहां पर चाय पान हॉटल के साथ अन्य दुकानों का संचालन किया जा रहा है। मुख्य मार्ग में दुकानों को बनाया गया है। वहीं ग्राम पंचायत खैरी की भी लापरवाही सामने आई है सूत्रों के अनुसार सरपंच के संरक्षण में यहां पर अतिक्रमण किया गया है और अतिक्रमणकारियों ने पक्के निर्माण कर लिए हैं। इन अतिक्रमण को हटाने के लिए जिम्मेदार अमला लापरवाही बरत रहा है जिससे लोगों में रोष है वहीं कई छात्रों ने बताया कि अतिक्रमण के चलते अनेक बार दुर्घटनाएं भी हो चुकीं हैं। वहीं हर समय यहां पर जाम लगा रहता है ऑटो चालक मुख्य मार्ग में अपने वाहन खड़े करते हैं तो वहीं दुकानदार मुख्य मार्ग में ही अपनी दुकानदारी चला रहे हैं यहां पर आसमाजिक तत्वों का डेरा भी दिखाई देता है और तो और शाम के समय यहां का माहौल पूरी तरह बदल जाता है नशे की सामग्री खुलेआम बेची जा रही हैं स्थानीय रहवासियों ने भी विरोध दर्ज कराया है और यहां के अतिक्रमण हटाने मांग की है। वही शहर में भी लगातार अतिक्रमण किए जाने की जानकारी सामने आ रही है। सुभाष वार्ड में भी पक्का अतिक्रमण मुख्य मार्ग से सटाकर किया गया। इसके पहले बुधवारी में तलघर का अवैध निर्माण चर्चाओं में रहा वहीं सरकारी नाले पुल-पुलिया में बड़ी-बड़ी इमारतें बनाकर शहर की व्यवस्था को तार-तार करने वाले रसूखदार से प्रशासन और जनप्रतिनिधि किस बात का खौफ खाते हैं यह सवाल हर तरफ सुनाई दे रहा है अतिक्रमण के चलते मुख्य मार्ग की सडकों से निकलना मुश्किल हो गया है व्यापारी मार्ग में अपनी दुकान सजाकर रखे हुये हैं इनको हटाने को लेकर कागजी कार्यवाही अधिक दिखाई देती है। वहीं सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर बेच देने का व्यवसाय अत्याधिक लाभ का धंधा बन गया है। इस धंधे में जहां कब्जा कराने वालों और दलालों को लाभ पहुंचता है वहीं जिला प्रशासन के कुछ कर्मचारियों के अलावा स्थानीय सरपंच-सचिव भी लाभान्वित होते हैं। योजनाबद्ध तरीके से कुछ लोगों के समूह को छोटे-बड़े भू-खण्ड पर कब्जा कराया जाता है। कब्जा करने वालों में कुछ ऐसे भी धंधेबाज होते हैं जो कुछ समय बाद उक्त भूमि का विक्रय कर किसी अन्य भूमि पर कब्जा करने की जुगत में रहते हैं। ऐसे दलाल जो जिला प्रशासन के कर्मचारियों को साधे हुये हैं सरकारी भू-खण्ड का चयन कर अतिक्रमण कारियों से निर्धारित रकम प्राप्त कर कब्जा कराते हैं और सरकारी एवं नगरीय निकाय के कर्मचारियों के साथ मिलकर रकम का बंटवारा कर लेते हैं अतिक्रमण हटाने के संबंध में कर्मचारियों द्वारा अधिकारियों को गुमराह किया जाता है। वर्तमान में 40-50 प्रतिशत भू-भाग अतिक्रमण की चपेट में है। एक ओर नगर के मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण हटाने का प्रदर्शन अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किया जाता है तो दूसरी ओर मैदानी इलाकों टेकरियों और नालों के किनारे की भूमि अवैध कब्जों से पट चुकी हैं। अवैध कब्जों के कारण छोटी-छोटी बस्तियां बनने पर उनकी नींद नहीं टूटती। विभाग द्वारा खानापूर्ति कर अपने दायित्व का निर्वहन कर लिया जाता है। यदि इसी तरह सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया जाता रहा तो भविष्य में सरकारी भवन निर्माण के लिये भूमि नहीं मिल सकेगी।

सीईओ को दी उत्तरवाहिनी परिक्रमा की जानकारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)

महिष्मति मां नर्मदा उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा को लेकर बनाए गए रूट चार्ट और अन्य जानकारियों से जिला पंचायत सीईओ शाश्वत सिंह मीणा को अवगत कराया गया। बीते दिनों हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर जिला पंचायत के सामने स्थित हनुमान शेषनाग मंदिर में दर्शन करने आए श्री मीणा को समाजसेवी लालाराम चक्रवर्ती ने सम्पूर्ण उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा को लेकर जानकारी देते हुए उन्हें परिक्रमा संबंधि कलेंडर भेंट किया और परिक्रमा के महत्व से अवगत कराया सीईओं ने समस्त जानकारियों को ध्यान से सुना और मार्गो के सुधार सहित परिक्रमावासियों के विश्राम आदि पर उचित रणनीति बनाते हुए इस मार्ग को परिक्रमा मार्ग के नाम पर घोषित करने को लेकर अपने विचार रखे इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर कांसकार नीरज अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बता दें कि नर्मदा परिक्रमा यात्रा में शामिल श्रृद्धालुओं ने किला घाट से मां नर्मदा को नाव से पार करके दूसरे तट पर पुरवा स्थित मां सरस्वती प्रस्त्रवण तीर्थ दक्षिण तट पहुंचते हैं। महाराजपुर संगम से होते हुए घाघी के लिए नर्मदा परिक्रमा पदयात्रा की जाती है। इसके साथ तट परिवर्तन करते हुए बबैहा फूलसागर तिंदनी कटरा होते हुए किलावार्ड में परिक्रमा का समापन होता है। लगभग 42 किमी की इस पद यात्रा में हजारों की संख्या में धर्मप्रेमी पहुंचते हैं। एक माह चलने वाली इस नर्मदा परिक्रमा को करने विदेशों से भी श्रृद्धालु मंडला पहुंच रहे हैं।

शिक्षकों की रैली एसडीएम को ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के प्रांतीय आव्हान पर जिले के सैकड़ों शिक्षकों ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करते हुए रैली निकाली तथा मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। जिले के सभी विकासखंडों से आए शिक्षकों ने धरना प्रदर्शन में भाग लिया। इस दौरान मंच से लोक शिक्षण संचालनालय एवं आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग भोपाल द्वारा जारी टीईटी परीक्षा संबंधी आदेश का जोरदार विरोध किया गया। संयुक्त मोर्चा के प्रांतीय संयोजक डीके सिंगौर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की 27 अगस्त 2010 की अधिसूचना एवं सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार पूर्व से नियुक्त अध्यापक शिक्षक टीईटी के दायरे में नहीं आते हैं। इसके बावजूद मध्यप्रदेश शासन द्वारा 25-30 वर्षों से कार्यरत शिक्षकों को जबरन टीईटी के दायरे में लाकर परीक्षा के लिए बाध्य किया जा रहा है जो अनुचित है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय के विरोध में संयुक्त मोर्चा सड़क से लेकर संसद और सर्वोच्च न्यायालय तक संघर्ष करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षक परीक्षा देने में सक्षम हैं लेकिन यह उनके मान-सम्मान के विपरीत है इसलिए सभी शिक्षक एकजुट होकर इसका विरोध कर रहे हैं। अब 11 अप्रैल को ब्लॉक स्तर पर तथा 18 अप्रैल को भोपाल में प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शासन द्वारा टीईटी परीक्षा निरस्त नहीं की गई तो प्रदेशभर के शिक्षक तालाबंदी हड़ताल के लिए बाध्य होंगे।

मातृशक्तियों ने किया सीआरपीएफ का सम्मान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। एक समय मंडला डिंडोरी बालाघाट नक्सलाइट क्षेत्र था परन्तु केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा निरंतर संचालित अभियान से मुठभेड़ में कई नक्सली मारे गए एवं कई नक्सलियों द्वारा आत्मसमर्पण कर दिया गया। इसके बाद जिले सहित बार्डर से लगे डिंडोरी एवं बालाघाट भी नक्सलाइट रहित घोषित हो गए हैं इसी संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता बहनों ने कमांडेंट विक्रम सारंगपाणी एवं पूरी बटालियन से मुलाकात कर शॉल श्रीफल से सम्मान देते हुए पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं प्रेषित की। कमान्डेंट द्वारा अपने कार्य क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रों में पोस्टेड रहते हुए अपने अनुभवों को बहनों के साथ सांझा किया और बताया कि अनुशासन धैर्य लक्ष्य और कर्तव्य निष्ठा का होना बहुत आवश्यक है वादा किया गया कि हर वर्ष बहनों का स्नेह शुभ आशीष के साथ उन तक रक्षाबंधन में जरूर पहुंचेगा रियल हीरो 148 बटालियन एवं मातृशक्तिओं द्वारा भारत माता की जय के उद्घोष से पूरा परिसर गूंज उठा एवं बहनों को आश्वस्त किया कि हम सभी भाई सदैव साथ है राष्ट्र भक्ति की भावना, विश्वास एवं असीम स्नेह से जुड़े इस अवसर द्वितीय कमान अधिकारी रत्नेश कुमार ,उप कमांडेंट मनोरंजन ,सहायक कमांडेंट मनोरमा एवं समस्त बटालियन सहित सामाजिक कार्यकर्ता शिखा श्रीवास्तव, ममता चौरसिया, संजू चौरसिया, अनुपम चौरसिया, ज्योत्सना चौरसिया कीर्ति सराफ, सरोज सोनी, शिवानी चौरसिया, रिंकू चौरसिया सरिता महान, विनीत दुबे, एडवोकेट साक्षी दुबे, द्रोपती यादव, माया गुप्ता, अनीता चौधरी, दीप्ति नरेलिया सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रही।

सर्री प्रीमियर लीग का समापन, प्रज्ञा इलेवन बनी विजेता

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत)

जिले की उप तहसील बम्हनी बंजर के समीप स्थित ग्राम सर्री में सर्री प्रीमियर लीग सीजन 2 क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता ग्राम पंचायत सर्री, सिंगारपुर के युवा साथियों एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस टूर्नामेंट में कुल आठ टीमों ने हिस्सा लिया जिनमें नर्मदा ग्रीन हाउस हीटर्स, अजय थोड़ा, प्रज्ञा इलेवन, अंगार इलेवन, दुर्गा सुपर किंग सहित अन्य टीमें शामिल रहीं। प्रतियोगिता का शुभारंभ राष्ट्रगान एवं संगीतमय कार्यक्रम के साथ किया गया। उद्घाटन समारोह में पूर्व केंद्रीय इस्पात मंत्री सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ जनपद पंचायत उपाध्यक्ष संदीप सिंगौर, जिला पंचायत सदस्य प्रभात साहू, चंद्रकांत सिंगौर, प्रो. श्रीमती ललिता सिंगौर सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत सर्री सरपंच प्रेमलाल ने की वहीं ग्राम की मातृशक्ति का भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया फाइनल मुकाबला प्रज्ञा इलेवन और सत्यम टेंट इलेवन के बीच खेला गया जो अत्यंत रोमांचक रहा। अंततः प्रज्ञा इलेवन ने शानदार जीत दर्ज कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम को 35 हजार रुपये नगद राशि एवं ट्रॉफी प्रदान की गई जबकि उपविजेता सत्यम टेंट इलेवन को 17 हजार रुपये नगद एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कुल 78 खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिन्हे समाजसेवी श्रीमती ललिता सिंगौर के सौजन्य से स्मृति चिन्ह एवं मेडल प्रदान किए गए आयोजन के दौरान समाजसेवी शिक्षक राजेश कुमार सिंगौर का विशेष योगदान भी सराहनीय रहा समापन समारोह में श्रीमती संपतिया उईके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उनके साथ वरिष्ठ समाज सेवी प्रदेश मंत्री राजेश पटेल अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेशमंत्री सौरभ वनवारिया, विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम मण्डल अध्यक्ष अश्वनी सोनी, समाजसेवी प्रभात साहू, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष संदीप सिंगौर, सामाजिक कार्यकर्ता अमर अग्रवाल बम्हनी, अरूण अग्रवाल, समाजसेवी नीरज अग्रवाल, सुधीर कांसकार, मुकेश सोनी, किशोर रजक सहित प्रदेश स्तर के कई समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल हुए कार्यक्रम में विभिन्न समितियों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे कार्यक्रम की सफलता के उपलक्ष्य में मंडला एवं जबलपुर की टीमों द्वारा संगीतमय देवी जागरण का आयोजन किया गया जिसमें समाजसेवी प्रभात साहू की मुख्य भूमिका रही।

नाबालिक बालिकाएं सकुशल बरामद

मण्डला/बिछिया। जिले के थाना बिछिया अंतर्गत ग्राम कोको से चार नाबालिक बालिकाओं के एक साथ गुम हो जाने की सूचना से क्षेत्र में चिंता का माहौल बन गया। परिजनों द्वारा थाना बिछिया में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई जिसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्यवाही शुरू की थाना प्रभारी रंजीत सिंह सैयाम ने घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा को दी उनके निर्देशन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बिछिया सौरव तिवारी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम का गठन कर त्वरित खोजबीन शुरू की गई पुलिस एवं सायबर टीम की संयुक्त मेहनत से कुछ ही घंटों के भीतर चारों नाबालिक बालिकाओं को ग्राम गोपीसानी से सकुशल दस्तयाब कर लिया गया।

लोक सेवा केंद्र पर 30 हजार जुर्माना

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। जिला प्रबंधक लोकसेवा द्वारा लोक सेवा केंद्र बिछिया का निरीक्षण किया गया। उक्त लोकसेवा केन्द्र में निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। निरीक्षण के दौरान 3 ऑपरेटर उपस्थित पाए गए लोकसेवा केन्द्र बिछिया को आधार पंजीयन के कार्य के लिए दिए गए लेपटॉप की जांच करने पर पाया गया कि आधार ऑपरेटर नीलेश कछवाहा द्वारा आधार पंजीयन का कार्य नेहा कम्प्यूटर्स पड़ाव रोड दुकान में अनाधिकृत रूप से किया गया जो कि अवैध है। फलस्वरूप नीलेश कछवाहा की आधार सुपरवाईजर आईडी को निरस्त किए जाने के लिए प्रस्ताव भोपाल प्रेषित किया गया है। लोक सेवा केन्द्र बिछिया में आरपीएफ डॉक्यूमेंट की कंडिका क्र. 5 की उप कंडिका ए में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किए जाने के कारण प्रो. नीलम शुक्ला लोकसेवा केन्द्र बिछिया पर कुल 30 हजार रूपए की राशि का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है काउंटर के संचालन में लापरवाही पर 5 हजार रुपये लोक सेवा केंद्र परिसर के अनाधिकृत व्यावसायिक उपयोग पर 25 हजार रुपये, कुल मिलाकर 30 हजार रुपये की पेनल्टी निर्धारित की गई है कलेक्टर एवं सचिव जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी ने संबंधित संचालक को चेतावनी भी दी है कि भविष्य में नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें भविष्य में पुनरावृत्ति होती है तो लोकसेवा केन्द्र बिछिया संचालन अनुबंध निरस्त करते हुए फर्म को ब्लेकलिस्टेड करने कार्यवाही की जायेगी।

अज्ञात कारणों से खेत में लगी आग, गेहूं की फसल व पेरा जलकर हुआ खाक

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

रेल्वे पुल व चकोर नदी से लगे तीन किसानो के खेतो में खड़ी गेहूं की फसल व धान के पेरा में आग लग गई। जेसे ही किसानों को फसल में आग लगने की खबर लगी बड़ी संख्या में किसान खेतों में पहुंच गये और ट्रेक्टर की मदद से खेत की जुताई कर आग को फेलने से रोकने का प्रयास किया तत्पश्चात नगरपालिका फायर गाड़ी को सूचना दिया गया। परंतु नदी और खेत का रास्ता ढीक न हो पाने के कारण फायर गाड़ी समय पर नहीं पहुंच पाई। जिसके चलते किसानों और नपा कर्मचारियों के बीच बाद विवाद हो गया। पुलिस मोके पर पहुंची और माहोल को शांत कराया। जानकारी अनुसार सुलोचना बाई निवासी वार्ड क्रमांक 15 की करीब 14 एकड़ एंव विजेंद्र ठाकुर निवासी वार्ड क्रमांक 11 वार्ड की करीब 2 एकड़ एंव क्रमांक 15 निवासी मसराम की लगभग 2 एकड़ की गेहूं फसल जल गई। एसडीएम को सूचना मिलने पर तत्काल पटवारी को मोके पर भेज पंचनामा बनाया गया। तत्पश्चात स्वयं एसडीएम आषुतोष महादेव सिंह ठाकुर एंव सीएमओ एल एस सारस मोके पर पहुंचे। और किसानों से रूबरू हुए।

संपादकीय

‘कब्जेबाज मानसिकता’

कमोबेश अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप का गुरूर, उनका दंभ, अहंकार, उनकी सनक, सभी टूटने चाहिए। एक राष्ट्रपति की ‘कब्जेबाज मानसिकता’ ने दुनिया को गरीबी, महंगाई, मंदी और अंततः भुखमरी के कगार पर लाकर पटक दिया है। ईरान युद्ध में राष्ट्रपति ट्रंप के मंसूबे और मकसद चकनाचूर हो चुके हैं। बेशक अमरीका-इजरायल के हवाई हमलों ने ईरान की हजारों इमारतें, कल-कारखाने, सैन्य मुख्यालय, शस्त्रागार, 30 विश्वविद्यालय, शहर-दर-शहर मिट्टी-मलबा कर दिए हों, लेकिन ईरान अब भी युद्ध-मैदान में खड़ा है, लड़ रहा है। उसने होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर अपना पूरा कब्जा कर वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला दिया है और ऊर्जा-अकाल के हालात पैदा कर दिए हैं। अमरीका भी महंगाई से चिल्ला रहा है। जनता सडकों पर आंदोलित है। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर कहर बरपाने की धमकी वाली डेडलाइन पूरी होने के चंद घंटे बाद ही 14 दिन के युद्ध विराम की खबर दी है। हालांकि ईरान ट्रंप की धमकियों से नहीं डरा, बल्कि उसने अमरीका के एक ही दिन में 10 लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन आदि मार गिराए। अब ईरान के आसमान पर ईरान का ही कब्जा है। अमरीकी लड़ाकू विमान ‘एफ’ श्रेणी के हैं, जिन्हें अमरीकी वायु-शक्ति की रीढ़ माना जाता रहा है। दुनिया अभी तक उन्हें ‘अजेय’ और संहारक मानती रही थी। उनमें परमाणु क्षमताएं भी हैं और वे दुश्मन के रडार को ‘चकमा’ देने में भी माहिर माने जाते रहे हैं। कहा जा रहा है कि ईरान ने अपनी वायु रक्षा प्रणाली की मिसाइलों से अमरीकी विमानों को धूल चटाई है। यह ईरान की वायु रक्षा प्रणाली है अथवा रूस की एस-400 को ‘ईरानी नाम’ दिया गया है? विमानों का तो अहंकार धराशायी हो चुका है, लेकिन अमरीका के पेंटागन ने भी स्वीकार किया है कि ईरान युद्ध में उसके 365 सैनिक घायल हुए हैं, जबकि 13 सैनिक मारे जा चुके हैं। घायल सैनिकों में 247 तो थलसेना के हैं, जबकि अमरीका ने विधिवत रूप से जमीनी ऑपरेशन की शुरुआत अभी करनी है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप को अपनी सुरक्षा-टीम के साथ न केवल आपात बैठक करनी पड़ी, बल्कि उसने बिचौलियों के जरिए 48 घंटे के युद्धविराम की पेशकश भी की, जिसे ईरान हुकूमत ने खारिज कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप का यह ‘चरम दंभ’ ही है कि उन्होंने ईरान को ‘पाषाण-युग’ में धकेलने का बयान दिया है। शायद अमरीकी राष्ट्रपति यह नहीं जानते कि ईरान 5-6 हजार साल पुरानी सभ्यता है। अमरीका तो 1776 में पैदा हुआ है। सिकंदर और चंगेज खां जैसे आक्रांता भी ईरान को हासिल नहीं कर सके, तोड़ नहीं सके। गुरूर ट्रंप का टूटना चाहिए, जिसने 139.5 लाख करोड़ रुपए का नया रक्षा बजट मांगा है और प्रस्ताव अमरीकी कांग्रेस (संसद) को भेजा है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा रक्षा बजट है। राष्ट्रपति ट्रंप करीब 42 फीसदी की बढ़ोतरी करना चाहते हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, विदेशी सहायता आदि के बजट में करीब 73 अरब डॉलर की कटौती के पक्ष में हैं। नतीजतन अमरीका पर कर्ज का बोझ बढ़ेगा। पहले ही अमरीका 39 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज में है। अमरीका ईरान की नई युद्ध नीति से ‘अलर्ट’ हो गया है, लेकिन उसके लिए अब युद्ध में रखा क्या है? दुनिया में फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली, स्पेन, ब्रिटेन समेत भारत सरीखे देश चौतरफा दबाव में हैं, क्योंकि होर्मुज बंद है और खाड़ी देशों के तेल-गैस ठिकाने ध्वस्त कर दिए गए हैं, लिहाजा विश्व ऊर्जा की बूंद-बूंद को तरस रहा है। भारत को ऑनस्पॉट कच्चे तेल के दाम 141.36 डॉलर प्रति बैरल देने पड़ रहे हैं, जबकि वायदा कीमत 109.03 डॉलर की है। बहरहाल, यदि सच में युद्ध विराम हुआ है तो खबर पूरी दुनिया के लिये राहतकारी है।

अब नहीं पनपेंगे माओवादीः जरा याद इन्हें भी कर लो

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

देश से सशस्त्र माओवादी आतंक का खात्मा हो गया है। लेकिन अर्बन नक्सलियों का माड्यूल अभी भी सक्रिय है। नक्सलवाद-माओवाद के ख़ूनी पंजों ने चारो ओर कैसे दहशत फैला रखी थी? उसकी गवाह हर वो तारीख़े हैं जब-जब हमारे वीर जवानों ने माओवादियों से लोहा लिया। छत्तीसगढ़ के कोने-कोने में, बस्तर में सुख-शांति के लिए अपना बलिदान दे दिया। ऐसी ही इतिहास की एक तारीख़ है 6 अप्रैल 2010।

ये तारीख़ याद कर लीजिए। ये वो तारीख़ थी जब दंतेवाड़ा में सीआरपीएफ की 62 वीं बटालियन पर घात लगाकर माओवादी आतंकियों ने हमला किया था। सुकमा (तत्कालीन दंतेवाड़ा) के चिंतागुफा, ताड़मेटला के पास माओवादियों ने क्रूरता की अति कर दी थी। लेकिन जवानों का हौसला कम नहीं था। माओवादियों के साथ हुए संघर्ष में 76 जवानों ने अपना बलिदान दे दिया था। सीआरपीएफ ने वीर बलिदानियों को याद करते हुए लिखा –हमारे 75 श्रेष्ठ जवानों ने 6 घंटे तक चले भीषण संघर्ष में 7 माओवादियों को ढेर किया और 8 को घायल किया, इसके बाद उन्होंने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। 500 से अधिक भारी हथियारों से लैस माओवादियों और सैकड़ों आईडीआएस से घिरे होने के बावजूद-जो लगभग हर उस स्थान पर लगाए गए थे। जहाँ हमारे जवान शरण लेकर जवाबी कार्रवाई कर सकते थे। उनका साहस अद्वितीय और अविस्मरणीय था।हमारे कुछ वीरों ने अपने साथियों की रक्षा करने और दुश्मन को निष्क्रिय करने के लिए ग्रेनेड पर लेटकर सर्वोच्च बलिदान दिया। अंतिम क्षणों में भी वीर सैनिकों ने अपने हथियार अपने नीचे छिपा लिए।

इस क्रूर हमले का मास्टरमाइंड माडवी हिड़मा था। इसके बाद जेएनयू में अर्बन नक्सलियों ने जश्न मनाया था। दंतेवाड़ा क्षेत्र में हमले के समय डीआईजी रहे आईपीएस कल्लूरी ने जेनएयू में हमले के बाद हुए जश्न की चर्चा करते हुए कहा था –मुझे काफी दु:ख पहुँचा था जब मुझे यह पता चला कि जेनएयू में (कुछ विद्यार्थियों द्वारा) ताड़मेटला में 76 बलिदानी जवानों के बलिदान का जश्न मनाया गया।

साथ ही छत्तीसगढ़ के कांकेर समेत कई अलग-अलग इलाकों में अर्बन नक्सलियों ने जवानों के बलिदान पर जश्न मनाया।? इस घटना को अर्बन नक्सली कही जाने वाली अरुंधति राय की पुस्तक, रिपोर्टिंग के लिए भी देखा जाना चाहिए। क्योंकि इस घटना वाले दिन से अगले- 19 दिन तक अरुंधति राय दंतेवाड़ा में रुकीं। उन्होंने एक रिपोर्ट बनाई थी, जो सेना, प्रशासन और छत्तीसगढ़ सरकार के विरोध में थी। अब आप सोचिए कि जहां एक ओर हमारे 76 जवानों का बलिदान हो गया। वहीं दूसरी ओर अर्बन नक्सली। इसे जीत के तौर पर देख रहे थे। भारत के ख़िलाफ़ छेड़े गए सशस्त्र युद्ध के इस घटनाक्रम पर जश्न मना रहे थे। सेना, पुलिस और सरकार के ख़िलाफ़ प्रोपेगैंडा वाली रिपोर्टिंग की जा रही थी। उन्हें खलनायक बताया जा रहा था। जबकि माओवादी

आतंकियों की रहनुमाई की जा रही थी।? क्योंकि अर्बन नक्सलियों के लिए माओवादियों के द्वारा जवानों की हत्या-जीत थी।? इसे वो बड़े माड्यूल के तौर पर फैलाना चाहते थे।

ये ध्यान रखना बहुत ज़रूरी है कि अर्बन नक्सलियों और सशस्त्र माओवादियों में कोई विशेष अंतर नहीं है। ये दोनों न तो देश के संविधान को मानते हैं। न ही इनमें राष्ट्र के प्रति कोई निष्ठा है। इनका हमेशा से एक ही उद्देश्य रहा है कि- कैसे भारत में रक्तपात किया जाए। %जल-जंगल, जमीन% के नाम पर हिंसा की जाए। ये दोनों जनजातीय समाज के, वनवासियों के घोर शत्रु हैं।अर्बन नक्सलियों और सशस्त्र माओवादियों के रक्तपात के चलते ही- सुदूर वनांचल क्षेत्र विकास से बहुत पीछे रह गए। हालांकि जैसा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि- यह अर्बन नक्सल खुद हाथ में हथियार नहीं लेना चाहते, लेकिन गरीबों के हाथ में हथियार देकर अपनी विचारधारा फैलाना चाहते हैं। मगर उनके भी दिन लद गए हैं।

ये कथन इस बात की प्रतिपुष्टि करता है कि हथियारबंद माओवादियों के बाद अगला नंबर अर्बन नक्सलियों का है। जो भी भारत की अखंडता, संप्रभुता और संविधान के ख़िलाफ़ आएगा। वो बख़्शा नहीं जाएगा। मातृभूमि भारतभूमि को हम रक्तरंजित नहीं होने दे सकते।

हमारे वीर जवानों ने सुरक्षा के लिए जिस अदम्य साहस का परिचय दिया है। वर्षों तक माओवादियों की मांद में घुसकर उन्हें नेस्तनाबूद किया है।आज उन वीर बलिदानियों के कारण ही छत्तीसगढ़ ख़ूनी आतंक से बाहर आया है। सशस्त्र माओवादी आतंक का सफाया हो चुका है। अर्बन नक्सली हमेशा से हथियारबंद माओवादियों की ढाल बनकर खड़े रहते थे। अभी भी ये सिलसिला रुका नहीं है। अर्बन नक्सली –

नक्सलवाद के समर्थन में साहित्य लिखते, इंटरव्यू करते, एडिटोरियल लिखते, नाट्य मंचन करते, ढफली बजाते, रैली करते और चिंघाड़ते हुए अर्बन नक्सली नज़र आते थे।? ये मानवाधिकार

के नाम पर माओवादी हिंसा को जायज़ ठहराते थे। लेकिन माओवादी आतंकी जिन निर्दोषों की हत्या करते थे। उनके मानवाधिकार पर ये चुप्पी ओढ़ लेते थे। वो माओवादी जो बस्तर के जनजातीय समाज का दमन करते थे। स्थानीय लोगों के जवान बच्चों और महिलाओं को अर्बन नक्सलियों के कॉन्सेप्ट पर उठा ले जाते थे। फिर उनके हाथों में हथियार थमा देते थे। रक्तपात कराते थे। बस्तर के वो बच्चे जिन्हें हाथों में किताबें थामनी थी। अर्बन नक्सलियों, माओवादियों ने – उन्हें बंदूक पकड़ने के लिए मजबूर किया। उनका बचपन, घर-परिवार और समाज सबकुछ छीन लिया। बारूदी गंध की ज़िंदगी जीने को विवश किया। भोले-भाले, सरल हृदय जनजातीय समाज को अपने ही समाज का दुश्मन बना दिया। माओवादियों ने उन्हें रक्तपात करने का हथियार बनाने का जघन्य अपराध किया। क्या इनसे किसी भी प्रकार की सहानुभूति की दिखाई जा सकती है ?

आज जिस माडवी हिड़मा को अर्बन नक्सली हीरो बना रहे हैं। अर्बन नक्सली जिस हिड़मा के लिए नारे लगा रहे हैं। मत भूलिए कि वो आतंकी इन 76 जवानों की हत्या का असल मास्टरमाइंड था। माडवी हिड़मा वो खूंखार आतंकी था जिसने न जाने कितने घर-परिवार उजाड़ दिए। न जाने कितने निर्दोषों को गोली से भून दिया।? नृशंसता के साथ सिलसिलेवार ढंग से हत्याओं को अंज़ाम दिया। अब, उस हिड़मा को महान बलिदानी भगवान बिरसा मुंडा से जोड़ने का अपराध, अर्बन नक्सली कर रहे हैं। बिरसा मुंडा जिन्होंने राष्ट्रीय अस्मिता के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। ईसाई मिशनरियों, अंग्रेज़ों की नाक में दम कर दिया। स्वतंत्रता, जनजातीय अस्मिता, भारत की संस्कृति और कन्वर्जन के ख़िलाफ़ जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी। अगर कोई भी भगवान बिरसा मुंडा से हिड़मा जैसे माओवादी क्रूर हत्यारे को जोड़ता है तो ये सबसे बड़ा अपराध है। यह हमारे आदर्शों, हमारी संस्कृति, जनजातीय समाज का घोर अपमान है। ये किसी भी क़ीमत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

अब भी जो लोग माओवाद के समर्थन में लोगों को बरगलाते दिखाई दें। जो हिड़मा जैसे माओवादी आतंकी को ग्लोरीफाई करते दिखें। जो ये विमर्श करते दिखें कि- अजी ! जल-जंगल जमीन के लिए नक्सलवाद फिर से वापस आ सकता है। ऐसे में ये तय मानिए कि या तो ये अर्बन नक्सली हैं। याकि ये अर्बन नक्सलियों के नैरेटिव के ट्रैप में फंस गए हैं। याकि ये किसी पॉलिटिकल लाइन को एड्रेस कर रहे हैं। देश समेत छत्तीसगढ़ से माओवादी आतंक का सफ़ाया ये बता रहा है कि- अगर दृढ़ इच्छाशक्ति हो। संकल्प हो। समाज के लिए बेहतरी की चिंता हो तो कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं हो सकता है। हमारे सुरक्षाबल, हमारे गौरव है। उनके असंख्य बलिदानों के प्रति ये राष्ट्र और समाज अपनी कृतज्ञता प्रकट करता है। हमारा छत्तीसगढ़, हमारे बस्तर की माटी और उसकी संतानें अब सृजन का नया विहान रच रही हैं। अब बस्तर में बारूद की गंध कभी नहीं लौटेगी। हमारा पूरा समाज-एक साथ खड़ा है। बस्तर के युवाओं के कंधों पर अब वहां की शिक्षा-रक्षा, स्वास्थ्य-रोजगार, विकास की कमान है। जो अभावग्रस्त हैं। उन तक अब सारे संसाधन तेजी से पहुंचेंगी। वीर गुंडाधुर, भगवान बिरसा मुंडा, दंतेश्वरी माई की संतानें अब मूल को पहचानकर सृजन के गीत गा रही हैं। प्रकृति की लय ताल के साथ एकाकार होकर शांत और सुरम्य तस्वीरें रच रही हैं।

(साहित्यकार, स्तंभकार एवं पत्रकार)

डोनाल्ड ट्रम्प का ‘अल्टीमेटम’

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

इसमें अब कोई दो राय नहीं हो सकती कि ईरान से छिड़ी लड़ाई को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब अपना सब्र खोते जा रहे हैं और वह उसके खिलाफ न केवल ऊल-जुलूल गन्दी भाषावली का प्रयोग कर रहे हैं, बल्कि उसे केवल एक रात में ही निपटा देने की धमकी भी दे रहे हैं। इसकी एक वजह यह भी मानी जा रही है कि ट्रम्प ने ईरान में फंसे अपनी वायुसेना के एक अधिकारी को निकालने के लिए जिस बड़े सैन्य अभियान का जिक्र किया वह ईरान के अनुसार वास्तव में इस्फेहान प्रान्त में स्थित परमाणु संयन्त्र से परिशोधित यूरेनियम को लाने के लिए था जिसकी वजह से अमेरिका ने अपने 155 लड़ाकू हवाई जहाज ईरान में भेजे थे। ट्रम्प ने इस सैनिक बचाव ऑपरेशन का अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बहुत महिमा मंडन किया और इसे अभी तक का सबसे बड़ा हैरतंगेज कारनामा तक बताया। इस ऑपरेशन में अमेरिका के कई आधुनिक लड़ाकू विमान ध्वस्त भी हो गये परन्तु इससे भी खतरनाक बात यह है कि ट्रम्प ने इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईरान को धमकी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर उसने अमेरिका की शर्तों पर युद्ध विराम नहीं किया तो उसके विरुद्ध महाविनाशक हमला किया जायेगा जिसमें ईरान के सभी सैनिक ढांचे के साथ नागरिक ढांचे को भी ध्वस्त करके उसे पुनः पाषाण युग में वापस भेज दिया जायेगा।

इस अल्टीमेटम की अवधि आज रात्रि ही समाप्त हो रही है अतः हो सकता है कि जब सुधी पाठकों के हाथों में यह अखबार हो तो उन्हें ईरान पर हुए विनाशक हमलों की खबरें भी पढ़ने को मिलें। वैसे इस ईरान-इजराइल व अमेरिका युद्ध की स्थिति यहां तक आ पहुंची है कि दोनों ही पक्ष एक-दूसरे के प्रभाव वाले देशों के वाणिज्यिक व नागरिक प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। एक तरफ इजराइल ने धमकी दे दी है कि वह ईरान के रेलवे तन्त्र को अब अपने निशाने पर लेगा तो ईरान भी इजराइल व खाड़ी के देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों के अलावा उसके वाणिज्यिक संस्थानों को नुक्सान पहुंचा रहा है। जाहिर तौर पर यह युद्ध अब किसी भी प्रकार की अन्तर्राष्ट्रीय युद्ध नियमावली के तहत नहीं लड़ा जा रहा है बल्कि इसका स्वरूप मानवता विरोधी हो चुका है। जिसके चलते दुनिया के अधिसंख्य देश हैरान हैं कि वे आखिर कौन सा रुख लें। ट्रम्प खुलेआम कह रहे हैं कि यदि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य का समुद्री रास्ता पहले की तरह यातायात के लिए न खोला तो वह 24 घंटे बाद ईरान के सभी महत्वपूर्ण पुलों को उड़ा देंगे और उसके हर बिजलीघर को तबाह कर देंगे।

दूसरी तरफ ईरान ने भी इजराइल के बिजलीघरों का नक्शा गुपचुप रूप से रख लिया है और वह उसे उड़ाने के मंसूबे पाल रहा है। इसका मतलब यही निकलता है कि युद्ध अब दो सेनाओं के बीच में न रह कर नागरिकों के बीच में होता जा रहा है जो कि 21वीं सदी के लिए बहुत ही खतरनाक रास्ता है मगर हैरत यह है कि इस रास्ते को पकड़ने का सिलसिला अमेरिका जैसे शक्तिशाली व खुद को मानवीय अधिकारों का अलम्बरदार रूप मानने वाले देश ने पकड़ा है। अगर इस रास्ते पर वर्तमान विश्व निकल पड़ता है तो पूरी दुनिया में जंगल राज कायम होने से कैसे रोका जा सकता है? इस मामले में अगर हम गौर से देखें तो हमें ‘गांधीवाद’ रोशनी दिखाता नजर आता है। बेशक यह युद्ध ईरान पर अमेरिका की तरफ से लादा गया है क्योंकि ट्रम्प सरेआम ईरान पर शासन करने वाले लोगों को जानवर की संज्ञा दे रहे हैं और इसे आतंकवादी सत्ता बता रहे हैं। जबकि दूसरी ओर वह पाकिस्तान जैसे आतंकवाद को अपनी विदेश नीति का अंग बनाने वाले देश पाकिस्तान से दोस्ती की पींगें बढ़ा रहे हैं। एक तरफ ट्रम्प कभी कहते हैं कि होर्मुज के रास्ते को प्रभावित देश खुद खुलवायें और कभी कहते हैं कि यदि ईरान ने इसे न खोला तो उसे एक ही रात में पूरी तरह निपटा दिया जायेगा। ट्रम्प विगत 28 फरवरी को युद्ध यह कहते हुए शुरू करते हैं कि उनका लक्ष्य ईरान में निजाम बदलना है और वहां के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की हत्या तक करवा डालते हैं तो इसके बाद कहने लगते हैं कि वह ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकना चाहते हैं अतः ईरान को उनकी शर्तों को मानते हुए समझौता कर लेना चाहिए। हमें यह पता होना चाहिए कि 1953 तक ईरान में भी भारत जैसे देशों की तरह खुला लोकतन्त्र था और उसके प्रधानमन्त्री स्व. मुसद्दिक थे। मुसद्दिक की गलती केवल यह थी कि उन्होंने ईरान की तेल कम्पनियों का राष्ट्रीयकरण कर दिया था, क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध के पहले से ही ईरान में ब्रिटिश व अमेरिकी कम्पनियों ने वहां के तेल पर कब्जा कर लिया था और ये कम्पनियां ईरान को नाममात्र की रायल्टी देती थीं। स्व. मुसद्दिक ने इस विदेशी शोषण को रोकने के लिए ही अपने देश की सभी तेल कम्पनियों का राष्ट्रीयकरण कर दिया था जो अमेरिका से सहन नहीं हुआ और उसने मुसद्दिक की सत्ता पलट कर वहां पर ईरान के शाह के शासन को बैठा दिया परन्तु 1979 में ईरान में जो इस्लामी क्रान्ति हुई और आयातुल्लाह खुमैनी ने वहां धार्मिक पद्धति की शासन प्रणाली लागू की। वर्तमान समय में ट्रम्प की नजर फिर से ईरान के तेल पर उसी तरह है जिस तरह वेनेजुएला के तेल पर थी। अतः हम यह दिशाविहीन व विनाशकारी युद्ध देख रहे हैं जिसने पूरी विश्व व्यवस्था को ही बदलने की ठान रखी है। इस युद्ध में खाड़ी के वे देश भी बर्बाद हो रहे हैं जिनमें भारत के एक करोड़ लोग रोजी-रोटी कमाने गये हुए हैं।

अफसरों के नाकारापन से नहीं थमेंगे नालंदा मंदिर जैसे हादसे

योगेंद्र योगी

सरकारी मशीनरी के नाकारा होने के कारण देश में धार्मिक आयोजनों में भगदड़ जैसे हादसे रुक नहीं रहे हैं। हादसों ऐसी श्रृंखला में नालंदा मंदिर का हादसा भी जुड़ गया है। नालंदा के शीतला माता मंदिर में पूजा करने के दौरान भगदड़ मच गई और इसमें 9 लोगों की जान चली गई। आठ महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को शीतला अष्टमी के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। इसी दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज मंगलवार को नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल हुईं।

दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने कई देशों के छात्रों को डिग्री व मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान दिया गया। राष्ट्रपति की यात्रा की सुरक्षा में 8 जिलों के 2500 जवानों को लगाया गया था, जबकि मंदिर में जुटी 10 हजार की भीड़ के लिए एक भी पुलिस वाले की तैनाती नहीं थी। यह हालत है देश में जिम्मेदार मानी जाने वाली चुनी हुई सरकारों की। अधिकारी इस बात का आकलन ही नहीं कर सके कि इतने बड़े आयोजन में कोई हादसा भी हो सकता है। इसी भारी चूक की वजह से मंदिर स्थल पर पुलिस सुरक्षा का इंतजाम नहीं किया गया। सारी फोर्स राष्ट्रपति की सुरक्षा के इंतजाम में लगा दी गई। कुंभ मेले, मंदिर दर्शन, सत्संग, त्योहार और रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन पकड़ने की होड़ जैसी घटनाएं न केवल आस्था का प्रतीक हैं, बल्कि प्रबंधन की कमी के कारण अक्सर जानलेवा साबित होती रही है। साल-दर-साल मची भगदड़ में सैकड़ों निर्दोष जिंदगियां चली जाती हैं, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। ये हादसे मुख्य रूप से सुरक्षा व्यवस्थाओं की चूक, अपवाहें, संकरी जगहों पर अत्यधिक भीड़ और प्रशासन की लापरवाही के कारण होती हैं। देश के सरकारी तंत्र ने विगत वर्षों में हुए इस तरह के हादसों से कोई सबक नहीं सीखा। यही वजह ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति थम नहीं रही है। विगत एक दशक में ऐसा शायद ही कोई साल गया होगा, जब भगदड़ में मौतों की दर्दनाक घटनाएं सामने नहीं आई होंगी।

3 मई 2025 को गोवा के श्री लैरे देवी मंदिर के वार्षिक मेले में पूजा-अर्चना के दौरान भगदड़ मची। इसमें छह श्रद्धालुओं की मौत हुई और लगभग 55 लोग घायल हुए। 15 फरवरी 2025 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज कुंभ में शामिल होने के लिए ट्रेन पकड़ने की होड़ के चलते मची भगदड़ में 18 यात्रियों की जान गई। 9 जनवरी 2025 को प्रयागराज महाकुंभ के संगम क्षेत्र में भगदड़ 30 तीर्थयात्रियों की मौत हुई और 60 लोग घायल हुए। इसी तरह 8 जनवरी 2025 आंध्र प्रदेश के तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर में छह श्रद्धालुओं की मौत हुई। इन हादसों के अलावा विगत वर्षों में कटरा जम्मू में वैष्णो देवी मंदिर, महाराष्ट्र के मंधर देवी, नासिक में कुंभ स्नान, आंध्र प्रदेश के राजामुंद्री, बिहार के पटना में गांधी मैदान, मध्य प्रदेश के दतिया में पुल पर अफवाह फैलने, हरिद्वार में हर-की-पौड़ी घाट पर आयोजित गायत्री महायज्ञ आयोजन, उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़, जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में हिमाचल के नैना देवी में भगदड़ के दौरान सैकड़ों लोगों की जान चली गई थी।

नालंदा में हुए दर्दनाक हादसे के बाद अन्य हादसों की तरह वही जांच कमेटी बना दी गई। बिहार सरकार की तरफ से मृतकों के परिजनों को सांत्वना राशि की घोषणा कर दी गई। राजनीतिक दलों के नेताओं की तरफ से औपचारिकता निभानते हुए घड़ियाली आसूं बहाए गए। किन्तु एक भी जिम्मेदार अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई। अन्य हादसों की तरह इस हादसे में भी एक भी अफसर को जेल नहीं होगी। किसी का भी बांल बांका नहीं होगा, होगा भी तो सिर्फ दिखावे के लिए छोटे कर्मचारी अधिकारियों पर गाज घटना की गाज गिर सकती है। देश में परंपरा रही है कि बड़े अफसर हर बार बच निकलते हैं। इस लिहाज से बिहार की इस घटना इससे अलग नहीं है। सरकारों ने ना पहले हुए ऐसे हादसों से कोई सबक सीखा था ना ही बिहार हादसे से सीखेंगे। ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति देश में जारी रहेगी। ऐसे हादसों में सरकारी कुप्रबंधन की वजह से आम लोगों की मौत होती रहेगी और सरकारें तमाशबीन बनी रहेंगी।

अमेरिका-ईरान सीजफायर : पाक की कूटनीतिक जीत

संजय सक्सेना,वरिष्ठ पत्रकार

दुनिया की राजनीति में कभी-कभी ऐसे मोड़ आते हैं जो किसी देश की पहचान और उसकी विदेश नीति की असली परीक्षा लेते हैं। पिछले कुछ महीनों में जो कुछ हुआ, वह भारत के लिए एक गहरी सोच का विषय है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग को रोकने में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने जो भूमिका निभाई, उसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। ट्रंप ने खुद अपने बयान में साफ़ कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ़ और फील्ड मार्शल मुनीर के अनुरोध पर उन्होंने ईरान पर होने वाले हमले को रोका और दो हफ्ते का संघर्ष विराम स्वीकार किया। यह कोई छोटी बात नहीं थी यह उस वक़्त हुआ जब दुनिया एक बड़े युद्ध के मुहाने पर खड़ी थी। इससे पहले भी अक्टूबर में मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित शांति सम्मेलन में ट्रंप ने मंच से शहबाज़ शरीफ़ को धन्यवाद दिया और आसिम मुनीर को मेरा पसंदीदा फील्ड मार्शल कहा। गाज़ा में युद्ध विराम नौ अक्टूबर को लागू हुआ और इस पूरी प्रक्रिया में पाकिस्तान की भूमिका को खुलकर सराहा गया। भारत उस वक़्त कहाँ था? यह सवाल अब सिर्फ़ विपक्षी नेता नहीं, बल्कि दुनिया के कूटनीतिक हलके भी पूछ रहे हैं।भारत की विदेश नीति की एक पुरानी और मज़बूत परंपरा रही है। द्विपक्षीय संबंध, किसी गुट में न जाना, और अपनी स्वायत्तता बनाए रखना। यही नीति नेहरू के ज़माने से चली आ रही है और मोदी सरकार भी इसी रास्ते पर चलती दिखती है। लेकिन आज की दुनिया में जहाँ कूटनीति की जगह संबंधों की गर्मजोशी और व्यक्तिगत रिश्ते तय करते हैं कि किसकी बात मानी जाएगी, वहाँ यह पुरानी नीति काफ़ी नहीं रह गई।मोदी और ट्रंप के बीच व्यक्तिगत रिश्ता हमेशा से चर्चा में रहा है। हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप जैसे विशाल कार्यक्रम इसी गर्मजोशी की गवाही देते हैं। लेकिन जब ट्रंप ने बार-बार पचास से ज़्यादा मौकों पर कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम करवाया, तो भारत ने इसे मानने से इनकार कर दिया और कहा कि यह विराम दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत से हुआ। पाकिस्तान ने उसी पल को भाँप लिया और उस खाली जगह को भरने के लिए आगे बढ़ गया।

विश्लेषकों का कहना है कि भारत के उदास इनकार ने एक ऐसी जगह बना दी जिसे मुनीर और शरीफ़ ने तुरंत भर दिया। यह क्या भारत की कूटनीति की एक बड़ी चूक थी। ट्रंप जैसे नेता

को श्रेय देना एक छोटी कीमत होती, लेकिन उस श्रेय को न देने की कीमत बहुत बड़ी निकली। पाकिस्तान ने ट्रंप की हर उपलब्धि पर तालियां बजाईं, उन्हें शांति का दूत कहा, और काहिरा के शांति सम्मेलन में शरीफ़ ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित तक कर दिया। यह चाहे राजनीतिक चालाकी हो या असली सम्मान, इसने पाकिस्तान को वाशिंगटन की नज़रों में एक भरोसेमंद साझेदार बना दिया।अब सवाल उठता है कि भारत ने मध्य पूर्व में शांति के लिए सक्रिय भूमिका क्यों नहीं निभाई। इसके पीछे कई कारण हैं। पहला भारत की नीति रही है कि वह इजरायल और फिलिस्तीन दोनों से अपने संबंध बनाए रखे। भारत के इजरायल से गहरे रक्षा और तकनीकी संबंध हैं और वह उस पर सार्वजनिक दबाव डालने की स्थिति में नहीं है। दूसरा भारत अरब और मुस्लिम देशों के गुट का हिस्सा नहीं है, इसलिए गाज़ा पर उसकी आवाज़ का वह असर नहीं होता जो पाकिस्तान, तुर्किये या मिस्र की होती है। तीसरा भारत का पूरा ध्यान अपने क्षेत्र में चीन और पाकिस्तान से संतुलन बनाने पर लगा है, वैश्विक शांति का मध्यस्थ बनने की राजनीतिक इच्छाशक्ति अभी तक नहीं दिखी।लेकिन इस सबके बावजूद एक कड़वी सच्चाई है। पाकिस्तान को इस पूरी कवायद का जो फायदा मिला, वह यह है कि अमेरिका और पाकिस्तान के संबंध अब नई ऊँचाइयों पर हैं व्यापार, खनिज, सुरक्षा सहयोग, और क्षेत्रीय रणनीति, सब कुछ एक साथ आगे बढ़ रहा है। ट्रंप ने पाकिस्तानी निवेश के द्वार भी खोले और मुनीर को एक ऐसे नेता की तरह पेश किया जिस पर अमेरिका भरोसा करता है। यह पाकिस्तान की उस छवि से बिल्कुल अलग है जो दशकों से आतंकवाद के समर्थक के रूप में बनी थी।

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। जो देश खुद को विश्वगुरु और एक उभरती हुई महाशक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है, वह जब वैश्विक संकट के समय चुप्पी साधे रहता है, तो दुनिया सवाल पूछती है। भारत संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग करता है, लेकिन जब बड़े युद्धों को रोकने की बात आती है, तो उसकी भूमिका नदारद रहती है।यह भी ध्यान देने योग्य है कि यह सब उस पृष्ठभूमि में हो रहा है जहाँ मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष और उसके बाद के युद्ध विराम को लेकर भारत के भीतर ही विपक्ष ने यह आरोप लगाया कि यह ट्रंप के दबाव में स्वीकार किया गया। यानी एक तरफ़ भारत कह रहा है कि वह किसी बाहरी दबाव में नहीं झुका, और दूसरी तरफ़ पाकिस्तान उसी दबाव को अपनी कूटनीतिक उपलब्धि बताकर दुनिया के सामने परोस रहा है। इस कथा-युद्ध में पाकिस्तान आगे निकल गया। असली सवाल यह है कि भारत आगे क्या करेगा। क्या वह अपनी पुरानी नीति पर कायम रहेगा, या वह भी अब सक्रिय कूटनीति की राह पकड़ेगा? दुनिया तेजी से बदल रही है। जो देश अपनी ताकत का इस्तेमाल केवल अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए करते हैं, वे महाशक्ति नहीं बनते। महाशक्ति वह बनता है जो दूसरों के संकट में भी अपनी आवाज़ उठाने की हिम्मत रखता हो और जिसकी बात सुनी जाती हो। पाकिस्तान ने, अपनी तमाम आंतरिक कमजोरियों के बावजूद, यह साबित किया है कि सही वक़्त पर सही रिश्ते और सही साहस दिखाने से छोटे देश भी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। भारत को इससे सीखना होगा, वरना विश्व गुरु की पदवी केवल भाषणों तक सिमटी रह जाएगी।

सीजफायर से अमेरिका और ईरान नहीं, ओमान को होगा सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली

मडिल ईस्ट युद्ध के 40वें दिन आखिरकार अमेरिका-ईरान के बीच सीजफायर को लेकर सहमती बन गई। ईरान के 10 सूत्रीय प्लान के बाद अमेरिका ने दो हफ्तों के लिए, हमला रोक दिया। अब इस समझौते से सबसे बड़ा फायदा ओमान को होता दिख रहा है।

ईरान के 10 सूत्रीय प्लान में एक प्रावधान है जिसके तहत ईरान और ओमान दोनों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर ट्रांजिट फीस लगाने की अनुमति होगी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज युद्ध की शुरुआत से ही IRGC के कंट्रोल में रहा है। ईरान और ओमान के बीच 34 किलोमीटर चौड़ी यह रास्ता एक अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है। युद्ध से पहले तक किसी भी देश ने इस पर कोई टोल नहीं लगाया था। फारसी की खाड़ी का यह संकरा मुहाना दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से के तेल व्यापार मार्ग है।

एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक ईरानी अधिकारियों ने बताया कि ईरान होर्मुज से जमा होने वाले पैसे का इस्तेमाल युद्ध के बाद हुई क्षतिपूर्ति करने में करेगा, क्योंकि इस संघर्ष ने देश के रक्षा, प्रशासनिक और नागरिक बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचाया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा कि ईरान का प्रस्ताव व्यावहारिक है, क्योंकि तेहरान ने कुछ शर्तों के साथ इस स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने पर सहमति जताई है। यह जलमार्ग 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से ही प्रभावी रूप से बंद था।

ट्रंप ने कहा कि ईरान ने एक 10-सूत्रीय प्रस्ताव पेश किया है, जो बातचीत के लिए एक व्यावहारिक आधार है, उन्हें उम्मीद है कि दो हफ्ते की इस समय-सीमा के भीतर एक समझौता अंतिम रूप ले लेगा और पूरा हो जाएगा।

ईरान चाहता है कि अमेरिका और इजराइल की सेनाओं के साथ चल रहे युद्ध में किसी भी स्थायी शांति समझौते में तेहरान को जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क मांगने की अनुमति मिले। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि यह शुल्क जहाज के प्रकार, उसके माल और कुछ अन्य मौजूदा स्थितियों के आधार पर अलग-अलग होगा। ईरान के उप विदेश मंत्री, काजेम गरीबाबादी ने पिछले हफ्ते कहा था कि ईरान ओमान के साथ मिलकर एक प्रोटोकॉल तैयार कर रहा है, जिसके तहत जहाजों को होर्मुज से गुजरने के लिए परमिट और लाइसेंस लेना जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद आवाजाही को रोकना नहीं, बल्कि उसे आसान बनाना है।

ओमान ने कहा कि उसने आवाजाही सुनिश्चित करने के विकल्पों पर ईरान के साथ बातचीत की है, लेकिन उसने यह नहीं बताया कि क्या कोई समझौता हुआ है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स ([illegible]) ने युद्ध की शुरुआत से ही जलडमरूमध्य पर दबदबा बना रखा था। जिससे होर्मुज से कम से कम संख्या में जहाज गुजरे। बीच में ऐसी खबरें आई हैं कि ईरान ने जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए, कुछ जहाजों से 2 मिलियन डॉलर का भुगतान मांगा है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी।

अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून को कंट्रोल करने वाला UNCLOS समुद्री समझौता कहता है कि जलडमरूमध्य से सटे देश, केवल वहां से गुजरने की अनुमति देने के लिए शुल्क की मांग नहीं कर सकते हैं। हालांकि, वे जहाजों पर कुछ खास सेवाओं, जैसे कि पायलट सेवा, टगिंग (जहाज खींचने की सेवा) या बंदरगाह सेवाओं के लिए सीमित शुल्क लगा सकते हैं; लेकिन ये शुल्क किसी खास देश के जहाजों पर दूसरों की तुलना में ज्यादा नहीं लगाए जा सकते।

युद्धविराम विश्व शांति के लिए बड़ा दिनः ट्रंप

वाशिंगटन, (वार्ता)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ दो सप्ताह के युद्धविराम को विश्व शांति के लिए एक बड़ा दिन बताया और कहा कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान ऐसा चाहता है क्योंकि वे तंग आ चुके हैं। इसी तरह बाकी सभी भी तंग आ चुके हैं। अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य में यातायात बढ़ाने में मदद करेगा और कई सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि खूब पैसा बनाया जाएगा और ईरान पुनर्निर्माण प्रक्रिया शुरू कर सकता है। श्री ट्रंप ने कहा कि हम हर तरह की आपूर्ति लेकर आएंगे और वहीं आसपास मंडराते रहेंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सब कुछ ठीक चल रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि सब कुछ ठीक चलेगा। श्री ट्रंप ने कहा कि यह अमेरिका की तरह पश्चिम एशिया का स्वर्ण युग हो सकता है।

ईरान के साथ समझौता अमेरिका की बड़ी जीत : व्हाइट हाउस

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यालय ने अमेरिका और ईरान के बीच घोषित दो सप्ताह के युद्धविराम को अमेरिका की बड़ी जीत बताया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने आज एक बयान में कहा, यह अमेरिका की जीत है, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप और हमारी शानदार सेना ने संभव बनाया है। ऑपरेशन एपिक फ्यूरी की शुरुआत से ही राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे चार से छह सप्ताह का अभियान बताया था लेकिन अमेरिकी सैन्य क्षमताओं के चलते 38 दिनों में ही मुख्य सैन्य उद्देश्यों को हासिल कर लिया गया।सुश्री लेविट ने कहा, हमारे सैनिकों की अद्भुत क्षमताओं की बदौलत, हमने 38 दिनों में अपने प्रमुख सैन्य लक्ष्यों को हासिल किया है और उनसे भी आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा कि सैन्य सफलता के कारण अमेरिका को वार्ता में बढ़त मिली, जिससे कड़े संवाद के जरिए कूटनीतिक समाधान और दीर्घकालिक शांति की संभावना बनी। उन्होंने यह भी दावा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने में सफलता हासिल की। ईरान का कहना है कि जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवाजाही उसकी सेनाओं के समन्वय से ही संभव होगी। सुश्री लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की क्षमता को कम नहीं आंकना चाहिए, क्योंकि उन्होंने अमेरिका के हितों को आगे बढ़ाते हुए शांति स्थापित करने की दिशा में कदम उठाया है।

मॉरीशस और संयुक्त अरब अमीरात की चार दिन की यात्रा पर आज रवाना होंगे जयशंकर

नयी दिल्ली (वार्ता)। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर गुरुवार को मॉरीशस और संयुक्त अरब अमीरात की चार दिन की यात्रा पर रवाना होंगे। डॉ जयशंकर मॉरीशस में वह हिंद महासागर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि डॉ जयशंकर 09 और 10 अप्रैल को हिंद महासागर सम्मेलन के 9वें संस्करण में भाग लेने के लिए मॉरीशस का दौरा करेंगे। वह मॉरीशस में वहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे तथा हिंद महासागर सम्मेलन के 9वें संस्करण में मुख्य भाषण भी देंगे। सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्री के अन्य सहभागी देशों के समकक्षों के साथ चर्चा करने की संभावना है। यह यात्रा भारत की पड़ोसी पहले नीति, महासागर दृष्टि, और वैश्विक दक्षिण के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

यात्रा के दूसरे चरण में विदेश मंत्री 11 से 12 अप्रैल तक संयुक्त अरब अमीरात की आधिकारिक यात्रा करेंगे। इस दौरान वह संयुक्त अरब अमीरात के नेतृत्व से मिलेंगे ताकि घनिष्ठ सहयोग की समीक्षा की जा सके और दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत किया जा सके।

उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में बारिश, पहाड़ों पर हिमपात से कड़ाके की ठंड

देहरादून(वार्ता)

उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में तेज बारिश और पवर्तीय क्षेत्रों में हिमपात होने से हाड़ कंपाने वाली ठंड शुरू हो गयी है। राज्य सभी 13 जिलों के अनेक स्थानों में मंगलवार शाम से तेज हवा के साथ बारिश और पर्वतीय इलाकों में बुधवार को हिमपात जारी रही। मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश तथा 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल रही है। तेज हवाओं और ऊंचाई वाले स्थानों पर रूक रूक कर हो रहे हिमपात ने अप्रैल में दिसंबर, जनवरी जैसी हाड़ कंपाने वाली ठंड का अहसास कराया और लोगों को गर्म कपड़े पहनने या फिर घर में बन्द होने के लिए मजबूर कर दिया है। पिछले 24 घंटों से बदले मौसम के कारण राज्य के सभी जिलों में तापमान में गिरावट आयी है। मौसम विभाग के अनुसार, आज अनेक स्थानों पर अधिकतम तापमान में चार से छह डिग्री सेल्सियस की गिरावट आयी है। जबकि अगले तीन से चार दिनों में अनेक स्थानों पर अधिकतम तापमान में उत्तरोत्तर पांच से सात डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। रुद्रप्रयाग जिले के हेमकुंड साहब, केदारनाथ, चमोली जिले में बदरीनाथ, पिथौरागढ़, अल्मोडा जिलों के 3000 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में आज भी हिमपात हो रहा है। मौसम विज्ञान विभाग देहरादून से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को राज्य के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ जिलों के कुछ स्थानों में हल्की से मध्यम बारिश और 3000 मीटर एवं उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात होने का अनुमान जताया है।

उत्तराखंड के तेजस तिवारी का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज

हल्द्वानी, (वार्ता)। उत्तराखंड में हल्द्वानी के तेजस तिवारी को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स का प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। यह प्रमाणपत्र उन्हें जून 2023 में पांच वर्ष, पांच महीने और सात दिन की आयु में सबसे कम उम्र के एफआइडीई रैंक के शतरंज खिलाड़ी बनने के रिकॉर्ड के लिए प्रदान किया गया। लिम्का बुक द्वारा प्रमाणपत्र की जारी तिथि जून 2024 है, जबकि यह प्रमाणपत्र उन्हें अप्रैल 2026 में प्राप्त हुआ। तेजस की यह उपलब्धि पूर्व में दर्ज हो चुकी है और अब आधिकारिक प्रमाणपत्र प्राप्त होने से इसकी औपचारिक पुष्टि हुई है। दीक्षांत इंटरनेशनल स्कूल हल्द्वानी के कक्षा तीन के छात्र तेजस ने 3.5 वर्ष की आयु से शतरंज खेलना शुरू किया। तेजस ने कम उम्र से ही अपने खेल के प्रदर्शन से देश- विदेश में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इससे पूर्व, तेजस को वर्ष 2024 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्डस से संबंधित एक शतरंज टूर्नामेंट में भागीदारी के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से प्रमाणपत्र भी प्राप्त हो चुका है ।

ईरान-अमेरिका युद्धविराम के बाद इराक ने अपने हवाई क्षेत्र खोले

बगदाद, (वार्ता)

अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम समझौते के तुरंत बाद इराक के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने बुधवार को देश के हवाई क्षेत्र और हवाई अड्डों को तत्काल प्रभाव से फिर से खोलने की घोषणा की। इराकी समाचार एजेंसी ने बताया, सामान्य स्थिति बहाल होने के बाद, आज से हवाई यातायात के लिए इराकी हवाई क्षेत्र को फिर से खोलने का निर्णय लिया गया है।इराकी समाचार एजेंसी ने बताया, सामान्य स्थिति बहाल होने के बाद, आज से हवाई यातायात के लिए इराकी हवाई क्षेत्र को फिर से खोलने का निर्णय लिया गया है। इराकी विमानन प्राधिकरण ने कहा, इस उपाय के तहत, स्थापित नियमों और निर्देशों के अनुसार, इराकी हवाई अड्डों पर उड़ानों के संचालन, टेक-ऑफ और लैंडिंग सहित सभी नागरिक उड़ानों को फिर से शुरू करने की अनुमति दी गई है। प्राधिकरण ने हवाई सुरक्षा और सुरक्षा के उच्चतम मानकों को लागू करने तथा हवाई यातायात के सुचारू और कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने की अपनी पूर्ण प्रतिबद्धता भी दोहराई है।

किसानों को त्वरित राहत के निर्देश, क्षतिपूर्ति में नहीं होगी देरीः योगी

लखनऊ, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने असमय वर्षा, ओलावृष्टि और कुछ स्थानों पर आगजनी की घटनाओं से रबी फसलों को हुए नुकसान पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को त्वरित, पारदर्शी और संवेदनशील कार्रवाई के निर्देश दिये हैं।

योग ने बुधवार सुबह आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि इस संकट की घड़ी में राज्य सरकार अन्नदाताओं के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रत्येक प्रभावित किसान एवं बटाईदार के नुकसान का सटीक, निष्पक्ष और समयबद्ध आकलन कर तत्काल क्षतिपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनपद स्तर पर राजस्व, कृषि और अन्य संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ शीघ्र सर्वे कर रिपोर्ट शासन को भेजें, ताकि राहत वितरण में किसी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने बीमा कंपनियों के साथ समन्वय बढ़ाते हुए फसल बीमा दावों के शीघ्र निस्तारण के भी निर्देश दिए। अधिकारियों को किसानों से सीधे संपर्क कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने को कहा गया है, जिससे अधिकतम राहत सुनिश्चित हो सके। राजस्व विभाग को निर्देशित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य

आपदा राहत कोष से जनपदों को पर्याप्त धनराशि तत्काल उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सहायता पारदर्शी और शीघ्रता से किसानों तक पहुंचे। आवश्यकता अनुसार राहत शिविर स्थापित किए जाएं और मंडी समितियों के माध्यम से भी सहयोग प्रदान किया जाए।

अग्निकांड की घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री ने विशेष संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनहानि या पशुहानि की स्थिति में 24 घंटे के भीतर राहत राशि दी जाए। साथ ही पात्र लाभार्थियों को कृषक दुर्घटना बीमा योजना का लाभ शीघ्र दिलाया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जिन परिवारों के घर क्षतिग्रस्त या पूरी तरह नष्ट हो गए हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने कहा कि राहत एवं पुनर्वास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अक्षम्य होगी और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार हर प्रभावित किसान, कृषक परिवार और बटाईदार को 24 घंटे के भीतर राहत पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

बाँटो और राज करो' की नीति पर भाजपा और उसके सहयोगी दल : अखिलेश यादव

लखनऊ (वार्ता)

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगियों पर जोरदार हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि उनकी नीतियां समाज में विभाजन और भय का माहौल पैदा कर रही हैं। श्री यादव बुधवार को कहा कि ये लोग 'बाँटो और राज करो' की सोच पर काम कर रहे हैं और देश के लोगों को आपस में लड़ाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि कुछ संगठन अपनी पहचान छुपाकर समाज में सक्रिय हैं और

लोगों के बीच दरार पैदा करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे तत्वों को अनरजिस्टर्ड गिरोह करार देते हुए आरोप लगाया कि ये समाज में अस्थिरता फैलाकर जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाना चाहते हैं।

सपा प्रमुख ने कहा कि आम जनता शांति और भाईचारा चाहती है, लेकिन कुछ स्वार्थी लोग समाज में भय और अविश्वास का वातावरण बनाकर अपने राजनीतिक हित साधने में लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे लोग भोले-भाले लोगों को बहकाकर हिंसा और तनाव की स्थिति पैदा करते हैं। श्री यादव ने दावा किया कि अब जनता इन तथ्यों को समझ रही है और ऐसे लोगों को अपने बीच जगह नहीं दे रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में जनता इन नीतियों को पूरी तरह खारिज कर देगी और देश में सकारात्मक बदलाव होगा। उन्होंने कहा कि जनता की जागरूकता ही देश का भविष्य तय करेगी और बुरे दिन अब जाने वाले हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

संजय लीला भंसाली का बड़ा फैसलाः लव एंड वॉर के सेट पर मोबाइल फोन ले जाने पर लगी पाबंदी

बॉलीवुड फिल्मकार संजय लीला भंसाली ने अपनी आने वाली फिल्म लव एंड वॉर के सेट पर मोबाइल फोन ले जाने पर पाबंदी लगा दी है,जिससे कोई बात लीक न हो सके। संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर इस साल की सबसे बड़ी और मोस्ट-अवेयटेड फिल्मों में से एक है। बॉलीवुड के तीन बड़े सुपरस्टार्स रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट को पहली बार एक साथ पर्दे पर लाना, भंसाली की तरफ से एक और शानदार सिनेमाई धमाका होने वाला है।

फिल्म की एक झलक पाने के लिए बढ़ती एक्साइटमेंट के बीच, मेकर्स इस बात का पूरा ख्याल रख रहे हैं कि सब कुछ सख्त निगरानी में रहे, जिससे फिल्म से जुड़ी कोई भी चीज लीक न हो। अब सेट पर मोबाइल फोन ले जाने की इजाजत नहीं है। इंडस्ट्री के एक सूत्र का कहना है, सर्फ नो डिस्क्लोज़र एग्रीमेंट ही नहीं, भंसाली की लव एंड वॉर की टीम लीक रोकने के लिए एक्स्ट्रा कदम उठा रही है। सेट पर फोन अलाउड नहीं हैं और हर मेंबर को अंदर जाने से पहले अपना डिवाइस जमा करना पड़ता है। इससे सेट को देखने की उत्सुकता और भी ज्यादा बढ़ गई है।

संजय लीला भंसाली जैसे डायरेक्टर जब कमान संभालते हैं, जो अपनी बारीक कहानी, भव्य फ्रेम्स और इमोशन्स से भरी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, तो उम्मीदें अपने आप आसमान छूने लगती हैं। ऐसे में इंडस्ट्री के तीन सबसे भरोसेमंद और टैलेंटेड कलाकार जब भंसाली के शानदार डायरेक्शन के साथ मिलते हैं, तो फिल्म के स्केल और इसकी कहानी को लेकर चर्चा और भी ज्यादा बढ़नी लाजमी है।

जावेद अख्तर ने दो फिल्मों की स्क्रिप्ट लिखी, जल्द होगा फिल्म का निर्माण

बॉलीवुड के जानेमाने गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने बताया कि उनकी दो फिल्मों की स्क्रिप्ट पूरी हो गयी है,जिसपर जल्द ही फिल्में बनायी जायेगी।

जावेद अख्तर ने मंगलवार की रात राजधानी पटना में आयोजित 'किताब उत्सव' के समापन समारोह में अपनी किताब 'सीपियां' के सन्दर्भ में चर्चा की। इस किताब में जावेद अख्तर ने कबीर, तुलसी, रहीम, वृंद सहित अनेक कवियों द्वारा रचित चुनिंदा दोहों की सरल भाषा में व्याख्या की है।

जावेद अख्तर को फिल्म इंडस्ट्री में आये हुये साढ़े पांच दशक से अधिक का समय हो गया है। उन्होंने अपने सिने करियर की शुरूआत सत्तर के दशक में शुरू की। उन्होंने सलीम खान के साथ मिलकर शोले, दीवार,

जंजीर, सीता और गीता, त्रिशूल ,डॉन, क्राति, शक्ति, अंदाज और मिस्टर इंडिया समेत कई सुपरहिट फिल्मों की कहानी, पटकथा और संवाद लिखे हैं। वर्ष 1987 में प्रदर्शित फिल्म मिस्टर इंडिया के बाद सलीम-जावेद की सुपरहिट जोड़ी अलग हो गयी। इसके बाद भी जावेद अख्तर ने फिल्मों के लिये संवाद और कहानी लिखने का काम जारी रखा।जावेद अख्तर ने लंबे अरसे से किसी फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं लिखी है।

जावेद अख्तर ने बताया कि हाल ही में उन्होंने दो फिल्मों की स्क्रिप्ट लिखी है, जिसपर जल्द काम शुरू होगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2004 में प्रदर्शित उनके पुत्र फरहान अख्तर की फिल्म लक्ष्य की स्क्रिप्ट लिखने के बाद उन्होंने यह काम छोड़ दिया।उन्होंने बताया कि कोरोना काल के दौरान उन्होंने दो फिल्मों की स्क्रिप्ट पर काम शुरू किया, जो अब पूरा हो गया है। उन्होंने बताया कि वह अपने दोनों बच्चे फिल्मकार फरहान अख्तर और जोया अख्तर को इन फिल्मों की स्क्रिप्ट सुनायेंगे। यदि उन्हें ये स्क्रिप्ट पसंद आती है तो जल्द ही इस पर फिल्में बनायी जायेगी। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि यदि उनके बच्चों को स्क्रिप्ट पसंद नहीं आती है तो वे दूसरे निर्माताओं के पास जायेंगे और उन्हें उनकी स्क्रिप्ट पर फिल्म बनाने को कहेंगे।

जावेद अख्तर ने वर्ष 1981 में निर्माता-निर्देशक यश चोपड़ा की कालजयी फिल्म सिलसिला से बतौर गीतकार काम करना शुरू किया। फिल्म सिलसिला में जावेद अख्तर के गीत देखा एक ख्वाब तो सिलसिले हुये और ये कहां आ गये हम.. श्रोताओं के बीच काफी लोकप्रिय हुये। फिल्म सिलसिला में अपने गीत की सफलता के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने एक से बढ़कर एक गीत लिखकर जन जन के हृदय के तार झनझनाये। हालांकि अब जावेद अख्तर ने फिल्मीं गीत लिखने कम कर दिये हैं।

जावेद अख्तर ने बताया कि आजकल के गानों में कोई गहराई नहीं रही। उन्होंने कहा कि एक पेशे के तौर पर बतौर गीतकार उन्होंने काफ़ी काम कर लिया है। उन्होंने कहा कि आजकल की परिस्थिति उनके अनुकूल नहीं है, इसलिए भी वह फ़िल्मों से दूरी बना लेते हैं। उन्होंने चोली के पीछे क्या है और सरकाई लो खटिया जाड़ा लगे, जैसे फूहड़ गानों का जिक्र करते हुये कहा कि नब्बे के दशक में उन्हें कई बड़े बजट की फिल्मों में इस तरह के गीत लिखने के प्रस्ताव मिले, लेकिन उन्होंने इस तरह के गीत लिखने से इंकार कर दिया।

जावेद अख्तर ने कहा उन्होंने अपने करियर के दौरान कई बड़े बजट की सुपरहिट फिल्मों के लिये गीत लिखे और कई फिल्में छोड़ी भी थी। उन्होंने बताया कि फूहड़ गीतों के कारण उन्होंने कई मशहूर फिल्मकारों के लिये गीत लिखने के लिये मना कर दिया। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि उन्होंने अपने करियर में जितने भी गीत लिखे हैं, उसमें से किसी भी गीत में अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं किया गया है।

पुलकित सम्राट की 'ग्लोरी' का दमदार टीज़र रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट की वेब सीरीज़ ग्लोरी का टीज़र रिलीज हो गया है। अपने पिछले किरदारों से अलग ग्लोरी में पहली बार बॉक्सर के रूप में, नज़र आ रहे पुलकित सम्राट ने अपने ऑन-स्क्रीन इमेज में एक बड़ा बदलाव किया है।अपने रोमांटिक और कॉमिक किरदारों के लिए पहचाने जाने वाले पुलकित इस बार एक जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन के साथ सामने आए हैं। टीज़र में दर्शकों को उनकी ज़बरदस्त फिजीक के साथ सख्त ट्रेनिंग, इमोशनल पलों और दमदार बॉक्सिंग सीक्वेंसेज़ की झलक देखने को मिली है, जो संघर्ष, जज़्बे और खुद को साबित करने की कहानी की ओर इशारा करती है। पुलकित सम्राट ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, मुझे ग्लोरी की दुनिया की सचाई ने खींचा, जो कठिन और बेरहम है, लेकिन यही इसे खूबसूरत भी बनाती है। दरअसल यहां हर जीत मायने रखती है और हर कदम ज़रूरी है। रवि रिएक्ट नहीं करता, वो सब कुछ अपने अंदर समेटता है। वो बाहर से शांत है, लेकिन अंदर आग है उसके और उसका यही संतुलन, उसकी असली ताकत है। इस किरदार को निभाते हुए मुझे एहसास हुआ कि ग्रेटनेस बार-बार उठकर खड़े होने में है, फिर चाहे कितना भी दर्द क्यों न हो इसलिए चैंपियन वही बनते हैं, जो हर मुश्किल से गुजरते हैं। फिलहाल इस सफर के लिए आभारी हूं और ये तो बस एक झलक है। मोहित शाह और करण अंशुमान द्वारा निर्मित और करण अंशुमान के निर्देशन में बनी सीरीज़ ग्लोरी में पुलकित सम्राट के साथ दिव्येंदु शर्मा और सुविंदर विकी भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज एक मई 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई रोगी कल्याण समिति की बैठक में विभिन्न प्रस्ताव सर्वसहमति से हुए पारित

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता और विधायक तेंदूखेड़ा श्री विश्वनाथ सिंह पटेल की विशेष मौजूदगी में रोगी कल्याण समिति की बैठक जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में बुधवार को सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसहमति से विभिन्न प्रस्ताव पारित किए गए।

बैठक में जिला चिकित्सालय में स्थापित 2 नग लिफ्ट के रखरखाव के लिए एमएसी, लेबर रूम के लिए एक नग एयर प्यूरीफायर क्रय करने और ब्लड बैंक में संचालित उपकरणों के लिए अनुमानित 2 लाख रुपये की लागत से 50 केव्हीए का स्टेबलाइजर क्रय करने के लिए प्रस्ताव अनुमोदित किए गए। इसी प्रकार बैठक में जिला चिकित्सालय के वार्डों के लिए 4 नग मल्टी पैरामीटर मॉनिटर क्रय करने, मॉर्चुरी एवं पीएम हाउस का अपग्रेडेशन कराए जाने, एक नग पुराने डीप फ्रीजर की रिपेयरिंग व 2 लाख रुपये की अनुमानित लागत के नया एक नग डीप फ्रीजर क्रय करने और विभिन्न वार्डों के लिए 15 नग कूलर व 30 नग पंखे क्रय किए जाने के लिए प्रस्ताव अनुमोदित किए गए। राज्य मद से आवंटन प्राप्त न होने पर आयुष्मान मद से रोगी कल्याण समिति के माध्यम से आवश्यकता अनुसार स्टेशनरी सामग्री प्रतिमाह लगभग 70 रुपये तक की सीमा में क्रय करने के लिए अनुमोदित किया गया। जिला चिकित्सालय के शॉपिंग कॉम्पलेक्स की दुकान नंबर 3 श्री विजय कुमार नेमा और शॉपिंग कॉम्पलेक्स की दुकान नंबर 4 कु. नेहा जैन के द्वारा मासिक किराया जमा नहीं किया जा रहा है। इस पर अनेकों बार संबंधित को नोटिस जारी करने के बाद भी बकाया किराया राशि जमा नहीं की जा रही है।

इस पर कलेक्टर ने अनुविभागीय राजस्व अधिकारी नरसिंहपुर के माध्यम से दुकान को रिक्त कराए जाने के निर्देश दिए। बैठक में माह अक्टूबर 2025 से माह मार्च 2026 तक का आय-व्यय अनुमोदित किया गया। साथ ही जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर परिसर में 10 बिस्तरीय नशामुक्ति केन्द्र स्थापित किए जाने के लिए स्थल चयन करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ. राजकुमार चौधरी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जीपी भनारिया, डॉ. राहुल नेमा, डॉ. प्रियंका नेमा, डॉ. स्वाति मीणा, समाज सेवी श्री राकेश जैन, दानदाता श्री सौरभ शंकर दुबे सहित अन्य चिकित्सा अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के उम्मीदवारों के लिए विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग नरसिंहपुर ने बताया कि मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किए जाते हैं। विदेश में उच्च शिक्षा यथा शोध उपाधि उपरांत अध्ययन, पीएचडी एवं स्नातकोत्तर करने के लिए चयनित अभ्यर्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र का प्रारूप एवं विस्तृत जानकारी जनजातीय कार्य विभाग की पर उपलब्ध है। योजनांतर्गत अभ्यर्थियों का चयन वर्तमान प्रचलित योजना नियमों में प्रावधान अनुसार किया जाएगा।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के विरुद्ध कार्यवाही

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। बाजार, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, पार्क आदि स्थानों पर सघन चेकिंगजिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देश पर नरसिंहपुर पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने एवं हुड़दंग करने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया।सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने एवं शराब पीकर वाहन चलाने वालें 265 व्यक्तियों के विरुद्ध नरसिंहपुर पुलिस की कार्यवाही =* अभियान के दौरान विगत दो दिनों में पुलिस टीमों द्वारा विभिन्न सार्वजनिक स्थानोंकृजैसे बाजार क्षेत्र, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, पार्क एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले स्थानोंकृपर सघन चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन करते पाए जाने पर लगभग 215 व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई है। इसी प्रकार शराब पीकर वाहन चलाते पाए जाने पर लगभग 50 व्यक्तियों के विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है। कार्यवाही के तहत आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्यवाही की गई।

साथ ही संबंधित व्यक्तियों को भविष्य में इस प्रकार के कृत्य न करने की सख्त हिदायत दी गई पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन न करें एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्यवाही जारी रहेगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम ढाना की ऊमर नदी में शुरू हुआ गहरीकरण का कार्य

जल स्रोत सेवा समागम कार्यक्रम के तहत ग्रामवासियों को बताया जल का महत्व

नरसिंहपुर (स्वतंत्रमत)।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विकासखंड चीचली के ग्राम ढाना में जल स्रोत समागम कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही ऊमर नदी के गहरीकरण का कार्य शुरू हुआ। इससे जल संरक्षण व भू-जल स्तर में बढ़ोत्तरी होगी। सभी ग्रामीणों को जल संरक्षण करने व जल स्त्रोतों को सहेजने की शपथ दिलाई। जल स्रोत समागम कार्यक्रम के तहत जल सुरक्षा एवं वर्षा जल संग्रहण के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही सुरक्षित जल- समृद्ध कल के संकल्प के साथ ग्रामवासियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान विकासखंड समन्वयक सुश्री स्मिता दांडे, नवांकुर संस्था हरदौल जन सेवा समिति बसुरिया के अध्यक्ष श्री रामकृष्ण राजपूत एवं सचिव श्री रामेश्वर वर्मा, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भमका, परामर्शदाता, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ढाना सहित ग्रामवासी मौजूद थे।

ग्राम देवनगर पुराना में जल मंदिर-प्याऊ का हुआ शुभारंभ

नरसिंहपुर (स्वतंत्रमत)।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विकासखंड गोटेगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम देवनगर पुराना में जल मंदिर-प्याऊ का शुभारंभ कर सभी ने जल संरक्षण व संवर्धन की शपथ ली। यह जल मंदिर मप्र जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था वंदना आदर्श शिक्षा समिति देवनगर पुराना द्वारा शुभारंभ किया गया। इससे ग्रीष्मकाल में राहगीरों व स्थानीय नागरिकों को शुद्ध एवं शीतल पेयजल सहजता से उपलब्ध होगा। मौजूद सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाएंगे और इस अभियान में जन-जन को शामिल कर जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में कार्य करेंगे।

जिले के ग्राम बोहानी में गन्ना अनुसंधान केन्द्र के प्रशासनिक भवन का लोकार्पण हुआ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर में आयोजित कृषि मंथन कार्यक्रम में किया लोकार्पण

नरसिंहपुर (स्वतंत्रमत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर में आयोजित नवाचार पर केन्द्रित कृषि मंथन कार्यक्रम बुधवार को सम्पन्न हुआ। उन्होंने जिले के ग्राम बोहानी में गन्ना अनुसंधान केन्द्र के 1.11 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित प्रशासनिक भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर तेंदूखेड़ा विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य में लोकार्पण समारोह एवं जिला स्तरीय किसान सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन और राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के साथ हुआ। ग्राम बोहानी में आयोजित कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर में आयोजित नवाचार पर केन्द्रित कृषि मंथन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें मौजूद अतिथियों, किसानों और नागरिकों ने देखा एवं सुन विधायक श्री पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह अवसर अत्यंत गौरव और हर्ष का क्षण है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा गन्ना

ग्राम बोहानी में विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ कार्यक्रम

अनुसंधान केंद्र बोहानी के प्रशासनिक भवन का लोकार्पण हम सभी के लिए एक बड़ी सौगात है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया। विधायक श्री पटेल ने कहा कि यह केवल एक भवन नहीं है, बल्कि किसान भाइयों के उज्जवल भविष्य का आधार है। गन्ना अनुसंधान केंद्र के माध्यम से किसानों को उन्नत बीज, नई तकनीक और वैज्ञानिक मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे उनकी फसल की पैदावार बढ़ेगी और आय में वृद्धि होगी। इससे न केवल हमारे क्षेत्र की कृषि मजबूत होगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

सरकार निरंतर किसानों के हित में कार्य कर रही है और गांव, गरीब व किसान को सशक्त बनाने का कार्य कर रही है। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री भैयाराम पटेल, जिला पंचायत सदस्य श्री धनंजय पटेल, श्री राव वीरेंद्र सिंह, श्री रमाकांत शर्मा, श्री शिवदयाल खेरोनिया, श्री राहुल कौरव, श्री रामकुमार ठाकुर, श्री हरिप्रताप ममार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, एसडीएम गाडरवारा श्रीमती कलावती व्यारे, अन्य अधिकारी, किसान और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

कलेक्टर रजनी सिंह ने जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बुधवार को जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर की व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लेबर रूम, मेटरनिटी वार्ड, चाइल्ड वार्ड, पीएनसी वार्ड एवं ब्लड बैंक का निरीक्षण किया। साथ ही अस्पताल परिसर में चल रहे रैन बसेरा भवन निर्माण कार्य, पार्किंग व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि रैन बसेरा के भवन के निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करें, ताकि जिला चिकित्सालय में आने वाले मरीजों के परिजनों को रूकने की सुविधा उपलब्ध हो सके। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ. आर.के. चौधरी, आरएमओ डॉ. राहुल नेमा, डॉ. ऋचा मिश्रा, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. स्वाति मीणा, पैथोलॉजिस्ट डॉ. प्रियंका नेमा, डॉ. राजेन्द्र डेहरिया सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से सीधे संवाद कर उन्हें मिल रहे उपचार व सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों से भोजन की गुणवत्ता, चिकित्सकीय परामर्श, दवाईयां, डॉक्टर के द्वारा वार्डों में भर्ती मरीजों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, स्टाफ के व्यवहार आदि के संबंध में जानकारी ली। मरीजों द्वारा व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया।

कलेक्टर ने बाल विवाह रोकने के लिए जिले के प्रत्येक विकासखंड स्तर पर उड़नदस्ता दलों का किया गठन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

जिले में होने वाले बाल विवाह को रोकने के लिए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों के तहत कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिले की प्रत्येक विकासखंड स्तर पर उड़नदस्ता दलों का गठन करने का आदेश जारी किया है।

कलेक्टर के द्वारा जारी आदेश के मुताबिक उड़ददस्ता दल के जिले की समस्त विकासखंड के संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारी अध्यक्ष होंगे। उक्त दल में संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, सीईओ जनपद, चिकित्सा एवं शिक्षा अधिकारी, संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी और सेक्टर पर्यवेक्षक को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि उक्त दल अपने-अपने ब्लॉक/क्षेत्राधिकार के अंतर्गत होने वाले सामूहिक विवाहों में वर-वधुओं की आयु के संबंध में जन्म प्रमाण पत्र या स्कूल की मार्कशीट का अवलोकन करेंगे। किसी भी परिस्थिति में बालक/वर की आयु 21 वर्ष से कम और बालिका/वधु की आयु 18 वर्ष से कम न हो। बालक-बालिका की आयु कम पाए जाने पर दल बाल विवाह रोकने का प्रयास करेंगे अन्यथा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्यवाही करेंगे। अक्षय तृतीया 20 अप्रैल 2026, देवउठनी ग्यास व वर्ष की अन्य तिथियों में बाल विवाह की शिकायत पाए जाने पर विवाह स्थल पर जाकर बालक/वर-बालिका/वधु की आयु पूर्ण नहीं होना पाए जाने पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत नियमानुसार कार्यवाही करेंगे। उड़नदस्ता दलों द्वारा यदि उनके क्षेत्राधिकार में कोई बाल विवाह का प्रकरण पाया जाता है, तो बाल विवाह करने वाले, बाल विवाह को प्रोत्साहित करने वाले जैसे रसोईया, धर्मगुरू, टेंट हाउस, कार्ड/पत्रिका छापने वाले, ब्यूटी पार्लर, मैरिज गार्डन एवं अन्य के विरूद्ध बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अनुसार कार्यवाही करेंगे। क्षेत्र में अनुविभागीय राजस्व अधिकारी सामूहिक विवाह आयोजन की अनुमति इस शर्त पर देंगे कि उक्त आयोजन में वर की आयु 21 वर्ष और वधु की आयु 18 वर्ष से कम न हो।

बच्चों ने दिखाया छठी इंद्री का चमत्कार

हटा (स्वतंत्र मत)। स्थानीय बैजनाथ धाम परिसर में आयोजित आर्ट ऑफ लिविंग के चार दिवसीय अंतः प्रज्ञा इनट्यूशन प्रोग्राम का रविवार को हैरतअंगेज समापन हुआ। श्री श्री रविशंकर की संस्था द्वारा आयोजित इस अनूठे कोर्स में बच्चों ने अपनी छठी इंद्री सिक्स सेंस को जागृत कर वहां मौजूद जनसमूह को दांतों तले उंगलियां दबाने पर मजबूर कर दिया। कोर्स के वरिष्ठ प्रशिक्षक प्रवीण भैया के मार्गदर्शन में 5 से 18 वर्ष के बच्चों ने अपनी आंखों पर गहरी पट्टी बांधी, इसके बावजूद उन्होंने न केवल किताबें पढ़ी बल्कि रंगों को पहचाना और विभिन्न गेम भी खेले। यह देख अभिभावक स्तब्ध रह गए कि बिना देखे बच्चे बाहरी वस्तुओं को इतनी सटीकता से कैसे महसूस कर पा रहे हैं। सेवा और समर्पण ही प्रत्येक नेक कार्य के पीछे होता है जैसा कि इस सफल आयोजन में सहयोग आशुतोष सुहाने, राजबहादुर पटेल, उदयभान पटेल और गौरव सिंघई की विशेष सेवा सहभागिता रही। आयोजकों ने बताया कि इस कोर्स का मुख्य उद्देश्य बच्चों की एकाग्रता, स्मरण शक्ति, आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ाना है।

पवन पटेल पर हमले से आक्रोश एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। भाजपा नेता पवन पटेल पर हुए - जानलेवा हमले को लेकर सर्वसमाज के लोग, - किसान संगठनों, सामाजिक - संस्थाओं और श्रमिक संगठनों ने एकजुट होकर शक्ति धाम में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद एसडीएम कार्यालय पहुंचकर प्रशासन को अलग-अलग ज्ञापन - सौंपे। प्रदर्शनकारियों ने सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, कथित साजिशकर्ताओं पर कार्रवाई तथा क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन की - निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए - प्रशासन को 7 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। - प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि यह केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, - बल्कि समाज की आवाज दबाने - का प्रयास है।

वक्ताओं ने पवन पटेल पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि जो लोग समाज और किसानों के हित में आवाज उठा रहे हैं, उन्हीं को निशाना बनाया जा रहा है। यदि समय रहते दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आम नागरिकों की सुरक्षा पर संकट और गहरा जाएगा। प्रदर्शन के बाद भारी जनसमूह एसडीएम कार्यालय पहुंचा, जहां एसडीएम कलावती ब्यारे को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

मुख्य आरोपी अब भी फरार

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि थाना पलोहा में अपराध क्रमांक 36/2026 दर्ज होने के बावजूद अब तक केवल दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। संगठनों ने कहा कि जब तक साजिश में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक न्याय अधूरा रहेगा।

अवैध रेत उत्खनन का मुद्दा भी गरमाया

मामले ने अब अवैध रेत उत्खनन के मुद्दे को भी हवा दे दी है। विभिन्न किसान और सामाजिक संगठनों ने आरोप लगाया कि गाडरवारा एवं साईखेड़ा क्षेत्र में लंबे समय से सीमा से बाहर रेत उत्खनन और अवैध भंडारण जारी है। ज्ञापन में मांग की गई कि अवैध रेत स्टॉक जब्त किया जाए और दोषियों के खिलाफ राजस्व एवं आपराधिक कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन में पूर्व विधायक भैयाराम पटेल, दीनदयाल ढिमोले, सुरेंद्र पटेल मंझले भैया, गौतम पटेल, राव पवन सिंह ,जिनेश जैन, रविशेखर जायसवाल, शैलेश सिंह, आनंद राजपूत, एडवोकेट जगदीश पटेल, राजेंद्र सिंह, किसान नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

एनटीपीसी में संचालित फ्लाई एश के वाहनों की हुई जांच

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिला परिहवन अधिकारी और उनकी टीम के द्वारा एनटीपीसी गाडरवारा में संचालित फ्लाई एश के वाहनों की जांच बुधवार को की गई। वाहनों की जांच के दौरान 4 वाहन असुरक्षित परिवहन करते पाए गए। मौके पर ही इन वाहनों पर 17 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही एक बस वाहन क्रमांक एमपी 20 पीए 0797 बिना परमिट के संचालित होने पर 25 हजार 600 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस प्रकार उक्त सभी वाहनों पर कुल 42 हजार 600 रुपये का जुर्माना लगाया गया। यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

चित्रगुप्त प्रकटोत्सव पर निकलेगी बाइक रैली, सायंकाल होगा सम्मान समारोह

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

कायस्थ समाज द्वारा आगामी 23 अप्रेल को समाज के आराध्य भगवान चित्रगुप्त का प्रकटोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इसे लेकर गत दिवस टेलीफोन एक्सचेंज के पास अरुण श्रीवास्तव के आवास पर समाज संगठन की बैठक संपन्न हुई। जिसमें सर्वसम्मति से इस वर्ष अनेक कार्यक्रमों के साथ चित्रगुप्त प्रकटोत्सव मनाने की रूपरेखा बनाई गई। जिसमें तय किया गया कि जयंती दिवस पर गंगा सप्तमी, 23 अप्रेल, गुरुवार को सुबह नौ बजे छिड़ावघाट नदी मोहल्ला स्थित चित्रगुप्त मंदिर से समाज के लोगों की बाइक रैली निकाली जाएगी। जो नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए वापस मंदिर पहुंचेगी और पूजन-

अर्चन, आरती के बाद प्रसादी वितरण होगा। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में श्रीकुटी गार्डन नए कॉलेज के सामने सांय चार बजे से पूजन-अर्चन उपरांत अनेक कार्यक्रम किए जाएंगे। जिसमें प्रमुख रूप से समाज के शतायु लोगों का सम्मान, शासकीय सेवा में उल्लेखनीय सफलता, 90 प्रतिशत और अधिक अंकों से उत्तीर्ण प्रतिभावान बच्चों का सम्मान आदि किए जाएंगे। कार्यक्रम आयोजित करने युवाओं की टीम गठित की गई। जिसमें संदीप श्रीवास्तव, दिनेश श्रीवास्तव, प्रशांत श्रीवास्तव, सचिन श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, दिलीप श्रीवास्तव आदि को रखा गया। बैठक में सामाजिक एकता और अन्य समाज हित के विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक में अध्यक्ष विनोद श्रीवास्तव, कुशलेन्द्र श्रीवास्तव, पवन श्रीवास्तव, राजकुमार श्रीवास्तव, बृजमोहन श्रीवास्तव, आशीष सक्सेना, अरुण श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, संदीप खरे, शिवकुमार श्रीवास्तव, कुलदीप श्रीवास्तव आदि सहित कामिनी निगम मनोरमा श्रीवास्तव, अभिलाषा श्रीवास्तव, मोनिका खरे और समाज के युवा उपस्थित रहे। आगामी साप्ताहिक बैठक में तैयारियों की समीक्षा की जाएगी।

नरसिंह मंदिर प्रांगण में गूंजे सुर, पुलिस बैंड दल की मनमोहक प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध हुए नगरवासी

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

विगत रात्रि को नरसिंह मंदिर प्रांगण में मध्यप्रदेश पुलिस बैंड दल द्वारा एक आकर्षक एवं मनमोहक प्रस्तुति दी गई, कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना, अति. पुलिस अधीक्षक, श्री संदीप भूरिया, रक्षित निरीक्षक, श्रीमति मनोरमा बघेल एवं बड़ी संख्या में नगरवासी एवं पत्रकारगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बैंड दल द्वारा देशभक्ति गीतों एवं लोकप्रिय धुनों की प्रस्तुति दी गई, जिससे पूरा वातावरण उत्साह एवं उल्लास से भर गया। उपस्थित जनसमूह बैंड की सुमधुर धुनों पर मंत्रमुग्ध हो गया तथा कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। पुलिस बैंड दल की अनुशासित, समन्वित एवं उत्कृष्ट प्रस्तुति की सभी ने सराहना की। इस आयोजन के माध्यम से पुलिस एवं आमजन के बीच आपसी संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने का सकारात्मक संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना विभाग द्वारा सभी उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य- पुलिस एवं आमजन के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करना। नागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास एवं सहयोग की भावना बढ़ाना। सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से सकारात्मक माहौल का निर्माण। समाज में शांति, सौहार्द एवं अनुशासन का संदेश देना। युवाओं को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना। आरक्षक (बैण्ड) भर्ती वर्ष 2026 के अंतर्गत कुल 679 पदों पर सीधी भर्ती हेतु इच्छुक व्यक्तियों को प्रोत्साहित करना।

कलेक्टर ने किया औद्योगिक इकाइयों का औचक निरीक्षण

कलेक्टर ने औद्योगिक इकाइयों के संचालकों से उत्पादों के निर्यात

रोजगार नियोजन के संबंध में जानकारी ली

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की पहल के तहत कलेक्टर आशीष तिवारी ने बुधवार को कटनी की प्रमुख औद्योगिक इकाइयों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने उत्पादन क्षमता, रोजगार सृजन, तकनीकी उन्नयन के संबंध में जानकारी लिया और सुरक्षा मानकों का बारीकी से निरीक्षण किया तथा इकाई संचालकों से निर्यात की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा किया। निरीक्षण के दौरान जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक ज्योति सिंह चौहान एवं प्रबंधक राजेश पटेल भी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जिले के उद्योग केवल उत्पादन तक सीमित न रहें, बल्कि गुणवत्ता और ब्रांडिंग के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी पहचान बनाएं।

स्थानीय से वैश्विक की ओर कदम– कलेक्टर के भ्रमण की शुरुआत ग्राम इमलिया स्थित मेसर्स राधे ट्रेडर्स से हुई। नमकीन और प्राइम्स उत्पादों के निर्माण में संलग्न इस इकाई में लगभग 2.50 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है और यह वर्तमान में 15 लोगों को रोजगार प्रदान कर रही है। कलेक्टर ने इकाई के विक्रय नेटवर्क, कच्चे माल की उपलब्धता और उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने सुझाव दिया कि स्थानीय मंडियों से कच्चे माल की खरीदी को प्राथमिकता दी जाए, जिससे स्थानीय किसानों और व्यापारियों को भी लाभ मिल सके। साथ ही खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन और अग्निशामक यंत्रों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एमएसएमई प्रोत्साहन योजना 2025 के तहत 40 प्रतिशत अनुदान प्राप्त करने वाली इस इकाई द्वारा अपनाई गई आधुनिक तकनीकों की कलेक्टर ने सराहना की।

महिला सशक्तिकरण और निर्यात की मिसाल– इसके पश्चात कलेक्टर ने ग्राम पड़ुआ स्थित मेसर्स सुखसागर फूड प्राइवेट लिमिटेड का निरीक्षण किया। लगभग 4 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित यह आधुनिक राइस मिल तकनीकी उन्नयन का उत्कृष्ट उदाहरण है। विशेष बात यह है कि यह एक महिला संचालित इकाई है, जिसने एमएसएमई योजना के तहत 48 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्राप्त की है और वर्तमान में 24 लोगों को रोजगार दे रही है। यहां उत्पादित पराबोइल्ड राइस और सीएमआर राइस का निर्यात संयुक्त राज्य अमेरिका, खाड़ी देशों और अफ्रीका तक किया जा रहा है, जो कटनी के उद्योगों के वैश्विक विस्तार का संकेत है। कलेक्टर ने उत्पादन प्रक्रिया का अवलोकन करते हुए निर्यात प्रणाली और अंतरराष्ट्रीय बाजार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही इकाई में स्थापित सोलर प्लांट को लेकर भी उन्होंने जानकारी ली और इसे लागत में कमी तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कलेक्टर ने उद्योग संचालकों से राज्य की औद्योगिक नीति के संबंध में भी चर्चा किया।

ग्रामीण पर्यटन को मिल रहा बढ़ावा फ्रांस से पहुंचे विदेशी मेहमान

कटनी जिले के खितौली और कोनिया गांव में होमस्टे का आनंद उठाये विदेशी पर्यटक

कटनी (स्वतंत्रमत)

मानव जीवन विकास समिति सचिव निर्भय सिंह के नेतृत्व में संचालित मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की महत्वकांक्षी योजना ग्रामीण पर्यटन को मिल रहा बढ़ावा। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने गांव में होमस्टे का निर्माण कर रंग रोगन कर आकर्षक बनाया जा रहा है। गांव में होमस्टे डेवलप कर अतिथियों को आवास सुविधा उपलब्ध कराते हुए ग्रामीण संस्कृति और कल्चर से रूबरू कराने के साथ साथ आसपास के टूरिस्ट जगह का भ्रमण कराना शामिल है। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने फ्रांस से 4 विदेशी मेहमान ग्वेन्डोलिन डेलेपियरे (महिला), माएल एरिक कोकॉल्ट (पुरुष), आर्मेल यवोन मैरी जोसेफ लेटोर्ट (महिला), यवेस थिएरी फिलिप कोकॉल्ट (पुरुष) भारत भ्रमण के दौरान मध्यप्रदेश के कटनी जिले के खितौली और कोनिया गांव में तथा उमरिया जिले के दमना और मरईकला गांव में तैयार होमस्टे में रुके जहाँ ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया और होमस्टे में रुकवाया गया जहाँ पर ग्रामीण पर्यटन से जुडी विभिन्न गतिविधियों में शामिल होकर पर्यटक आनंद लिया। होमस्टे का विजिट कर होमस्टे कंसेप्ट को समझा। होमस्टे में विजिटर स्वागत के आनंदित हुए विदेशी मेहमान। लॉज और होटल से अच्छा है होमस्टे में रुकना। होमस्टे में रुकने से ग्रामीण परिवेश का आनंद मिलता है। होमस्टे में रुकने से देशी व्यंजनों का स्वाद ले पाए। होमस्टे में रुकने से ग्रामीण रहन सहन और देशी खान पान का आनंद मिलता है। होमस्टे में रुकने से ग्रामीण वेश-भूसा पहनावे का भी आनंद ले पाते है। होमस्टे में रुकने से बैलगाड़ी की सवारी भी किये जो अद्भुत नजारा था। ग्रामीण हस्तकला बांस शिल्प, मिट्टी शिल्प, मेहंदी कला का आनंद लिया। गांव के आसपास ग्रामीण पर्यटन से जुड़े पुराने तालाब, डेम, मंदिर, घने जंगल का भी आनंद लिया। ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक पर्यटक गतिविधियों से आनंदित हुए विदेशी पर्यटक। ऐतिहासिक किला बांधवगढ़, ताला म्यूजियम, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, कुठुलिया जोहिला फाल, दशरथ संगम घाट पहुंचकर ऐतिहासिक पर्यटन को जान पाए।

सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ जिला समिति का निर्वाचन निर्विरोध सम्पन्न, अनिल चौबे बने अध्यक्ष

कटनी (स्वतंत्रमत)

सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ जिला समिति कटनी का वार्षिक निर्वाचन 6 अप्रैल को पूर्ण रूप से निर्विरोध सम्पन्न हो गया। निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण वातावरण में पूरी हुई। निर्वाचन में इंजीनियर अनिल चौबे को अध्यक्ष, इंजीनियर संजीव कुमार खर्द को सचिव तथा इंजीनियर पी.के. खरे को कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया। निर्वाचन अधिकारी इंजीनियर एस.आर. बिलथरिया तथा इंजीनियर सी.एस. दवे द्वारा सम्पूर्ण निर्वाचन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष इंजीनियर आर.पी. चौबे, क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष इंजीनियर डी.के. साहू तथा कटनी जिला के सभी सम्मानीय सदस्य उपस्थित रहे और उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी तथा संघ की भावी गतिविधियों में सक्रिय सहयोग का आश्वासन दिया। निर्वाचन के निर्विरोध सम्पन्न होने पर सभी सदस्यों ने खुशी व्यक्त की और संघ की एकता तथा मजबूती पर संतोष जताया। नवनिर्वाचित पदाधिकारी संघ के सदस्यों के हितों की रक्षा तथा सेवानिवृत्त इंजीनियर्स की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प लिया। यह निर्वाचन संघ की लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत करने वाला साबित हुआ।

ग्रेस मिशन स्कूल में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता रैली का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)

7 अप्रैल को ग्रेस मिशन इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, स्लीमनाबाद में विश्व स्वास्थ्य दिवस बड़े उत्साह एवं जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्राचार्य जी.आर. भारद्वाज के मार्गदर्शन में हुई। सर्वप्रथम व्यायाम शिक्षक शुभ द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के व्यायाम कराए गए, जिससे बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इसके पश्चात विद्यालय द्वारा एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जो स्लीमनाबाद तिराहे से प्रारंभ होकर स्लीमनाबाद पुलिस स्टेशन पर समाप्त हुई। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य संबंधी नारे लगाकर लोगों को जागरूक किया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के उप-प्राचार्य ललित चौरसिया तथा शिक्षकगण योगेश कुमार दुबे, अभिनव चौबे, आकाश मेहरा, नीतू सिंह सहित अन्य स्टाफ सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया। रैली में विद्यार्थियों का उत्साह देखने योग्य था। बच्चों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया और कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया।

गहोई महिला एकता मंडल द्वारा निःशुल्क प्याऊ सेवा का का शुभारंभ

कटनी (स्वतंत्रमत)

बैशाख मास के पावन अवसर पर श्री गहोई महिला एकता मंडल द्वारा निःशुल्क प्याऊ सेवा का का शुभारंभ 4 अप्रैल को श्री बजरंग बाल रामायण समाज भवन रघुनाथगंज में किया गया। इस पुनीत कार्य का शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष दीपक सोनी टंडन एवं गहोई समाज के सरपंच हजारीलाल नौगरिया के कर कमल द्वारा किया गया। जिसमें समाज की सभी संस्थाओं श्री गहोई वैश्य पंचायती भवन ट्रस्ट कमेटी, विकास मंडल, नवयुवक मंडल, वरिष्ठ संघ, जागृति समिति, गहोई महिला समिति, रामायण मंडल, मनन संस्था, उन्नति संस्था, वनिता समिति सभी संस्थाओं के पदाधिकारिओ ने सहभागिता निभाई, इस अवसर पर राहगीरों को शीतल जल के साथ-साथ गुड़ चना व प्रसाद का वितरण भी किया गया। प्याऊ की व्यवस्था बनाने में बजरंग बाल रामायण समाज से नरेंद्र खंताल की अहम भूमिका रही, कार्यक्रम को सफल बनाने में एकता मंडल के सभी सदस्यों सक्रिय योगदान रहा।

अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के द्वारा गैस एजेंसियों का निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)

अप्रैल को अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशंकर शुक्ला के निर्देशानुसार कटनी की गैस एजेंसियों पर जाकर निरीक्षण किया जिसमें एचपी गुप्ता गैस एजेंसी में पहुंचकर पर निरीक्षण किया वहां पर सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चलरही सिलेंडर की गाड़ी आने पर सिलेंडर बाकायदा सभी को दिया जा रहा है जनता से बात की गई तो उनका कहना है कि ओटीपी के 24 घंटे बाद सिलेंडर दिया जा रहा है भारत गैस एजेंसी में भी निरीक्षण किया गया वहां पर केवाईसी में आ रही लोगों को प्रॉब्लम पर बात कर लोगों की केवाईसी कराई दूर गांव से आए हुए लोगों को सिलेंडर मिलने पर दिक्कत हो रही थी वहां पर भी उपभोक्ता की टीम ने समस्या का हल कराया गया कि जो ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं पहले उनको सिलेंडर दिया जाए इंडियन गैस एजेंसी में जाकर निरीक्षण किया गया वहां पर भी यही समस्या थी तीनों एजेंसी में वहां पर बोला गया कि लोगों को भटकते है तो एक आप एजेंसी के बाहर एक चार्ट लगाया जाए जिसमें केवाईसी कब कराई जाए केवाईसी में क्या डॉक्यूमेंट लगते हैं ओटीपी आने के कितने समय बाद आपको सिलेंडर मिल सकता है ट्रांसफर में क्या डॉक्यूमेंट लगते सकते हैं उनको एजेंसी में बताया गया कि चार्ट से जनता परेशान ना हो एजेंसीके वर्कर लोग सही सलाह नहीं देते तो जनता परेशान होती है उपभोक्ता की टीम के द्वारा कहा गया कि आप चार्ट लगाइए जिसमें ना आप परेशान हो, ना जनता परेशान होगी सभी कार्य स्वचार रूप से चलते रहेंगे गैस एजेंसी निरीक्षण में जिला अध्यक्ष महिला इकाई प्रीति सेन, प्रिया श्रीवास्तव, आशा सुहाने, अलका अग्रवाल, शीतल पांडे, नीता बिचपुरिया, यूथ बीग, अध्यक्ष अमन सुहाने उपस्थित रहे।

ऑपरेशन शिकंजा के तहत कटनी पुलिस की 43 अवैध शराब विक्रेताओं पर कार्रवाई

लगभग 75 हजार मूल्य की 86 लीटर अवैध देशी/विदेशी एवं कच्ची शराब जब्त

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कटनी पुलिस द्वारा संचालित विशेष अभियान ऑपरेशन शिकंजा के अंतर्गत बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन अभियान चलाते हुए 43 प्रकरणों में कुल 43 अवैध शराब विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से लगभग 75,000/- रुपये मूल्य के 37 लीटर अवैध देशी/विदेशी शराब एवं 49 लीटर कच्ची शराब को जप्त किया गया है। उक्त कार्रवाई में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। कटनी पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि यदि कहीं भी अवैध शराब के निर्माण या विक्रय की सूचना हो, तो तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 7587615946 पर सूचित करें। सूचना देने वाले का नाम पूर्णतः गोपनीय रखा जाएगा।

अप्रैल में बदला मौसम: कटनी सहित कई जिलों में आंधी बारिश का अलर्ट

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश में अप्रैल माह में ही प्री-मानसून जैसे हालात बन गए हैं। प्रदेश का मौसम अचानक बदल गया है और कई इलाकों में आंधी-बारिश का दौर शुरू हो गया है। तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय होने के कारण मौसम में यह बदलाव देखा जा रहा है। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार प्रदेश के छतरपुर, टीकमगढ़, दतिया और निवाड़ी जिलों में ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। इसे लेकर मौसम विभाग भोपाल ने अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मध्यप्रदेश के ऊपरी हिस्से में सक्रिय मौसम प्रणालियों के चलते तेज हवाओं के साथ बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। कटनी सहित ग्वालियर, शहडोल, मुरैना, भिंड, सतना, पन्ना, मैहर, मऊगंज, रीवा, सिंगरौली, सीधी, अनूपपुर और उमरिया जिलों में बारिश एवं तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने नागरिकों को खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है।

शराब के लिये पैसा मांगना पड़ा भारी बड़वारा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के व्दारा अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु शराब पीने के लिये पैसा मांगने वालो पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया एवं डीएसपी मुख्यालय रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में ग्राम बिलायतखुर्द में आरोपी को शराब के लिये पैसा मांगने पर गिरफ्तार किया गया है। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि 29 मार्च को फरियादिया मोनिका गोस्वामी पति शुभम गिरी गोस्वामी उम्र 22 साल निवासी ग्राम बिलायतखुर्द की रिपोर्ट लेख कराई कि मै ग्राम विलायतखुर्द मे रहती हूँ घरू काम करती हूँ। कक्षा 10 वी तक पढी लिखी हूँ मेरे पति करीब 01 माह पहले बाहर काम करने चले गये है। 29 मार्च की सुबह सुबह मेरी सास मीना बाई एवं ससुर सुभाष गिरी घर के पीछे तरफ खेत मे काम करने चले गये थे सुबह करीब 8 बजे की बात है मै अपने घर के आँगन मे पानी भर रही थी तभी गाँव का अमित गोस्वामी आया और मुझसे शराब पीने के लिए पैसे माँग रहा था तब मैने कहा कि यहा से चले जाओ घर मे अभी कोई नही है। तब अमित गोस्वामी मुझे माँ बहन की गन्दी गन्दी गालियाँ देने लगा मैने गाली देने से मना की तो कहने लगा कि यदि आज शराब पीने के लिए मुझे पैसा नही दोगी तो तुमको जान से खत्म कर दूँगा तब मै दौड कर अपने खेत तरफ जा कर अपने सास मीना बाई को घटना की बात बताई हूँ अमित गोस्वामी भी मेरे पीछे पीछे दौड कर आ रहा था वही खेत मे काम कर रहे लल्लू गोस्वामी एवं राजाराम गिरी ने देखे सुने है तब अमित गोस्वामी अपने घर तरफ भाग गया था रिपोर्ट करती हूँ कार्यवाही की जावे। पर अपराध क्र. 187/26 धारा 296(बी), 351(2), 119(1), 333 बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना की गई दौरान विवेचना आरोपी घटना दिनांक से फरार हो गया था जिसकी पता साजी की जाकर 08 अप्रैल को आरोपी अमित गिरी गोस्वामी पिता रमेश गिरी गोस्वामी उम्र 24 साल निवासी ग्राम बिलायतखुर्द थाना बड़वारा को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है।

केकेआर पहली जीत की तलाश में

एलएसजी एक मज़बूत और लय में चल रही टीम के साथ आगे बढ़ना चाहेगा

कोलकाता (वार्ता)

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सीज़न में कोलकाता नाइट राइडर्स की पहली जीत की तलाश तब सबकी नजरों का केंद्र होगी, जब वे गुरुवार को ईडन गार्डन्स में लखनऊ सुपर जायंट्स की मेजबानी करेंगे। यह मुकाबला दोनों टीमों की अलग-अलग फॉर्म, खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन और बढ़ते दबाव के बीच खेला जाएगा। कोलकाता और लखनऊ के बीच होने वाला यह मैच अब एक ऐसी कहानी बन गया है, जिसमें एक संघर्षरत टीम अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश कर रही है, जबकि दूसरी टीम आईपीएल में ज़्यादा संतुलित और लय में नज़र आ रही है।

केकेआर के लिए, इस कहानी की मुख्य बातें हैं

जल्दबाज़ी और टीम के सभी 11 खिलाड़ियों के प्रदर्शन में लगातार उतार-चढ़ाव। बल्लेबाज़ी की शुरुआत में, अजिंक्य रहाणे ने सीजन की शुरुआत में 40 गेंदों पर 67 रन बनाकर उम्मीद जगाई थी, लेकिन उसके बाद खेली गई पारियों में उनका स्कोर गिरकर 6 गेंदों पर 8 और 16 रन रह गया है। फिन एलन ने एक मैच में 7 गेंदों पर 28 रन बनाकर अपनी विस्फोटक बल्लेबाज़ी की झलक दिखाई थी और उनका स्ट्राइक रेट भी काफी अच्छा है, भले ही अन्य मैचों में उनका कुल स्कोर 6 और 28 रन ही रहा हो। अंगकृष रघुवंशी टीम के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज़ रहे हैं; उन्होंने तीन पारियों में दो अर्धशतक लगाते हुए कुल 110 रन बनाए हैं, हालांकि अपने पिछले मैच में वे 7 गेंदों पर सिर्फ़ 7 रन ही बना पाए थे। कैमरन ग्रीन अब तक कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और तीन मैचों में सिर्फ़ 24 रन ही बना सके हैं। मध्यक्रम में, रिंकू सिंह ने पिछले मैचों में 33 और 35 रन बनाकर लगातार टीम में अपना योगदान दिया है। निचले क्रम के बल्लेबाज़ों से ज़्यादा मदद न मिलने के बावजूद, वे टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज़ों में से एक रहे हैं। रमनदीप सिंह और अनुकूल रॉय अब तक कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं और उनके खाते में बहुत कम रन ही दर्ज हैं। गेंदबाज़ी की बात करें तो, ब्लेसिंग मुजरबानी टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं; उन्होंने एक मैच में 41 रन देकर 4 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था। वैभव अरोड़ा ने 3 विकेट ज़रूर लिए हैं, लेकिन वे काफी महंगे साबित हुए हैं, वहीं कार्तिक त्यागी भी अपनी ऊँची इकॉनमी रेट (रन देने की दर) को लेकर संघर्ष करते नजर आए हैं। सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती के रूप में स्पिन गेंदबाज़ी के विकल्प टीम के लिए बेहद अहम हैं, लेकिन कुल मिलाकर टीम के गेंदबाज़ दो मैचों में सिर्फ़ 11 विकेट ही ले पाए हैं, जो उनके प्रदर्शन में आई निरंतरता की कमी को दर्शाता है।

लखनऊ नई ऊर्जा के साथ इस मुकाबले में

दूसरी ओर, लखनऊ की टीम अपनी हालिया जीत से मिली नई ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ इस मुकाबले में उतर रही है। टॉप पर, मिशेल मार्श ने दो पारियों में 49 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दी है, जबकि एडेन मार्करम काफी सहज दिखे हैं; उन्होंने 27 गेंदों में 45 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी काफी आक्रामक रहा है। ऋषभ पंत ने पारी को बखूबी संभाला है; पिछले मैच में एक दुर्भाग्यपूर्ण रन-आउट के बाद, उन्होंने 50 गेंदों में नाबाद 68 रन बनाए। इससे यह साबित होता है कि वे दबाव को झेलने और मैच को फिनिश करने की काबिलियत रखते हैं। मिडिल ऑर्डर का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। निकोलस पूरन ने इस सीजन में अभी तक कोई बड़ी पारी नहीं खेली है, लेकिन केकेआर के खिलाफ उनका रिकॉर्ड काफी मजबूत रहा है। पिछले मुकाबलों में उन्होंने मैच जिताने वाली हाफ-सेंचुरी भी बनाई हैं। अब्दुल समद ने दो मैचों में कुल 52 रन बनाकर टीम में अपना योगदान दिया है, जबकि बाकी बल्लेबाजों का योगदान सीमित ही रहा है। गेंदबाजी की बात करें तो मोहम्मद शमी का प्रदर्शन असाधारण रहा है। पिछले मैच में उन्होंने 9 रन देकर 2 विकेट लिए और बेहद किफायती गेंदबाजी की। उन्होंने अपनी सटीक और नियंत्रित गेंदबाजी से मैच का माहौल ही बदल दिया। आवेश खान ने पिछले मैच में 2 विकेट लिए, हालांकि उनकी इकॉनमी थोड़ी ज़्यादा रही। वहीं, प्रिंस यादव ने भी मैचों में कुल 2 विकेट लेकर अपना योगदान दिया है। दिग्विजय सिंह राठी को एक सहायक गेंदबाज के तौर पर इस्तेमाल किया गया है, लेकिन वे कभी-कभी काफी महंगे साबित हुए हैं। मणिमारन सिद्धार्थ और मुकुल चौधरी टीम को अतिरिक्त गहराई प्रदान करते हैं।

बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सटीक प्रदर्शन करना ज़रूरी

इस मुकाबले का मुख्य आकर्षण यह है कि केकेआर सीजन की शुरुआत में मिली हार के सिलसिले को तोड़कर अपनी लय वापस पाने की कोशिश करेगा, जबकि एलएसजी अपनी हालिया सफलताओं को भुनाते हुए एक मज़बूत और लय में चल रही टीम के साथ आगे बढ़ना चाहेगा। दोनों ही टीमों में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो या तो अपने बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं या फिर अपनी लय तलाश रहे हैं। ऐसे में, इस मैच का नतीजा किसी एक टीम के पूरी तरह हावी होने के बजाय, दबाव भरे पलों में खिलाड़ियों के अहम योगदान पर निर्भर करेगा। ईडन गार्डन्स की पिच बल्लेबाजों के लिए काफी मददगार मानी जाती है, और साथ ही स्पिन गेंदबाज भी बीच के ओवरों में मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। ऐसे में, बल्लेबाजी और गेंदबाजी-दोनों ही विभागों में सटीक प्रदर्शन करना बेहद ज़रूरी होगा। आखिरकार, मैच का नतीजा इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन सी टीम के खिलाड़ी, मैच के निर्णायक पलों में एकजुट होकर बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं।

ऑरेंज कैप और पर्पल कैप पर आरआर के खिलाड़ियों का कब्जा

गुवाहाटी (वार्ता)

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में ऑरेंज और पर्पल कैप पर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाड़ियों को कब्जा जमा लिया हैं। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) सलामी के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 11-ओवर के मैच में मात्र 32 गेंदों पर नाबाद 77 रन ठोक डाले। इस पारी के साथ टूर्नामेंट में तीन पारियों में उनके 170 रन हो गए हैं और अब उनके पास ऑरेंज कैप है। मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जायसवाल की विस्फोटक पारी ने उन्हें समीर रिजवी के रनों से दस रन आगे पहुंचा दिया। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के इस बल्लेबाज ने दो मैच जिताने वाली पारियों के साथ सीजन की शानदार शुरुआत की है और वह 160 रन पर हैं। उन्होंने हालिया मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 90 रन बनाए थे। अब तक छह अन्य बल्लेबाज़ भी 100 रन के पार पहुंच चुके हैं, जिनमें हाइनरिक क्लासन (सनराइजर्स हैदराबाद), वैभव सूर्यवंशी (आरआर) और रोहित शर्मा (एमआई) शामिल हैं। वहीं पर्पल कैप की बात की जाये आरआर आरआर का ही एक खिलाड़ी रवि बिश्नोई आगे है। एमआई के खिलाफ दो ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लेने के बाद उनके कुल विकेट सात हो गए हैं। इससे पहले उन्होंने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 41 रन देकर 4 विकेट लिए थे। अब चार अन्य गेंदबाज दूसरे स्थान पर बराबरी पर हैं, जिनके पांच-पांच विकेट हैं- विजयकुमार वैशाक (पंजाब किंग्स), अंशुल कंबोज (चेन्नई सुपर किंग्स), नांद्रे बर्गर (आरआर) और जैकब डफी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु)।

भारत ने चीनी ताइपे को हराकर नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदें ज़िंदा रखीं

पाथुम थानी, थाईलैंड (वार्ता)। भारतीय अंडर20 महिला राष्ट्रीय टीम ने बुधवारको थाईलैंड के पाथुम थानी स्टेडियम में ग्रुप सी के अपने आखिरी मैच में चीनी ताइपे को 3-1 से हराकर एएफसी अंडर20 महिला एशिया कप 2026 के नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को ज़िंदा रखा। भारत की फॉरवर्ड सिबानी देवी नोंग्मेइकापम (32', 87') ने दो गोल किए, जबकि भूमिका देवी खुमुकचम (26') ने मैच की शुरुआत में ही यंग टाइग्रेस को बढ़त दिला दी थी। मैच के आखिरी पलों में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी काओ हसिन (90 3') ने चीनी ताइपे के लिए एक गोल करके वापसी की कोशिश की। यह 2004 के बाद से एएफसी अंडर20 महिला एशिया कप में भारत की पहली जीत थी। इस नतीजे के साथ, भारत ग्रुप सी में तीन मैचों में तीन अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। अब उन्हें ग्रुप बी में जॉर्डन और उज़्बेकिस्तान के बीच होने वाले मैच के ड्रॉ होने की ज़रूरत है-जो आज बाद में खेला जाएगा-ताकि वे सभी ग्रुपों में तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के तौर पर क्वार्टर-फाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकें। अगर नतीजा कुछ और होता है, तो ऊपर बताए गए मैच की विजेता टीम क्वालीफाई कर जाएगी।

आईसीसी ने आगामी ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालिफायर्स के कार्यक्रम की घोषणा की

दुबई (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को पापुआ न्यू गिनी में होने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप 2027 और पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप 2028 के लिए ईस्ट एशिया-पैसिफिक कार्यक्रम और क्वालिफिकेशन की घोषणा की। इस क्षेत्र में आज आईसीसी अंडर 19 महिला टी-20 विश्व कप ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालिफायर के साथ मुकाबले शुरू हो गए हैं। यह टूर्नामेंट 8 से 13 अप्रैल तक पापुआ न्यू गिनी के पोर्ट मोरेस्बी में खेला जाएगा। मेजबान टीम ने फिजी, इंडोनेशिया, समोआ और वानुअतु हिस्सा ले रहे। यह सिंगल राउंड-रॉबिन प्रारुप में खेला जायेगा, जिसमें जीतने वाली टीम बंगलादेश और नेपाल में होने वाले आईसीसी अंडर19 महिला टी-20 विश्व कप 2027 के लिए क्वालिफीई करेगी। यह

पहली बार है जब वानुअतु किसी आईसीसी अंडर-19 महिला पाथवे स्पर्धा में खेल रहा है। क्रिकेट पीएजी के चेयरमैन, माइकल हैरिसन ने कहा, क्रिकेट पीएनजी के लिए यह एक रोमांचक टूर्नामेंट है, क्योंकि हम एक बार फिर यह साबित कर रहे हैं कि पीएनजी आईसीसी की कड़ी ज़रूरतों के हिसाब से अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी कर सकता है। जापान मई में आईसीसी पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालिफायर की मेजबानी करेगा। यह अब तक का सबसे बड़ा ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालिफायर टूर्नामेंट होगा, जिसमें नौ टीमें दो अलग-अलग जगहों पर मुकाबला करेंगी। निशिन शहर में सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड और कोरोजी स्पोर्ट्स पार्क का इस्तेमाल पूरे टूर्नामेंट के दौरान किया जाएगा। निशिन शहर सितंबर 2026 में होने वाले एशियन गेम्स के वेन्यू के तौर पर इस्तेमाल होने से पहले, अपना पहला इंटरनेशनल मैच होस्ट करेगा। इसमें मेजबान जापान के साथ कुक आइलैंड्स, फिजी, इंडोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, समोआ और वानुअतु की टीमें भी शामिल होंगी। यह टूर्नामेंट दो चरणों में होगा। 8-10 मई तक ग्रुप स्टेज, जिसके बाद 12-18 मई तक सुपर सिक्स स्टेज होगा। टीमों को तीन-तीन के तीन ग्रुप में बांटा गया है और हर ग्रुप से टॉप दो टीमें सुपर सिक्स स्टेज में आगे बढ़ेंगी। सुपर सिक्स के आखिर में, टॉप टीमें अगले चरण में अपनी जगह पक्की कर लेंगी, क्योंकि वे ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2028 के लिए क्वालिफाई करना चाहेंगी।

चोट के कारण झेंग किनवेन स्टटगार्ट ओपन से हटीं

बर्लिन (वार्ता)

टूर्नामेंट के आयोजकों ने बुधवार को घोषणा की कि चीन की झेंग किनवेन चोट के कारण अगले सप्ताह स्टटगार्ट में होने वाले डब्ल्यूटीए 500 इवेंट से हट गई हैं। झेंग के हटने का मतलब है कि 2026 सीजन में क्ले-कोर्ट पर उनका डेब्यू टल जाएगा। फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला, जो अभी दुनिया में 46वें नंबर पर हैं, मुख्य ड्रॉ में उनकी जगह लेंगी। एक बयान में, स्टटगार्ट ओपन ने कहा हम किनवेन के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं और उम्मीद करते हैं कि उन्हें बहुत जल्द स्टटगार्ट में कोर्ट पर वापस देखेंगे। झेंग आखिरी बार मार्च में डब्ल्यूटीए 1000 मियामी ओपन टूर्नामेंट में खेली थीं, जहाँ चौथे राउंड में उन्हें बेलारूस की दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से 6-3, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा था और वे क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने से चूक गई थीं।

देश में कच्चे इस्पात के उत्पादन में 2025-26 के दौरान 10.7 प्रतिशत वृद्धि

नयी दिल्ली (वार्ता)

देश में कच्चे इस्पात के उत्पादन में मुख्यत घरेलू मांग से प्रभावित वृद्धि 2025-26 में भी जारी रही और इससे पिछले साल के मुकाबले उत्पादन 10.7 प्रतिशत से ज़्यादा की बढ़ोतरी के साथ लगभग 16.84 करोड़ टन तक पहुँच गया। इस वर्ष की शुरू में इस्पात की कीमतों में भी सुधार के संकेत हैं। इस्पात इकाइयों के सामने इस समय औद्योगिक एलपीजी जैसे ईंधन की आपूर्ति को लेकर चिंता है जो उनके उत्पादन को प्रभावित कर सकता है। इस्पात मंत्रालय का कहना है कि सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के ईंधन आपूर्ति के प्रभाव को कम करने के लिए हस्तक्षेप किये हैं। इस्पात मंत्रालय ने इस्पात संयंत्रों की संयुक्त समिति (जेपीसी) के मार्च 2026 में समाप्त वित्त वर्ष के प्रारंभिक आंकड़ों के आधार पर यह जानकारी देते हुए कहा कि कच्चे इस्पात के उत्पादन में यह वृद्धि मुख्यतः घरेलू मांग से प्रेरित रही। वर्ष के दौरान तैयार स्टील की खपत 16.4 करोड़ टन आंकी गयी है जो सालाना आधार पर लगभग 7-8 प्रतिशत अधिक है। अवसंरचना निर्माण , भवन निर्माण, रेलवे और विनिर्माण उद्योग की गतिविधियों में तेजी से इस्पात क्षेत्र को मदद मिल रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में तैयार स्टील का निर्यात इससे पिछले साल की तुलना में 35.9 प्रतिशत बढ़कर 66 लाख टन तक पहुँच गया, जबकि आयात में 31.7 प्रतिशत की भारी गिरावट दिखी। इस तरह भारत फिर से तैयार इस्पात का शुद्ध निर्यातक बना। वर्ष के दौरान पश्चिम एशिया, यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया जैसे वैश्विक बाज़ारों में भारतीय इस्पात की पकड़ और मज़बूत हुई।

रुपया 52 पैसे मजबूत

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया बुधवार को 52 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 92.54 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 16 पैसे टूटकर 93.06 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपये में आज शुरू से ही तेजी रही। यह 14 पैसे चढ़कर 92.92 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका दिवस का निचला स्तर रहा। बीच कारोबार में यह 92.45 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हो गया था। अंत में 92.54 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्ध विराम की घोषणा से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 16 प्रतिशत से अधिक लुढ़ककर 92 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। दुनिया की दूसरी प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में अमेरिकी डॉलर सूचकांक भी एक प्रतिशत से अधिक टूट गया। इससे रुपये को समर्थन मिला। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने आज भी भारतीय पूंजी बाजार से 75 करोड़ डॉलर निकाले जिससे भारतीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही।

पश्चिम एशिया संकट के कारण आर्थिक वृद्धि प्रभावित होने की आशंका : आरबीआई

मुंबई (वार्ता)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पश्चिम एशिया संकट के कारण आर्थिक वृद्धि प्रभावित होने और खुदरा महंगाई बढ़ने की आशंका जाहिर करते हुए मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बुधवार को समाप्त बैठक में नीतिगत दरों को स्थिर रखने तथा इंतजार करो और नजर रखो की नीति अपनाने का फैसला किया। एमपीसी ने सर्वसम्मति से रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का निर्णय किया। साथ ही अपना रुख तटस्थ बनाये रखा है। साथ ही स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी रेट पांच प्रतिशत और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी रेट तथा बैंक रेट 5.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रहेगी। वित्त वर्ष 2026-27 में और पश्चिम एशिया संकट की शुरुआत के बाद हुई एमपीसी की पहली बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बताया कि वैश्विक चुनौतियों और उनके घरेलू असर को देखते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 6.7 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में सात प्रतिशत और चौथी तिमाही में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि ईंधन और अन्य कॅमोडिटी की बढ़ती कीमतों के कारण चालू वित्त वर्ष में उपभोक्ता मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर बढ़कर 4.6 प्रतिशत पर रहेगी। चारों तिमाहियों में इसके क्रमशः चार प्रतिशत, 4.4 प्रतिशत, 5.2 प्रतिशत और 4.7 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। जोखिम इसके ऊपर की ओर बढ़ने का अधिक है।

चावल, दालों में तेजी, गेहूं नरम

नयी दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल का औसत भाव चढ़ गया। दालों में भी तेजी रही। गेहूं में नरमी देखी गयी जबकि चीनी की कीमत लगभग अपरिवर्तित रही। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 22 रुपये बढ़कर 3,867 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। गेहूं नौ रुपये सस्ता हुआ और 2,771 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत तीन रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गयी। दाल-दलहनों में तेजी रही। मूंग दाल की औसत कीमत 18 रुपये और तुअर दाल की 16 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। उड़द दाल 15 रुपये और चना दाल 11 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल के दाम कमोबेश स्थिर रहे। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्ध विराम पर सहमति बनने के बाद विदेशों में खाद्य तेलों में तीन प्रतिशत से अधिक की बड़ी गिरावट देखी गयी। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 179 रिंगिट गिरकर 4,586 रिंगिट प्रति टन पर रहा।

जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 3.65 प्रतिशत फिसलकर 66.87 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल की औसत कीमत 66 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंगफली तेल और वनस्पति के भाव 33-33 रुपये बढ़े। सूरजमुखी तेल 25 रुपये महंगा हुआ। पाम ऑयल 13 रुपये और सोया तेल छह रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 12 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी गत दिवस के स्तर पर टिकी रही।

युद्ध विराम की घोषणा से सेंसेक्स 2,946 अंक उछला

मुंबई (वार्ता)

अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्ध विराम की घोषणा से बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली और बीएसई का सेंसेक्स चार फीसदी के करीब उछल गया। सेंसेक्स की शुरुआत सुबह 2,674 अंक की मजबूती के साथ हुई। पूरे दिन यह 2,300 अंक से अधिक की बढ़त में रहा और अंत में 2,946.32 अंक (3.95 प्रतिशत) ऊपर 77,562.90 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 873.70 अंक यानी 3.78 फीसदी की तेजी में 23,997.35 अंक पहुंच गया। यह दोनों सूचकांकों का 10 मार्च के बाद का उच्चतम स्तर है। अमेरिका और ईरान में दो सप्ताह के लिए युद्ध विराम पर सहमति बनी है। इससे दुनिया भर में निवेश धारणा मजबूत हुई और शेयर बाजारों में तेजी रही। चौतरफा लिवाली के बीच ऑटो सेक्टर

का सूचकांक साढ़े छह प्रतिशत से अधिक चढ़ा। रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों के लिए राहत के उपायों की घोषणा से बैंकिंग सेक्टर का सूचकांक साढ़े पांच प्रतिशत से ज्यादा मजबूत हुआ। रियलटी में पौने सात फीसदी की और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह में पांच प्रतिशत से अधिक की तेजी रही। धातु और मीडिया समूहों के सूचकांक भी ढाई से तीन प्रतिशत तक चढ़े। मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 4.09 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 4.39 फीसदी की बढ़त में रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में इंडिगो का शेयर आठ फीसदी से ज्यादा उछल गया। एलएंडटी में साढ़े सात प्रतिशत और बजाज फाइनेंस में सात प्रतिशत से अधिक की तेजी रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाइटन के शेयर छह से सात प्रतिशत चढ़े। बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, अडानी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक और इटरनल के शेयर पांच से छह फीसदी ऊपर बंद हुए। कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा स्टील में तीन से चार फीसदी की तेजी देखी गयी। भारतीय स्टेट बैंक और ट्रेंट के शेयर दो से तीन प्रतिशत तक चढ़े। हिंदुस्तान यूनीलिवर, भारतीय एयरटेल, एनटीपीसी, आईटीसी और बीईएल के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच मजबूत हुए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टीसीएस और इंफोसिस में भी तेजी रही। टेक महिंद्रा का शेयर डेढ़ फीसदी टूट गया।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर सामुदायिक पुलिसिंग कार्यशाला आयोजित

26 जिलों के अधिकारियों ने सिंहस्थ सुरक्षा सारथी योजना पर बनाई रणनीति

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग को सुदृढ़ करने की दिशा में उज्जैन में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। पुलिस मुख्यालय की सामुदायिक पुलिस विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में पश्चिमी मध्यप्रदेश के 26 जिलों से आए सामुदायिक पुलिस नोडल अधिकारियों एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में सामुदायिक पुलिसिंग की कार्यप्रणाली, सामाजिक सहभागिता के माध्यम से सुरक्षा को अधिक जनोन्मुखी बनाने तथा नवाचारों के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेष रूप से आगामी सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत नगर रक्षा समितियों के सुदृढ़ीकरण एवं उनके माध्यम से सिंहस्थ सुरक्षा सारथी के रूप में जनभागीदारी सुनिश्चित करने की रणनीति तैयार की गई। इस अवसर पर 'सिंहस्थ रक्षा साथी' एवं 'सिंहस्थ वॉलंटियर्स' की नियुक्ति एवं प्रशिक्षण के लिए विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की गई, जिसके अंतर्गत इन वॉलंटियर्स को प्रशासन एवं पुलिस के बीच सशक्त सेतु के

रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि बड़े धार्मिक आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

मध्यप्रदेश पुलिस की विशिष्ट पहचान

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, उज्जैन जोन राकेश गुप्ता ने कहा कि सामुदायिक पुलिसिंग मध्यप्रदेश पुलिस की विशिष्ट पहचान है और इसे सिंहस्थ जैसे विशाल धार्मिक आयोजन में सुरक्षा के सशक्त मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने नगर रक्षा समितियों के सुदृढ़ीकरण पर बल देते हुए कहा कि इनके माध्यम से पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

वॉलंटियर्स को प्रोत्साहन स्वरूप मानदेय

पुलिस उप महानिरीक्षक सामुदायिक पुलिसिंग विनीत कपूर ने कहा कि वॉलंटियर्स को प्रोत्साहन स्वरूप मानदेय (स्टाइपेंड), आधिकारिक प्रमाण-पत्र तथा कार्यक्रम अवधि में आवास जैसी सुविधाएं प्रदान करने की योजना है। इस अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक उज्जैन नवनीत भसीन, पुलिस अधीक्षक उज्जैन प्रदीप शर्मा, पुलिस अधीक्षक देवास पुनीत गेहलोत, कमांडेंट धर्मराज मीणा एवं श्रीमती मनीषा पाठक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने उद्बोधनों में सामुदायिक सहभागिता आधारित पुलिसिंग की आवश्यकता एवं महत्व को रेखांकित किया।

प्रशिक्षण एवं प्रबंधन की विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत

सहायक पुलिस महानिरीक्षक सामुदायिक पुलिसिंग अमृत मीणा द्वारा मध्यप्रदेश नगर रक्षा समिति अधिनियम, 1999 के प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी दी गई तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यशाला में आगामी सिंहस्थ महापर्व के लिए सिंहस्थ रक्षा साथी एवं सिंहस्थ वॉलंटियर्स की नियुक्ति, प्रशिक्षण एवं प्रबंधन की विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। इन वॉलंटियर्स को पुलिस एवं प्रशासन के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप मानदेय, आधिकारिक प्रमाण-पत्र एवं कार्यक्रम अवधि में आवास व्यवस्था उपलब्ध कराने के प्रावधानों पर भी विचार किया गया।

उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए सहज व्यवस्था करें : डॉ. यादव

किसान और स्वयंसेवी संस्थाओं से किया वर्चुअल संवाद

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में 9 अप्रैल से गेहूँ खरीदी आरंभ हो रही है। उन्होंने सभी उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए सहज-सुगम व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश सभी कलेक्टर्स और एसडीएम को दिए गए हैं। उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए पेयजल और छायादार स्थान की व्यवस्था की जा रही है। गेहूँ उपार्जन जैसी महत्वपूर्ण और व्यापक गतिविधि में सामाजिक और सेवाभावी संस्थाएं भी सहयोग करें। प्रदेश में वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर फैसले लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार किसान और स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअल संवाद के दौरान व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था है। गेहूँ की प्रति क्विंटल कीमत को वर्तमान स्तर तक लाना बड़ी चुनौती थी, हम इसे 2700 रूपये प्रति क्विंटल तक ले जाएंगे। किसानों को उनकी फसल का सही दाम दिलवाना हमारी प्रतिबद्धता है। हम जनता की सेवा करना चाहते हैं, इसी उद्देश्य से उपार्जन केंद्रों पर गेहूँ खरीदी की बेहतर व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उपार्जन केंद्रों पर हेल्प डेस्क स्थापित किये जा रहे हैं, जिला स्तर पर कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम से संपूर्ण व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जाएगी। उपार्जन केंद्रों पर पंपलेट और होर्डिंग के द्वारा भी किसानों को व्यवस्था के संबंध में जानकारियां देने के निर्देश दिए गए हैं। वर्ष 2026 से किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। उपार्जन केन्द्रों पर आने वाले किसानों को उनके कल्याण तथा हित से जुड़ी शासन की योजनाओं से भी अवगत कराया जाए।

वैशाख मास में किया गया पुण्य देवताओं को भी स्पर्श करता है : शास्त्री

दमोह (स्वतंत्र मत)। जबलपुर नाका स्थित पुरुषोत्तम लाल विश्वकर्मा के निवास पर चल रहे श्रीमद् भागवत मूल पाठ के अंतर्गत कथा व्यास रवि शास्त्री ने वैशाख मास के महत्व को बताते हुए कहा कि भगवान विष्णु यमराज को वैशाख का महत्व बताते हुए कहते हैं इस महीने की तपन में धरती तपती है नदियों का जल कम होने लगता है यदि कोई मनुष्य इस समय दूसरों के लिए शीतल जल का प्रबंध करता है, तो समझो उसने अनगिनत पापियों को जीवनदान दिया। ऐसा मनुष्य तुम्हारे दंड का पात्र नहीं होता। यम यमराज ने विनयपूर्वक पूछा प्रभु तो क्या इस मास में मेरा कार्य निष्फल हो जाता है विष्णु मुस्कुराए नहीं यम तुम्हारा कार्य कभी निष्फल नहीं परंतु यह महीना परम क्षमा का महीना है जैसे तुम्हारे पास दंड देने का अधिकार है वैसे ही मेरे पास दया करने का

अधिकार वैशाख में मैं संसार को अतिरिक्त दया प्रदान करता हूँ यमराज ने करबद्ध होकर कहा हे विष्णु निश्चय ही यह महीना मनुष्यों के लिए वरदान है यदि वैशाख ऐसे पुण्य देता है तो मैं इस माह को स्वयं भी प्रणाम करता हूँ। विष्णु बोले यम तुम देवताओं में न्याय के प्रतीक हो और न्याय तभी पूर्ण होता है। जब उसमें दया भी सम्मिलित हो वैशाख मास वही दया है संसार में बदली हवा उस दिन के बाद यमराज ने अपने दूतों को निर्देश दिया जो लोग वैशाख में स्नान, दान, तुलसी सेवा और पीने के जल की व्यवस्था करते हैं, उन्हें भय दिखाने कीआवश्यकता नहीं वे प्रभु माधव के प्रिय हैं यमदूतों ने भी देखा कि पृथ्वी पर लोग सुबह-सुबह पवित्र नदियों में स्नान कर रहे थे कुओं के पास मटकों में शीतल जल रख रहे थे किसी राहगीर को प्यासा न रहने देने का प्रण ले रहे थे। हर गाँव हर नगर में प्याऊ लग रही थी और सचमुच नरक के द्वार शांत रहे पाप की परछाइयाँ हल्की हो गईं, धरती पर दया धर्म और भक्तिभाव बढ़ गया तब से यह परंपरा चली कि वैशाख में माधव की पूजा, स्नान, दान और जल-सेवा करने से यम का भय मिट जाता है। मनुष्य हल्का, निर्मल और पवित्र बन जाता है, और उसकी यात्रा पापलोक नहीं बल्कि प्रभु के धाम की ओर होती है और यमराज स्वयं कहते हैं वैशाख मास में किया गया पुण्य देवताओं को भी स्पर्श करता है।

कलेक्टर आज पेयजल समस्याग्रस्त ग्रामों का करेंगे निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर 9 अप्रैल को प्रात: 8 बजे विकासखंड बटियागढ़ के विभिन्न पेयजल समस्या ग्रस्त ग्रामों का भ्रमण करंगे। इस निरीक्षण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का जायजा लेना एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश देना है। निरीक्षण के दौरान बटियागढ़, गूगराकला, सौरई, जलना, इमलिया, डिलोना, गीदन, फुरताल, देवतरा, अन्गौरी टोला, बरी मडियादौ, चौपरा मडियादौ, जागुपुरा, खुटियानी रैपत एवं गर्रवा ग्राम शामिल रहेंगे। कार्यपालन यंत्री ने कलेक्टर कोचर के भ्रमण कार्यक्रम के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं ताकि मौके पर ही समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

यह हमारे संभाग का सबसे उत्कृष्ट स्कूल होगा : विधायक मलैया

विधायक मलैया ने किया सान्दीपनि स्कूल का निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)।

दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया ने सान्दीपनि स्कूल के विशाल परिसर में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय में हजारों छात्र-छात्राएं शिक्षा प्राप्त करेंगे। विधायक श्री मलैया ने कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर से जिले के अन्य विद्यालयों के निर्माण कार्यों की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण किया जाए और विलंब की संभावित बाधाओं को दूर करने के प्रयास किए जाएं। विधायक श्री मलैया ने बताया कि कलेक्टर ने स्कूल प्रिंसिपल को निर्देश दिए हैं कि अगला सत्र इसी

सान्दीपनि स्कूल में प्रारंभ होगा। ठेकेदार ने आश्वासन दिया है कि उनकी ओर से पूरी तैयारी है। अभी ग्रीनीकरण, प्लांटेशन और फर्निशिंग का कार्य शेष है। उन्होने कहा यह हमारे संभाग का सबसे उत्कृष्ट स्कूल होगा। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने बताया कि विधायक जयंत मलैया ने सान्दीपनि स्कूल का पूरा परिसर देखा और प्रगति की समीक्षा की। उनका लक्ष्य है कि नए शैक्षणिक सत्र से स्कूल प्रारंभ हो जाए। दमोह, पथरिया और जबेरा स्कूलों का लोकार्पण जुलाई में करने की योजना है।

स्कूल शिक्षा विभाग, लोक निर्माण विभाग और ठेकेदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। नियमित समीक्षा से कार्य समय पर पूरा होगा। कलेक्टर ने कहा कि जिले के लिए यह ऐतिहासिक अवसर होगा कि तीन सान्दीपनि विद्यालयों के साथ मेडिकल कॉलेज भी लोकार्पण के लिये तैयार रहेगा। उन्होने कहा सभी संबंधित विभाग जोर-शोर से तैयारियां कर रहे हैं।

नाबालिग को ब्लैकमेल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हटा (स्वतंत्र मत)।

हटा में सोशल मीडिया के जरिए नाबालिग को ब्लैकमेल करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हटा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पिछले एक वर्ष से नाबालिग युवती के संपर्क में था और सोशल मीडिया के माध्यम से उससे दोस्ती कर विश्वास में लिया। इसके बाद आरोपी ने फोन कॉल और वीडियो कॉल के जरिए युवती के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए। बाद में इन्हीं फोटो वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर वह लगातार युवती को ब्लैकमेल कर रहा था।

पूरे मामले में जिला पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत भदौरिया के निर्देशन तथा एसडीओपी सौरभ त्रिपाठी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सुधीर कुमार बेगी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने आईटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपी की तलाश में टीम को सक्रिय किया। जांच के दौरान पुलिस ने घेराबंदी कर अभय पिता दिवाकर पांडे 21 वर्ष निवासी निगुआ थाना माड़ा, जिला सिंगरौली को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नेशनल लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु करें प्रयास : प्रधान जिला न्यायाधीश

दमोह (स्वतंत्र मत)।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मण्प्रण्राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणए जबलपुर के निर्देशानुसार 9 मई को सम्पूर्ण दमोह जिले में वर्ष की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य दांडिक, सिविल, विद्युत, चैक बाउंस, मोटर दुर्घटना दावा, वैवाहिक प्रकरण सहित समस्त राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण आपसी सहमति एवं राजीनामा के आधार पर किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु समस्त न्यायाधीशगण के साथ बैठक का आयोजन एडीआर भवन जिला न्यायालय दमोह में प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष सुभाष सोलंकी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की

समस्त न्यायाधीशों के साथ बैठक सम्पन्न

अध्यक्षता में किया गया। बैठक को संबोधित करते हुये प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष सुभाष सोलंकी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने समस्त न्यायाधीशगण को निर्देशित किया कि वे अपने अपने न्यायालयों में लंबित सभी राजीनामा योग्य प्रकरणों को चिन्हित कर उनका निराकरण नेशनल लोक अदालत के माध्यम से करने का प्रयास करें जिससे आमजन को त्वरित व सुलभ न्याय प्राप्त हो सके। बैठक में उपस्थित समस्त न्यायाधीशगण के द्वारा आश्वस्त किया कि वे नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण का प्रयास करेंगे।

बैठक में विशेष न्यायाधीश प्रभारी अधिकारी उदय सिंह मरावी, नेशनल लोक अदालत सहित मुख्यालय में पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण भौतिक रूप से तथा तहसीलों में पदस्थ न्यायाधीशगण वीसी के माध्यम से उपस्थित रहे। जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में प्रकरण का निराकरण किये जाने पर दोनों पक्षों का विवाद सदैव के लिये समाप्त हो जाता है व लोक अदालत में पारित अवार्ड के विरूद्ध किसी भी न्यायालय में अपील भी नहीं होती है, साथ ही सिविल प्रकरणों में लगाया गया न्याय शुल्क वापस मिलता है। आपने सभी पक्षकारों से नेशनल लोक अदालत में अपने प्रकरणों के निराकरण करने की अपील की है।

बालिका ने फांसी लगाकर की आत्महत्या की कोशिश

हटा (स्वतंत्र मत)। मडियादो थाना क्षेत्र के एक गांव में 18 वर्षीय बालिका द्वारा आत्महत्या के प्रयास का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार सुनीता आदिवासी परिवर्तित नाम ने अज्ञात कारणों के चलते अपने घर में फांसी लगाकर जान देने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि घटना के दौरान परिजनों की नजर पड़ते ही उन्होंने तत्काल बालिका को फंदे से उतार लिया और बिना देर किए इलाज के लिए सिविल अस्पताल हटा लेकर पहुंचे। सिविल अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर आरपी कोरी ने प्राथमिक उपचार किया। बालिका की गंभीर स्थिति को देखते हुए बुधवार दोपहर करीब 2 बजे उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल दमोह रेफर कर दिया गया। फिलहाल आत्महत्या के प्रयास के पीछे के कारणों का पता नहीं चल सका है।

रजपुरा मार्ग पर बाइक की चेन टूटने से हादसा, चालक घायल

हटा (स्वतंत्र मत)।

रजपुरा मार्ग पर बुधवार को एक बाइक चालक सड़क हादसे का शिकार हो गया। बाइक की चेन अचानक टूट जाने से वाहन अनियंत्रित होकर गिर पड़ा जिससे चालक घायल हो गया। घायल को तत्काल 108 एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए सिविल अस्पताल हटा भेजा गया। जानकारी के अनुसार घायल की पहचान टेक सिंह 35 वर्ष पिता झल्लू सिंह निवासी मड़ियादो के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि टेक सिंह अपनी बाइक से रजपुरा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक बाइक की चेन टूट गई। चेन टूटते ही बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर पड़े। हादसे में टेक सिंह के हाथए पैर और चेहरे पर चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल मदद करते हुए 108 एम्बुलेंस को बुलाया। मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल को सिविल अस्पताल हटा पहुंचाया जहां उनका इलाज जारी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि अचानक हुई इस घटना से कुछ समय के लिए मार्ग पर अफरा तफरी का माहौल बन गया था। समय रहते घायल को अस्पताल पहुंचाए जाने से बड़ी अनहोनी टल गई। प्रशासन और चिकित्सकों ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले अपने वाहनों की नियमित जांच जरूर करें ताकि इस प्रकार के हादसों से बचा जा सके।

सरनेम सुधार सूचना

मैं मनीष कुमार खत्री पिता श्री परसराम मोटवानी निवासी 335, चिमनी प्लॉट, गुलजार होटल, नरसिंह वार्ड, जिला जबलपुर मध्य प्रदेश का होकर कथन करता हूँ कि मेरे पूर्व पासपोर्ट संख्या P1835211 जो भोपाल मध्य प्रदेश से जारी हुआ था उसमें मेरा नाम मनीष मोटवानी लिखा है, तथा मेरे माताजी पिताजी के सरनेम खत्री लिखी है जो कि गलत लिखी है मेरे सभी शासकीय दस्तावेज जैसे पैन कार्ड, आधार कार्ड, आदि में मेरा नाम मनीष कुमार खत्री पिता श्री परसराम मोटवानी लिखा है जो सत्य एवं सही है अब से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जायें।

गलत नाम
मनीष मोटवानी पिता श्री परसराम खत्री
(Manish Motwani S/o) Parasram Khatri

सही नाम
मनीष कुमार खत्री पिता श्री परसराम मोटवानी
(Manish Kumar Khatri S/o) Parasram Motwani

हर विधानसभा में एक खेल परिसर का निर्माण हमारा लक्ष्य: सारंग

खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को टी.टी. नगर स्टेडियम, भोपाल स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक ली। मंत्री श्री सारंग ने विभागीय योजनाओं, वर्तमान कार्यों की प्रगति तथा आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में एक आधुनिक खेल परिसर के निर्माण के लक्ष्य

को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करने की दिशा में विशेष ध्यान दें। इसके लिए पृथक एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि खेल अधोसंरचना का सुदृढ़ीकरण प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को निखारने का आधार बनेगा।

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि इस वर्ष समर कैंप को विशेष एवं नवाचारपूर्ण रूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में अधिक से अधिक नए बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा उनके अभिभावकों को भी खेल गतिविधियों में शामिल करने की योजना बनाई जाए। इससे समाज में खेल के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण होगा तथा परिवार स्तर पर खेल संस्कृति को प्रोत्साहन मिलेगा। मंत्री श्री सारंग ने प्रदेश में पूर्व से निर्मित खेल परिसरों के उन्नयन (अपग्रेडेशन) पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि इन परिसरों में युवा केंद्रित गतिविधियों को भी जोड़ा जाए जिससे अधिक से अधिक युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित हो सके और खेल के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास को भी बढ़ावा मिल सके। मंत्री श्री सारंग ने खिलाड़ी प्रशिक्षण कल्याण समिति का पुनरावलोकन कर उसमें आवश्यक संशोधन करते हुए उसे और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समिति की कार्यप्रणाली ऐसी होनी चाहिए जिससे खिलाड़ियों को अधिकतम लाभ मिल सके और उनके प्रशिक्षण एवं कल्याण से संबंधित आवश्यकताओं की समय पर पूर्ति सुनिश्चित हो सके। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण के प्रमुख सचिव मनीष सिंह, उप सचिव अजय श्रीवास्तव, संचालक अंशुमान यादव, संयुक्त संचालक बी.एस. यादव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मदर टेरेसा नगर कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक Jr. LIG-300 श्री राजू साहू पिता श्री बद्री प्रसाद साहू के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 13.07.2022 को आवटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री राजू साहू पिता श्री बद्री प्रसाद साहू ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 10.08.2022 के माध्यम से श्रीमती लता सोनी पति स्व. श्री भागवत सोनी को विक्रय किया है। अतः श्रीमती लता सोनी पति स्व. श्री भागवत सोनी द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

नाम सुधार सूचना

मैं मीत मोटवानी पति श्री मनीष कुमार खत्री निवासी मकान नं. 335 चिमनी प्लॉट, नरसिंह वार्ड. जिला जबलपुर मध्य प्रदेश प्रदेश की निम्नलिखित कथन करती हूँ कि मेरा पूर्व पासपोर्ट में मेरे पति का नाम मनीष मोटवानी लिखा है जो कि गलत है, मेरे सभी दस्तावेज जैसे पैन कार्ड आधार कार्ड आदि में मेरे पति का नाम मनीष कुमार खत्री दर्ज है जो कि सत्य एवं सही है अब से मुझे मीत मोटवानी पति श्री मनीष कुमार खत्री लिखा एवं पढ़ा जावे।

गलत नाम
मीत मोटवानी पति श्री मनीष मोटवानी

सही नाम
मीत मोटवानी पति श्री मनीष कुमार खत्री

> मध्यप्रदेश कृषि, परंपरा, वैज्ञानिक अनुसंधान और आधुनिक तकनीक के समन्वय से देश में कृषि विकास का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। किसानों की मेहनत, कृषि वैज्ञानिकों के शोध और सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश ने दलहन, तिलहन और खाद्यान्न उत्पादन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं।

खेती, परंपरा और विज्ञान का संगम मध्यप्रदेश बना कृषि विकास में नंबर-1

मुख्यमंत्री ने दी जबलपुर को 23 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात कृषि विवि को मिला अटल बिहारी वाजपेयी प्रशासनिक भवन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

प्रदेश के किसान अब एक फसल से आगे बढ़कर दो एवं तीन फसली कृषि प्रणाली अपनाते हुए नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। यह कहना है प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मंथन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत कृषि नवाचारों, शोध परियोजनाओं, स्टार्टअप मॉडलों एवं आधुनिक तकनीकी प्रदर्शनों का अवलोकन करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचार किसानों की आय वृद्धि का महत्वपूर्ण आधार बन रहे हैं। ड्रोन तकनीक, उन्नत कृषि यंत्र, प्राकृतिक खेती मॉडल, उन्नत बीज एवं प्रसंस्करण आधारित नवाचारों से कृषि का स्वरूप बदल रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन सहित कुल 23 करोड़ 21 लाख रुपये की लागत से निर्मित विभिन्न इकाइयों का लोकार्पण किया। साथ ही जवाहर चारा डिजिटल स्कैनर एवं कृषि अनुसंधान ट्रैकिंग एप का भी विमोचन किया।

प्रशासनिक भवन की मिली सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर के कृषि विश्वविद्यालय को सात दशकों के इंतजार के बाद प्रशासनिक भवन की सौगात मिली है। 13 करोड़ रूपये की लागत से बने इस नवीन प्रशासनिक भवन को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी प्रशासनिक भवन के नाम से जाना जायेगा। यह भवन जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान एवं जय अनुसंधान की संकल्पना को साकार करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की कृषि परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है तथा कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और जीवन पद्धति का मूल आधार है। ऋषि-मुनियों द्वारा विकसित कृषि ज्ञान आज भी प्रासंगिक है और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ उसका समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कृषि के प्रति सम्मान भारतीय जीवन दर्शन में सदैव विद्यमान रहा है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना वर्तमान समय की आवश्यकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना वर्तमान समय की आवश्यकता है। मध्यप्रदेश में प्राकृतिक खेती में देश का अग्रणी राज्य है और इसका क्षेत्र निरंतर बढ़ रहा है। सरकार द्वारा कोदो-कुटकी तथा रागी जैसे मोटे अनाजों के उत्पादन और उपार्जन को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध हो रहा है तथा पोषणयुक्त कृषि को बढ़ावा मिल रहा है। उज्जैन के महाकाल मंदिर में प्रसाद के रूप में रागी के लड्डू का वितरण किया जा रहा है। प्रदेश में भावांतर योजना अंतर्गत सरसों की खरीदी की जा रही है। गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा रही है और किसानों को गेहूं का दाम 2700 रूपये प्रति क्विंटल तक दिलाने का संकल्प लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पशुपालन को कृषि का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा कि राज्य में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार ने दुग्ध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। साथ ही, बच्चों के पोषण को ध्यान में रखते हुए शासकीय स्कूलों में कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चों के लिए निश्शुल्क दूध वितरण की योजना भी लागू की जा रही है।

इन कार्यों का हुआ लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम में 23 करोड़ 21 लाख की लागत के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण कर विकास की सौगाते दी। जिनमें प्रमुख रूप से 13 करोड़ रूपये की लागत से बने जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के नवीन प्रशासनिक भवन, 1.11 करोड़ रूपये लागत के बोहानी गन्ना अनुसंधान केन्द्र के प्रशासनिक भवन, 1 करोड़ रूपये लागत के बालाघाट जिले के कृषि महाविद्यालय वारासिवनी के कौशल विकास केन्द्र के साथ ही जबलपुर में 1.26 करोड़ रूपये से बने स्वचालित तरल जैव उर्वरक उत्पादन केन्द्र का लोकार्पण किया। इसके अतिरिक्त किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की 4 करोड़ 92 लाख रूपये से निर्मित चार इकाईयों का भी लोकार्पण किया गया। जिसमें रीवा एवं शहडोल के ज्ञान प्रसार केन्द्र शामिल है।

हितग्राहियों को हितलाभ का किया वितरण- कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित 10 स्टार्टअप्स को 10 करोड़ रूपये से अधिक के स्वीकृति आदेश का वितरण किया। साथ ही कृषक अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने को लेकर पीपीव्ही, एफआर ऑथॉरिटी नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय को प्रदान किया। उन्होंने कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करने के साथ ही विभिन्न विभागों के द्वारा संचालित योजनाओं के हितग्राहियों को प्रतिकात्मक स्वरूप हितलाभ का वितरण भी किया।

इनकी रही उपस्थिति उपस्थिति

कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल, राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीक, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायकगण अजय विश्नोई, अशोक ईश्वरदास रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, संतोष वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोटिया, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रमोद कुमार मिश्रा, सचिव कृषि विभाग निशांत वरवड़े, कमिश्नर धनंजय सिंह एवं कलेक्टर राघवेंद्र सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

कृषि नवाचारों एवं आधुनिक तकनीकों का किया अवलोकन

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मंथन 2026 कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि क्षेत्र में नवाचार, आधुनिक तकनीक तथा प्राकृतिक खेती आधारित लगभग 40 से अधिक मॉडल का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में कृषि सखी प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण मॉडल, प्राकृतिक खेती मॉडल, ड्रोन हाईटेक हब, पराली कटिंग हार्वेस्टर मशीन, बैटरी ऑपरेटेड रिच प्लांटर की ड्रिप लाइन इंस्टालर सहित विभिन्न उपयोगी मॉडल प्रस्तुत किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इनका अवलोकन किया और कृषि के क्षेत्र में किये गये नवाचारों को सराहा।

कृषि विश्वविद्यालय के एमटेक अंतिम वर्ष के छात्र आर्यन चंद्र द्वारा विकसित प्लांट डॉक्टर डिवाइस विशेष आकर्षण का केंद्र रही। यह मल्टी क्रॉप डिजीज डिटेक्शन सिस्टम है, जिसके माध्यम से 10 से अधिक फसलों तथा 45 से अधिक पौधों की बीमारियों की पहचान की जा सकती है। इस डिवाइस में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे पौधों की बीमारी का विश्लेषण कर त्वरित रिपोर्ट तैयार होती है। रिपोर्ट में रोग के प्रकार, हानिकारक सूक्ष्मजीवों अथवा कीटों से बचाव के उपायों की जानकारी भी उपलब्ध होती है। डिवाइस की विशेषता इसकी कम लागत, पोर्टेबिलिटी तथा ऑफलाइन एवं रियल टाइम उपयोग की सुविधा है।

वारदातों को अंजाम देने पिस्टल लेकर घूम रहे दो बदमाश पकड़ाए

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अधारताल व गोहलपुर पुलिस ने अपने-अपने क्षेत्रों दो बदमाशों को लोडेड पिस्टल के साथ दबोचा है। पुलिस ने आरोपियों को उस वक्त दबोचा, जब वह किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों से दो पिस्टल व तीन कारतूस बरामद करते हुए उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। अधारताल पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर तालाब के पास दबिश दी गई। जहां शिव मंदिर के पास एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। जिसे घेराबंदी कर दबोचा गया। जिसने पूछताछ में अपना नाम लकी गोटिया उम्र 21 वर्ष निवासी जगदम्बा नगर महाराजपुर बताया जो तलाशी लेने पर कमर में दाहिने तरफ एक देशी पिस्टल एवं जेब में 2 कारतूस रखे मिला। पुलिस ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी लकी गोटिया अपराधी प्रवृत्ति का है। जिसके विरूद्ध अवैध वसूली, मारपीट सड़क दुर्घटना सहित पूर्व से आधा दर्जन से अधिक अपराध पंजीबद्ध है। इसी प्रकार गोहलपुर पुलिस ने लेमा गार्डन के पास दबिश देकर मोह. कादिर उर्फ सोहेल बाबा पिता मोह. सलीम अंसारी उम्र 23 वर्ष निवासी नसीमाबाद चारखम्बा बारात घर के पास थाना हनुमानताल वर्तमान पता अंसारनगर गोहलपुर को हिरासत में लिया।

नगर परिषद का बाबू पच्चीस हजार की रिश्वत लेते पकड़ाया

जबलपुर लोकायुक्त की कार्रवाई, ठेकेदार से ले रहा था रिश्वत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

लोकायुक्त पुलिस की टीम ने बुधवार को नगर पालिका परिषद नरसिंहपुर में कार्यरत लिपिक संजय कुमार तिवारी को पच्चीस हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। आरोपी संजय कुमार तिवारी द्वारा ठेकेदार से कार्य के भुगतान के बदले यह रिश्वत ले रहा था। लोकायुक्त एसपी अंजुलता पटले ने बताया कि भीष्म नारायण सिंह राजपूत निवासी शांति नगर दमोह नाका जबलपुर ने पेवर ब्लॉक कार्य का भुगतान प्राप्त होने के बाद उनकी एफडीआर और बैंक गारंटी वापस लौटाने के लिए आवेदन किया। जिसके बदले लिपिक संजय कुमार तिवारी 52 हजार की मांग कर रहा था। आपसी बातचीत के दौरान यह सौदा 38 हजार में तय हुआ। इसके बाद भीष्मनारायण सिंह ने मामले की शिकायत लोकायुक्त एसपी अंजुलता पटेल से की। जिसके बाद बुधवार को पीड़ित ने आरोपी संजय तिवारी आफिस पहुंचकर रिश्वत की पहली किश्त 25 हजार रुपए दी, तभी लोकायुक्त टीम ने दबिश देकर संजय को रंगे हाथ पकड़ लिया। रिश्वत लेते पकड़े जाने की खबर आफिस में आग की तरह फैल गई, देखते ही देखते आफिस के अन्य कर्मचारी एकत्र हो गए, जिनके बीच तरह-तरह की चर्चाए व्याप्त रही। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक राहुल गजभिए, और निरीक्षक बृज मोहन सिंह नरवरिया सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

एड. रिजवान अली कोटी बने कांग्रेस के प्रवक्ता

जबलपुर । मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल द्वारा जारी जबलपुर कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी में

एडवोकेट रिवान अली कोटी को जिला प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। संगठन ने रिवान की कार्यक्षमता, ऊर्जा तथा उनके द्वारा किए गए पूर्ववर्ती जनहित के कार्यों का कांग्रेस को लाभ मिलने की आशा व्यक्त की है। ज्ञात हो कि रिवान ने एनएसयूआई एवं युवा कांग्रेस के कई महत्वपूर्ण पदों में रहते हुए शहर एवं छात्र हित में ढेरों आंदोलन किए जिसमें से जबलपुर में मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना भी उनकी छात्र राजनीति की एक बड़ी उपलब्धियों में से है। प्रवक्ता नियुक्त किए जाने पर रिवान ने विधायक लखन घनघोरिया, वरिष्ठ नेता बाबू विश्वमोहन, नगराध्यक्ष सौरभ शर्मा, जबलपुर कांग्रेस प्रभारी राजकुमार खुराना, संगठन प्रभारी रीतेश बंटी गुप्ता एवं आरिफ बेग सहित सभी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ जनों को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

बिजली ट्रिपिंग और बिलिंग की समस्या सुधारें वरना होगी कार्रवाई

ऊर्जा मंत्री ने की विभागीय योजनाओं की गहन समीक्षा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

प्रदेश के ऊर्जा प्रद्युम्न सिंह तोमर ने आज विभागीय योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि पाँचों बिजली कम्पनी स्वीकृत पदों में भर्ती प्रक्रिया शीघ्र करें। उन्होंने कहा कि हर हाल में अगले महीने तक भर्ती प्रक्रिया का विज्ञापन जारी हो जाना चाहिए। 132 केवी के स्वीकृत सभी सबस्टेशन का कार्य जल्द पूरे किए जाएं। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर बुधवार को भोपल में मंत्रालय में विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि मेंटेनेंस और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किए गए कार्यों के बाद भी बिजली की ट्रिपिंग क्यो हो रही है। इसका स्थाई निदान दूंढ़ा जाए। उन्होंने कहा कि पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में एक फीडर लेकर उसमें सभी संभावित उपाय कर यह सुनिश्चित करें कि उसमें कोई ट्रिपिंग नहीं हों। इस प्रयोग के सफल होने पर अन्य फीडरों में भी इसे लागू किया जाए। प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि बिजली का बिल समय पर नहीं पहुँचने और जब बिल में बढ़ोत्तरी की स्थिति हो जाए उस समय कार्रवाई करना उचित नहीं है। बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले उपभोक्तों के विरूद्ध पहले या दूसरे महीनें में ही कार्रवाई करें। इससे वह बिल का भुगतान कर सकेगा। बैठक में सचिव ऊर्जा विशेष गड़पाले, एमडी पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अजय गुप्ता, एमडी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ऋषि गर्ग, एमडी पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अनूप सिंह, एमडी पावर ट्रांसमिशन कंपनी सुनील तिवारी और एमडी मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी मनजीत सिंह ने कम्पनी द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

अच्छा परफार्मेंस नहीं देने वालों के खिलाफ करें कार्रवाई- ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि जो सीई और एसई अच्छा परफार्मेंस नहीं दे रहे है, उनके विरूद्ध कार्रवाई करें। मेंटेनेंस कार्यों के सतत् मॉनिटरिंग इनके माध्यम से करवाएं। उन्होंने कहा कि आगामी गर्मी और वर्षा के सीजन देखते हुए पावर ट्रांसफार्मर की ओवरलोडिंग कम करने की कार्ययोजना बनाएं। सोलर रूफटॉप लगाने में आ रहीं कठिनाईयों को दूर करें। जो वेंडर ठीक से काम नहीं कर रहे है, उन्हें ब्लेकलिस्ट करें। लोकसेवा गारंटी के अंतर्गत आने वाले कार्यों को समय-सीमा में कराना सुनिश्चित करें।

गलत एवं फाल्स बिलिंग को सुधारने बनायें कार्ययोजना- ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि गलत एवं फाल्स बिल की गहन जांच हो। साथ ही इनका निराकरण समय-सीमा में होना चाहिए। इसके लिए जरूरी हो तो अधिकारों का विकेन्द्रीकरण भी करें। वितरण केन्द्र एवं संभाग स्तर पर जनसुनवाई शिविर लगाएं जाएं। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष को वसूली और उपभोक्ता संतुष्टि वर्ष के रूप में मनाएं।

लिफ्ट देकर युवक से मारपीट कर लूटा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। दीनदयाल बस स्टैण्ड से स्कूटी सवार दो बदमाशों ने एक युवक को रांझी से बस मिलने का झांस दिया और उसे लिफ्ट देने के बहाने गाड़ी में बैठाकर रांझी ले गये। जहां दोनों आरोपियों ने युवक से मारपीट कर उसका मोबाईल व पर्स छीना और भाग निकले। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की पतासाजी शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि मंडला निवास के ग्राम गुंदरई निवासी 21 वर्षीय दिलीप यादव यह विजयनगर क्षेत्र में रहकर मजदूरी करता है। बीती शाम वह अपने गांव जाने के लिये बस स्टैण्ड की ओर पहुंचा।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**